राष्ट्रीय दैनिक

# प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

03 | किसान और कृषि की समृद्धि से ही ...

भाजपा ने किया कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमिशन में पेपर.. | 12



वर्ष : 14 | अंक : 174 | पटना, शनिवार, 03 अक्टूबर, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com


# गांधी जी के सत्य, अहिंसा और प्रेम के आदर्शों को अपनाकर समृद्ध बिहार के निर्माण में सहभागी बनें : मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री ने बापू टावर के भू-तल पर पद्मश्री ब्रह्मदेव पंडित द्वारा निर्मित महात्मा गांधी जी की प्रतिमा का भी अनावरण किया

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को महात्मा गांधी जी की 157वीं जयंती एवं बापू टावर के द्वितीय स्थापना दिवस के अवसर पर गर्दनीबाग स्थित बापू टावर के प्रथम तल पर भवन निर्माण विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने बापू टावर के भूतल पर प्रसिद्ध सेरामिक आर्टिस्ट पद्मश्री ब्रह्मदेव पंडित द्वारा निर्मित महात्मा गांधी जी की आवक्ष प्रतिमा का अनावरण किया। मुख्यमंत्री ने बापू टावर के दर्शकों की सुविधा के लिए ऑनलाइन टिकटिंग प्रणाली का शुभारंभ किया तथा बापू टावर द्वारा प्रकाशित पत्रिका 'सत्याग्रह' का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर महात्मा गांधी जी को नमन करते हुए उनके सत्य, अहिंसा, प्रेम और सेवा के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी के जीवन, विचारों, संघर्षों और उनकी ऐतिहासिक यात्रा को समझने का बापू टावर एक महत्वपूर्ण केंद्र है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकसित भारत का संकल्प लेकर आगे बढ़ रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समृद्ध बिहार के

निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया है। महात्मा गांधी जी का भी सपना था कि भारत विश्व पटल पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाए, विकास और समृद्धि के नए आयाम स्थापित करे। गांधी जी के आदर्शों को अपनाते हुए विकसित भारत और समृद्ध बिहार के निर्माण में हम सभी को अपनी जिम्मेदारी निभानी है।

**कचरे से लगभग 50 करोड़ रुपए की आय अर्जित करने का लक्ष्य:** मुख्यमंत्री ने राज्य में विकास, पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि पटना के कचरे का वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन कर उससे लगभग 50 करोड़ रुपए की आय अर्जित करने का लक्ष्य रखा गया है। राज्य में ग्रीन हाइड्रोजन पॉलिसी भी बनाई गई है। उन्होंने कहा कि कृषि फीडरों के लिए राज्य सरकार द्वारा 5,500 करोड़ रुपये का अनुदान दिया जा रहा है। कृषि फीडरों को सोलराइज करने की दिशा में भी काम किया जा रहा है, जिससे किसानों को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी और ऊर्जा क्षेत्र में सरकार के व्यय को कम किया जा सकेगा।

**गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सरकार प्रतिबद्ध:** मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार आज शिक्षा, संस्कृति और विरासत के क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है। राज्य सरकार विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। बिहार के सभी 38 इंजीनियरिंग कॉलेजों में विद्यार्थियों के लिए मात्र 10 रुपए शुल्क निर्धारित किया गया है। राज्य में 700 मॉडल स्कूल संचालित हैं, जिनमें लगभग 3.5 लाख विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। इन विद्यालयों के विद्यार्थियों को 'विद्यार्थी साथी ऐप' के माध्यम से 24x7 ऑनलाइन ट्यूटर की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिससे उनकी पढ़ाई में निरंतर सहयोग मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी जी के विचार केवल स्मरण करने के लिए नहीं, बल्कि अपने आचरण में उतारने के लिए हैं। इस अवसर पर हम सभी सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, सेवा और सामाजिक सद्भाव के मूल्यों को अपनाते हुए देश और बिहार को श्रेष्ठ, समृद्ध एवं विकसित बनाने में अपना योगदान देने का संकल्प लें।

**ये रहें मौजूद:** कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक संजय सरावगी, गांधीवादी विचारक रामजी सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव लोकेश कुमार सिंह, भवन निर्माण विभाग के सचिव सह अध्यक्ष, कार्यकारिणी समिति, बापू टावर प्रणव कुमार, बापू टावर के निदेशक विनय कुमार सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, गांधी जी के अनुयायी तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

## संक्षिप्त खबरें

### महिला पुलिसकर्मी के साथ बदसलूकी और हाथापाई करने वाला आरोपी गिरफ्तार

पटना। बिहार की राजधानी पटना में एक 22 वर्षीय युवक को गश्त के दौरान महिला पुलिसकर्मियों के साथ कथित तौर पर बदसलूकी और हाथापाई करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान पटना के रामकृष्ण नगर इलाके के रहने वाले प्रदीप कुमार के तौर पर हुई है। गुरुवार देर रात जारी पुलिस बयान के मुताबिक, यह घटना बुधवार रात करीब 8.30 बजे रामकृष्ण नगर पुलिस स्टेशन इलाके में खेमनीचक-सुभाषनगर चौराहे के पास हुई। पुलिस के अनुसार, महिला पुलिसकर्मियों की एक टीम इलाके में गश्त कर रही थी, तभी उन्होंने तीन युवकों को संदिग्ध गतिविधियों में शामिल पाया और पूछताछ के लिए उन्हें रोका। पुलिस ने बताया कि बातचीत के दौरान उनमेंसेएकयुवकनेमहिला पुलिसकर्मियों के साथ बदसलूकी और हाथापाई की। जब अधिकारियों ने तीनों युवकों को हिरासत में लेने की कोशिश की, तो वे सभी मौके से भाग गए। पुलिस ने बताया कि इसके बाद तीन अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। घटना के बाद, पुलिस ने तीनों युवकों की पहचान करने के लिए जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार, प्रदीप कुमार की पहचान सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय खुफिया जानकारी की मदद से की गई और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि दो अन्य आरोपियों का पता लगाने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए कई जगहों पर छापेमारी की जा रही है, वे अभी भी फरार हैं। यह घटना बिहार में पुलिसकर्मियों पर कथित हमलों या उनके काम में बाधा डालने के हालिया मामलों के बीच हुई है। पुलिस ने कहा कि मामले में जांच और इकट्ठा किए गए सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने पुलिस दीदी पहल की ओर भी ध्यान खींचा है, जिसके तहत स्कूलों और कॉलेजों के आसपास महिला पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाता है ताकि अश्लील टिप्पणियों, उत्पीड़न और पीछा करने (स्टॉकिंग) जैसी समस्याओं से निपटा जा सके और महिलाओं व लड़कियों की सुरक्षा बेहतर बनाई जा सके।

## मुख्यमंत्री ऊर्जा ऑडिटोरियम में 'सेवा स्मरण' कार्यक्रम में शामिल हुये

# प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में व्यापक बदलाव और विकास हुआ : सम्राट

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले 25 वर्षों के कार्यों एवं देश में हुए विकास पर आधारित संगीतमय नाट्य का हुआ मंचन
- बिहार की गौरवशाली विरासत को पुनः स्थापित करने तथा केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकार की उपलब्धियों को गांव-गांव तक पहुंचाने का मुख्यमंत्री ने आह्वान किया

प्रात : किरण

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को ऊर्जा ऑडिटोरियम, पटना में कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित 'सेवा स्मरण' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले 25 वर्षों के कार्यों एवं इस अवधि में देश में हुए विकास और बदलाव पर आधारित संगीतमय नाट्य का मंचन किया गया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 25 वर्षों में भारत में व्यापक बदलाव आया है। यह बदलाव देश की विकास यात्रा का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में गरीबों एवं वंचितों के कल्याण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगभग 5 करोड़ पक्के मकान उपलब्ध कराने का कार्य किया गया है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से गरीब परिवारों की रसोई तक गैस कनेक्शन पहुंचाया गया है। बड़े पैमाने पर शौचालयों का निर्माण कराया गया तथा आयुष्मान कार्ड के माध्यम से गरीब परिवारों को निःशुल्क इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। बिहार में करीब 10 करोड़ लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि बिहार में भी विकास की गति तेज हुई है। पहले राज्य में लगभग 8 हजार किलोमीटर सड़कें थी, जबकि अब करीब 1.5 लाख किलोमीटर सड़क का निर्माण कराया गया है। राज्य में एक्सप्रेस-वे सहित कई महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में राज्य सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। 700 सरस्वती विद्या निकेतन बनाए गए हैं। लगभग 3.5 लाख बच्चों को रात में भी ऑनलाइन शिक्षकों के माध्यम से पढ़ने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि 15 जुलाई को एक साथ 211 डिग्री कॉलेज खोले गए। इन कॉलेजों में शिक्षकों की नियुक्ति के लिए रिक्तियां निकाली गईं और लगभग 2,500 असिस्टेंट प्रोफेसरों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की गई। उन्होंने कहा कि किसानों के सभी फीडरों के सोलराइजेशन किया जायेगा, इससे किसानों को सस्ती एवं नियमित बिजली उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

### विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी गांव-गांव तक पहुंचायें

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी गांव-गांव जाकर लोगों तक पहुंचायें। लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है। यह लोकतंत्र है, राजतंत्र नहीं है, यहां जनता तय करती है। नरेन्द्र मोदी ने काम किया है इसलिये जनता उन्हें बार-बार मौका देती है। लोकतंत्र में जनता मालिक है। जनता तय करती है, कुर्सी पर कौन बैठेगा। जो काम करेगा वही चुनाव जीतेगा। बिहार में सुशासन की सरकार है। लोगों को त्वरित न्याय और उनकी सुविधाओं के लिये सरकार लगातार काम कर रही है। कोई घटना होती है तो 24 घंटे के अंदर कार्रवाई होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर आयोजित यह कार्यक्रम सेवा, समर्पण और देश के विकास की यात्रा को स्मरण करने का अवसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिछले 25 वर्षों में किए गए कार्यों और देश में हुए बदलाव को इस कार्यक्रम के माध्यम से याद किया जा रहा है।

### बाढ़ प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाने का कार्य लगातार जारी

मुख्यमंत्री ने बाढ़ की स्थिति की चर्चा करते हुए कहा कि इस वर्ष सोन, गंडक और गंगा नदियों में उच्चतम बाढ़ स्तर रहा। बाढ़ प्रभावित लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाने का कार्य लगातार जारी है। वायुसेना के हेलीकॉप्टर के माध्यम से बाढ़ पीड़ितों को सूखा खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्य सरकार बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में कार्य करेगी। सबसे पहले कोसी नदी को नियंत्रित करने की दिशा में कार्य किया जाएगा और इसके बाद गंगा, सोन एवं गंडक नदियों पर भी कार्य किया जाएगा। बिहार में सिंचाई के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। लगभग 44 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचित करने का कार्य किया गया। उन्होंने कहा कि बिहार की ऐतिहासिक एवं गौरवशाली विरासत रही है। बिहार ने देश को स्वर्णिम काल दिया है और अब उस गौरव को पुनः स्थापित करना है।

# एशियन गेम्स 2026: भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन को हराकर जीता गोल्ड मेडल

प्रात : किरण

काकामिगाहारा। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय महिला हॉकी टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 44 साल का सूखा खत्म कर दिया है। फाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने चीन को 1-0 से हराकर गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने आखिरी बार एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल साल 1982 में जीता था। वहीं, 1998 में टीम ने सिल्वर और 2018 में भी फाइनल तक का सफर तय किया था। टीम का प्रदर्शन पूरे टूनामेंट में शानदार रहा। गोल्ड जीतने के साथ ही भारतीय टीम ने लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक 2028 के लिए भी डायरेक्ट क्वालीफाई कर लिया है।

फाइनल मैच में भारतीय टीम ने शुरूआत से ही चीन पर दबाव बनाने का प्रयास किया। भारतीय टीम लगातार अटैक करती नजर आई, जिसका फायदा भी मिला। मैच के छठे मिनट में बलजीत कौर को ग्रीन कार्ड मिला, लेकिन 10वें मिनट में अपना 200वां इंटरनेशनल मैच खेलने उतरीं

लालरेम्सियामी ने बेहतरीन गोल दागते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिला दी।

भारतीय टीम को इसके बाद अपनी बढ़त दोगुनी करने का सुनहरा मौका मिला, लेकिन पेनल्टी कॉर्नर को टीम गोल में तब्दील नहीं कर सकी। हालांकि, मजबूत डिफेंस के बूते भारतीय टीम पहले क्वार्टर में अपनी बढ़त को बनाए रखने में सफल रही।

दूसरे क्वार्टर में चीन ने वापसी करने की कोशिश की और आक्रामक खेल दिखाया। चीन को जल्द ही पेनल्टी स्ट्रोक मिला, लेकिन सविता पूनिया ने दमदार बचाव करते हुए चीन को बराबरी करने से रोक दिया। हालांकि, इसके बावजूद चीन का आक्रामक खेल लगातार जारी रहा, लेकिन वह भारतीय टीम के मजबूत डिफेंस को नहीं भेद सके। तीसरे और चौथे क्वार्टर में भी भारतीय टीम के डिफेंस ने लगातार शानदार प्रदर्शन किया और चीन को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। तीसरे क्वार्टर में कप्तान सलीमा टेटे के चोटिल होने के बावजूद, भारतीय टीम ने चीन को हावी होने का मौका नहीं दिया। चौथे क्वार्टर में सलीमा मैदान पर वापस लौटीं और उनकी अगुवाई में टीम अपने दबदबे को कायम रखते हुए गोल्ड मेडल जीतने में सफल रही।

# गंडक का जलस्तर घटा, तटबंधों पर दबाव हुआ कम

- संवेदनशील इलाकों में रात भर की जा रही पेट्रोलिंग

प्रात : किरण

पटना। गंडक नदी में अचानक आई फ्लैश फ्लड के बाद जलस्तर में गिरावट शुरू हो गई है, लेकिन तटबंधों पर खतरा अभी पूरी तरह टला नहीं है। रेवाघाट (सारण) में गंडक का जलस्तर उच्चतम स्तर से 71 सेंटीमीटर और लालगंज (वैशाली) में 32 सेंटीमीटर नीचे आया है। इसके बावजूद दोनों स्थानों पर नदी का जलस्तर खतरे के निशान से क्रमशः 0.56 मीटर और 2 मीटर ऊपर बना हुआ है। इसे देखते हुए जल संसाधन विभाग ने तटबंधों की निगरानी बढ़ाते हुए संवेदनशील स्थानों पर रात में विशेष पेट्रोलिंग शुरू कर दी है। विभाग के अधिकारियों और संबंधित कर्मियों को रात्रि पेट्रोलिंग के लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं, ताकि तटबंधों पर होने वाले रिसाव, सीपेज, पाइपिंग, कटाव अथवा किसी अन्य क्षति की समय रहते पहचान कर तत्काल फ्लड फाइटिंग शुरू की जा सके। विभागीय स्तर पर तटबंधों की लगातार निगरानी की जा रही है और संवेदनशील स्थलों पर बचाव कार्यों के लिए मटेरियल और मैनपावर की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। सारण जिले के रेवाघाट में फ्लड फाइटिंग मटेरियल और मैनपावर की उपलब्धता का निरीक्षण भी किया गया। इस दौरान तटबंधों की मौजूदा स्थिति, सीपेज एवं पाइपिंग से बचाव के उपाय, रात में पेट्रोलिंग तथा कट-एंड प्रोटेक्शन कार्यों की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी रखें और किसी भी असामान्य स्थिति की सूचना मिलते ही आवश्यक बचाव कार्य शुरू करें।

**गंडक के दोनों तटबंधों पर जल दबाव में आई कमी:** विभाग के अनुसार, गंडक के दोनों तटबंधों पर जल दबाव में कुछ कमी आई है और क्रिटिकल सीपेज एवं पाइपिंग की स्थिति भी पहले की तुलना में कम हुई है। हालांकि, स्थिति पूरी तरह सामान्य होने तक निगरानी जारी रखने का निर्णय लिया गया है। तटबंधों के ब्रीच स्थलों पर पर्याप्त फ्लड फाइटिंग मटेरियल का स्टॉक किया जा रहा है। साथ ही कट-एंड को सुरक्षित करने और टैगिंग का कार्य भी जारी है। इधर, सारण जिले के पानापुर और मकेर प्रखंड में क्षतिग्रस्त तटबंधों से निकला पानी आसपास के विस्तृत क्षेत्र में फैल रहा है।

# पीएम मोदी ने जांबाज भारतीय पायलट स्मित मच्छार से की बात, बोले- 'आप पर पूरे देश को गर्व'

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय पायलट स्मित मच्छार से बात की है। उन्होंने स्मित मच्छार से उनका हालचाल जाना और जल्द स्वस्थ होने की कामना की। पीएम मोदी ने कहा कि आपने अपने जीवन की परवाह नहीं की, बल्कि यात्रियों के जीवन की परवाह की। सबसे बड़ी बात यह है कि आपने 140 करोड़ देशवासियों का मान बढ़ाया है। पीएम मोदी ने स्मित से कहा कि पूरा देश आपके लिए प्रार्थना कर रहा है। महामृत्युंजय के जाप चल रहे हैं। आपकी हिम्मत, धैर्य और सूझबूझ ने लोगों की जान बचाई है। आज पूरा देश गर्व से कह सकता है कि हम हिंदुस्तानी जान लेने वाले लोग नहीं है, बल्कि जान बचाने वाले लोग हैं। उन्होंने कहा, आपके शरीर पर इतना बड़ा घाव हुआ और स्वयं जीवन और मृत्यु की लड़ाई लड़ रहे थे। उस समय भी आपने अपने जीवन की परवाह नहीं की, बल्कि यात्रियों के जीवन की परवाह की। सबसे बड़ी बात यह है कि आपने 140 करोड़ देशवासियों का मान बढ़ाया है। इसलिए मैं हृदय से गर्व अनुभव करता हूं। स्मित के

परिजनों से बातचीत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, मुझे कल भूपेंद्र भाई और गीताबेन से बात करने का अवसर मिला। मैंने गीताबेन को बोला कि आपका नाम गीता है, लेकिन आपने कृष्ण की गीता को पूरी तरह बचा दिया। आपने साक्षात गीता के संस्कारों से स्मित का जीवन बनाया।

इस दौरान, प्रधानमंत्री मोदी से बात करते हुए पायलट स्मित भावुक हुए। उन्होंने प्रधानमंत्री को अपना सबसे बड़ा आइडल बताया। स्मित मच्छार ने कहा, आप मेरे सबसे बड़े आइडल हैं। आप कॉल करके मेरी हौसला अफजाई कर रहे हैं, मुझे बहुत गर्व हो रहा है। स्मित ने पीएम मोदी से कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि आपसे मेरी बात होगी ह्व स्मित के भावुक होने पर पीएम मोदी ने कहा, आपने इतना बड़ा काम किया है कि हर देशवासी और पूरी दुनिया लोग आपको देखने, आपसे बात करने के लिए आतुर हैं। आपने सचमुच में पूरे देश का नाम रौशन किया है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत आपका स्वागत करने के लिए बहुत उत्सुक है। उन्होंने कहा, ह्रअगर ऐसा (आप सभी की जान न बचाते) न करते तो पता नहीं, पूरे देश और भारत के पायलटों पर क्या-क्या बीतती। सभी पायलटों को किस तरह से देखा जाता। आपने सभी को बचा लिया है। इस दौरान, पीएम मोदी ने सऊदी और यूएई सरकार का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इन सरकारों ने स्मित की बहुत देखभाल की। मैं उनका बहुत आभारी हूं।

## अभियान | समृद्ध महिला-समृद्ध बिहार: जीविका दीदियों के लिए ग्रामीण विकास विभाग का महाप्लान

# राज्य में 50 लाख जीविका दीदी बन चुकी लखपति दीदी, अब 1 करोड़ दीदियों को लखपति बनाने का लक्ष्य

- आगामी पांच वर्षों में जीविका से जुड़ी 1 करोड़ महिलाएं बनेंगी लखपति दीदी

प्रात : किरण

पटना। बिहार में महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और स्वावलंबन को नई दिशा देने के लिए ग्रामीण विकास विभाग जल्द ही एक महत्वाकांक्षी अभियान 'समृद्ध महिला-समृद्ध बिहार' शुरू करने जा रहा है। इस योजना का मुख्य लक्ष्य राज्य की 1 करोड़ जीविका दीदियों को लखपति दीदी के रूप में विकसित करना है। वर्तमान में राज्य में लखपति दीदियों की संख्या करीब 50 लाख हो चुकी है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, यह प्रयास राज्य में महिला-केंद्रित विकास और हरित-आर्थिक उन्नति का नया अध्याय लिखेगा। विभाग की ओर से तैयार भावी रूपरेखा के तहत महिला सशक्तीकरण को व्यापक स्तर पर धरातल पर उतारने संबंधी इस अभियान में 10 लाख महिला उद्यमियों को बैंकों और वित्तीय संस्थानों के माध्यम से 5 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा राज्य की 60 लाख महिलाओं को पशुपालन और उससे जुड़े क्षेत्रों में सूक्ष्म उद्यमों

की स्थापना के लिए प्रेरित किया जाएगा और उन्हें सहयोग प्रदान किया जाएगा। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि औद्योगिक और निर्माण क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 25 लाख महिला-केंद्रित विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) और सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने का प्रस्ताव है। इन उद्यमों में निर्मित उत्पादों को बड़ा बाजार देने के लिए विभाग खरीदारों और आयातकों के साथ सीधा तालमेल स्थापित करेगा।

साथ ही, सेवा एवं कौशल-आधारित क्षेत्रों में 15 लाख नए रोजगार व स्वरोजगार के अवसर पैदा किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत से लेकर राज्य स्तर तक उद्यमिता विकास के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे का निर्माण होगा और उत्पादों के उत्पादन, प्रसंस्करण, ब्रांडिंग, विपणन और निर्यात को एकीकृत कर एक मजबूत वैल्यू-चेन विकसित की जाएगी। ग्रामीण विकास विभाग का यह अभियान महिलाओं के साथ-साथ युवाओं और दिव्यांगजनों को जोड़ते हुए एक समावेशी और पर्यावरण अनुकूल (ग्रीन-इकनॉमिक) विकास मॉडल को आकार देगा, जिससे आने वाले दिनों में बिहार की जीविका दीदियां आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश करेंगी। बता दें कि मौजूदा समय में बिहार में समूहों से जुड़ीं दीदियों ने बचत और आय बढ़ाने संबंधित कई तरह के कार्य किए जिसकी बदौलत आज करीब 50 लाख से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। यह उपलब्धि हासिल करने वाला बिहार देश का पहला राज्य है।

> आज जीविका दीदियां समाज में महिला सशक्तिकरण का पर्याय बन चुकी है। जीविका ने सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूर्ण किया है। इन वर्षों में बिहार की महिलाएं शिक्षित, आत्मनिर्भर, विकसित और खुशहाल बनी हैं। जब एक महिला सशक्त होती है, तो वह पूरे परिवार के सशक्तिकरण का आधार बनती है। पूर्व मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने अपने शासनकाल में महिला सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और उनकी एक संवेदनशील और दूरदर्शी सोच के साथ शुरू हुई यह मुहिम आज सामाजिक बदलाव की विशिष्ट कहानी बन चुकी हैं। लगभग 50 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाकर बिहार देश में पहला स्थान हासिल कर चुका है। इस सफलता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए हम समृद्ध महिला-समृद्ध बिहार अभियान शुरू कर रहे हैं, जिसका लक्ष्य राज्य की 1 करोड़ जीविका दीदियों को लखपति दीदी बनाना है। ग्राम पंचायत से राज्य स्तर तक एक मजबूत वैल्यू-चेन बनाकर हम महिलाओं, युवाओं और दिव्यांगजनों को जोड़ते हुए एक समावेशी और ग्रीन-इकोनॉमिक विकास मॉडल पेश करने जा रहे हैं।
>
> - श्रवण कुमार (मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग और सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग)

# राजधानी के विद्यापति भवन में सूड़ी समाज ने दिया अपनी एकजुटता और ताकत का परिचय

## सूड़ी गौरव सम्मान-2026 में उमड़ा जनसैलाब

- अति पिछड़ा (बीसी-1) आरक्षण और राजनीतिक अधिकार के लिए हुंकार

अभय आर्या

पटना। राजधानी पटना का ऐतिहासिक विद्यापति भवन शुक्रवार को एक अभूतपूर्व सामाजिक पुनर्जागरण और राजनीतिक एकजुटता का साक्षी बना। राष्ट्रीय सूड़ी महासभा (सूड़ी संघर्ष मोर्चा) के तत्वावधान में आयोजित राज्यस्तरीय सूड़ी गौरव सम्मान-2026 सह महासम्मेलन में बिहार के कोने-कोने, उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों तथा पड़ोसी देश नेपाल से आए हजारों लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। विद्यापति भवन का विशाल प्रांगण और सभागार जनसैलाब से खचाखच भरा नजर आया। यह महाजुटान केवल एक सम्मान समारोह नहीं, बल्कि वर्षों से उपेक्षित सूड़ी समाज के हक, अधिकार, स्वाभिमान और अति पिछड़ा वर्ग (BC-1) में शामिल किए जाने की मांग का एक सशक्त शंखनाद साबित हुआ। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। दिनभर चले इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में समाज के सर्वांगीण विकास, राजनीतिक भागीदारी और शैक्षणिक व आर्थिक उत्थान को लेकर व्यापक रणनीति पर गहन विचार-

विमर्श हुआ। इस दौरान सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, उद्यमिता और नारी-शक्ति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को 'सूड़ी गौरव सम्मान' से अलंकृत किया गया।

**भाजपा प्रदेश अध्यक्ष का भव्य स्वागत:** कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे भाजपा बिहार प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी का भव्य एवं गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर बिहार के आदर्श मुखिया सह ह्यग्राम संसदह्ण के ब्रांड एम्बेसेडर दिगंबर मंडल ने प्रदेश अध्यक्ष को अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

**BC-1 का अधिकार लेकर रहेंगे: सुमन महासेठ:** कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व विधान पार्षद और राष्ट्रीय सूड़ी महासभा के संरक्षक सुमन कुमार महासेठ ने कहा कि सूड़ी समाज वर्षों से आर्थिक और सामाजिक विषमता का शिकार रहा है। पश्चिम बंगाल में समाज को अनुसूचित जाति और झारखंड में अति पिछड़ा वर्ग में रखा गया है, तो फिर बिहार में यह हकमारी क्यों? पारंपरिक व्यवसाय बंद होने से समाज की बड़ी आबादी घोर निर्धनता में जीवन जीने को मजबूर है। वर्ष 2015 से जारी यह संघर्ष अब निर्णायक मोड़ पर है। बिहार सरकार को बिना किसी विलंब के सूड़ी समाज को पिछड़ा वर्ग (BC-2) से हटाकर अति पिछड़ा वर्ग (BC-1) में शामिल करना होगा, ताकि युवाओं को शिक्षा और सरकारी नौकरियों में उचित अवसर मिल सके।

**20 वर्षों का तप ला रहा रंग: प्रह्लाद पूर्वे-** प्रदेश कार्यक्रम संयोजक प्रह्लाद कुमार पूर्वे ने कहा कि बीते दो दशकों से संगठन ने बिहार के एक-एक गांव और पंचायत में जाकर समाज को जगाने का काम किया है। उसी अनवरत संघर्ष का प्रतिफल है कि आज समाज के प्रतिनिधि विधानसभा और मंत्रिपरिषद तक पहुंचे हैं। अब समय आ गया है कि पूरी बिरादरी एकजुट होकर सरकार से अपना संवैधानिक अधिकार हासिल करे।

**प्रमुख नेताओं की हुंकार:** महासम्मेलन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने आश्वासन दिया कि समाज की न्यायोचित मांगों को सरकार के समक्ष मजबूती से रखकर समाधान निकालना उनकी प्राथमिकता होगी। पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद ने एकजुटता को सबसे बड़ी ताकत बताया, वहीं दीघा विधायक संजीव चौरसिया और ढाका विधायक पवन जायसवाल ने सूड़ी समाज को BC-1 का दर्जा मिलने तक आंदोलन में साथ खड़े रहने की प्रतिबद्धता जताई। इसके अलावा ज्योति वैध, धन्वन्तरी देवी और सुनील नायक ने भी विचार व्यक्त किए।

**आंदोलन की चेतावनी और सांगठनिक मजबूती:** समारोह के सफल आयोजन में प्रदेश सह-संयोजक अनिल वैद्य, कोषाध्यक्ष अजय महतो, मीडिया प्रभारी अभय आर्या और कार्यालय प्रभारी राजेश कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में प्रमंडल संयोजक आलोक अंजन, आरा मेयर इंदु देवी, गोपी किशन, शिवरतन गुप्ता, बीरेंद्र साहू, राम उदार महासेठ, पूर्व न्यायाधीश अजीत मोदी, सतीश कुमार, मनोरंजन कुमार और कुमारी गुड्डी, दिलीप कुमार, अजय कुमार (पिंटू), मनोज जी( मनेर) समेत कई प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति रही। आयोजकों ने संकल्प लिया कि यदि सरकार जल्द ही सूड़ी समाज को अति पिछड़ा वर्ग (BC-1) में शामिल करने की घोषणा नहीं करती है, तो यह आंदोलन पटना की सड़कों से लेकर राज्य के हर प्रखंड मुख्यालय तक चरणबद्ध तरीके से चलाया जाएगा।

## संक्षिप्त खबरें

### पारस हेल्थ, पटना में विश्व हृदय दिवस पर वॉकाथॉन का आयोजन

पटना। विश्व हृदय दिवस के अवसर पर पारस हेल्थ, पटना द्वारा 'PartaofYourHeart' अभियान के तहत एक वॉकाथॉन आयोजित किया गया। आपका हृदय, आपकी हर खुशी का आधारह्व संदेश के साथ आयोजित इस जागरूकता यात्रा को दीघा विधायक डॉ. संजीव चौरसिया, जोनल डायरेक्टर डॉ. दीपक सिंह और जनरल सर्जरी निदेशक डॉ. अहमद अब्दुल हई ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वॉकाथॉन अस्पताल परिसर से शुरू होकर शेखपुरा मोड़ तक गया, जिसमें एनसीसी, आईटीबीपी, एसएसबी, बीएमपी और विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान जुंबा और अन्य गतिविधियों के जरिए सक्रिय जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। विधायक डॉ. संजीव चौरसिया और जोनल डायरेक्टर डॉ. दीपक सिंह ने कहा कि नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और तनावमुक्त जीवन से हृदय रोगों के जोखिम को कम किया जा सकता है। कार्यक्रम में कई वरिष्ठ डॉक्टरों ने भी लोगों को सेहतमंद रहने के टिप्स दिए। (पारस एचएमआरआई बिहार का प्रमुख कॉर्पोरेट अस्पताल है, जो 2013 से विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रहा है।)

### नदी थाना पुलिस की कार्रवाई तीन प्राथमिकी अभियुक्त गिरफ्तार

फतुहा। नदी थाना पुलिस ने विभिन्न मामलों में कार्रवाई करते हुए तीन प्राथमिकी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। पुलिस के अनुसार, नदी थाना कांड संख्या 392/2026 (चोरी) के प्राथमिकी अभियुक्त विकास कुमार (30 वर्ष), पिता ललन राय, ग्राम जेठुली, थाना नदी, जिला पटना, को गिरफ्तार किया गया। वहीं, नदी थाना कांड संख्या 394/2026 (उत्पाद) के प्राथमिकी अभियुक्त धर्मवीर कुमार (26 वर्ष), पिता शंभू यादव, ग्राम जफराबाद, थाना नदी, जिला पटना तथा नदी थाना कांड संख्या 329/2026 (उत्पाद) के प्राथमिकी अभियुक्त संजय कुमार, पिता शंकर राय, ग्राम कच्ची दरगाह, थाना नदी, जिला पटना को भी गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद तीनों अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

## महात्मा गांधी की जयंती पर वाणिज्य प्रकोष्ठ ने अर्पित की श्रद्धांजलि

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भाजपा वाणिज्य प्रकोष्ठ के बोरिंग रोड स्थित कैंप कार्यालय, मित्रा कंपाउंड में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रो. (डॉ.) जगन्नाथ प्रसाद गुप्ता ने की, जबकि संचालन प्रदेश सह-संयोजक अमृतेष कुमार गुप्ता ने किया। इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने महात्मा गांधी जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर प्रो. जगन्नाथ गुप्ता, अमृतेष गुप्ता और मुख्य प्रवक्ता नरेश महतो ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा, स्वदेशी, स्वावलंबन और सामाजिक समरसता के माध्यम से देश को नई दिशा दी। उनके विचार केवल स्वतंत्रता आंदोलन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सामाजिक जीवन और राष्ट्र निर्माण के लिए आज भी प्रेरणास्रोत हैं। गांधी जी को स्मरण करने के साथ-साथ उनके जीवन मूल्यों को अपने दैनिक आचरण एवं सामाजिक कार्यों में उतारने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक अजय कुमार गुप्ता, दिलीप कुमार गुप्ता, संजीव कुमार पाल, सुशील कुमार सिंह, कृष्ण कुमार आजाद, सौरभ भगत, ओमप्रकाश गुप्ता, नागेंद्र बाबा के अलावे प्रिंस कुमार गुप्ता, रामजी प्रसाद जायसवाल, देवेंद्र कुमार गुप्ता, मिंटू जायसवाल, राकेश कुमार गुप्ता, अजीत कुमार भारद्वाज, मदन कुमार गुप्ता, रंजन कुशवाहा, महिला प्रदेश सह-संयोजक अमृता गुप्ता, महिला प्रभारी जयश्री भौमिक एवं शालिनी शेखर सहित अन्य ने भी गांधी जी की जयंती पर उन्हें नमन किया।

## स्वच्छता पखवाड़ा में शपथ, प्रभात फेरी व वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

- डीआरएम ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दिलाई स्वच्छता शपथ

प्रात : किरण संवाददाता

दानापुर। खगौल रेल मंडल कार्यालय के प्रांगण में स्वच्छता शपथ, प्रभात फेरी एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर परसर्वप्रथम मंडल रेल प्रबंधक,दानापुर विनोद कुमार एवं अन्य सभी अधिकारियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किये तत्पश्चात उपस्थितअधिकारियों एवं रेलकर्मियों को स्वच्छता शपथ दिलाई स्वच्छता जागरूकता रथ को रवाना कियेकार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महात्मा गांधी के स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत के सपने को साकार करने के लिए अपने कार्यस्थल, रेलवे परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने तथा अन्य लोगों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया।

स्वच्छता हेतु रेलकर्मियों के साथ-साथ यात्रियों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है यात्रियों से अपील है ,कि वे रेलवे परिसर को स्वच्छ रखने में सहयोग करें और कूड़ा निर्धारित डस्टबिन में ही डालें।इस अवसर परअपर मंडल रेल प्रबंधक इन्फ्रा राजीव कुमार एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक परिचालन वीरेन्द्र कुमार सहित मंडल के अन्य अधिकारीगण एवं रेलकर्मियों तथा स्काउट एंड गाइड के बच्चों ने भी प्रभातफेरी में भाग लिये कार्यक्रम का संचालनपुष्कर कुमार, वरीय मंडल यांत्रिक अभियंता ने किये।

## गांधी जयंती पर ग्राम सभा, विकास योजनाओं पर हुई चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

दनियावां। प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में गांधी जयंती के अवसर पर ग्राम सभा का आयोजन किया गया।इस मौके पर सलारपुर पंचायत के पीरबढ़ौना गांव में शुक्रवार को ग्राम सभा का आयोजन किया गया। ग्राम सभा की अध्यक्षता मुखिया मनीष कुमार ने की। बैठक में पंचायत में संचालित एवं प्रस्तावित विभिन्न विकास योजनाओं को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान योजनाओं के चयन, क्रियान्वयन और ग्रामीणों तक उनके लाभ पहुंचाने को लेकर चर्चा हुई। ग्रामीणों ने भी गांव की जरूरतों से संबंधित विभिन्न समस्याएं एवं सुझाव बैठक में रखे। मौके पर रोजगार सेवक मनोज कुमार, ज्योति कुमारी, पंचायत सचिव योगेश्वर पासवान, उपमुखिया संजीव कुमार, विभिन्न वार्ड सदस्य समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

## जनसेवा एक्सप्रेस में सांप दिखाकर यात्रियों से पैसे मांगने वाले 06 सपेरे पकड़े गए

प्रात : किरण संवाददाता

गया। प्राप्त रेल मदद सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए रेसुब सोनपुर आउट पोस्ट दिघवारा के उप निरीक्षक श्री शमशेर कुमार एवं सहायक उप निरीक्षक श्री विजय कुमार द्वारा उक्त ट्रेन की निगरानी की जा रही थी। गाड़ी के छपरा स्टेशन से प्रस्थान करने के बाद साधारण कोचों की जांच के दौरान 06 व्यक्तियों को सांप दिखाकर यात्रियों से पैसे मांगते हुए पाया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए गाड़ी के सोनपुर मंडल के अंतर्गत अगले ठहराव दिघवारा स्टेशन पर उक्त सभी व्यक्तियों को उनके कृत्य से अवगत कराते हुए ड्यूटी पर तैनात बल सदस्यों की सहायता से ट्रेन से उतारा गया। पूछताछ के दौरान पकड़े गए व्यक्तियों द्वारा अपना नाम एवं पता स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया। उनके द्वारा अलग-अलग स्थानों, जैसे लखनऊ एवं हिमाचल प्रदेश का निवासी होने की जानकारी दी गई। उनके नाम एवं पते का सत्यापन किया जा रहा है।मामले में वन विभाग से समन्वय स्थापित किया गया है तथा संबंधित प्रावधानों के तहत आवश्यक विधिसम्मत कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। भारतीय रेल आम जन मानस से आग्रह करती है कि जागरुक रहें। ट्रेन में सांप दिखा पैसे माँगना गैर कानूनी है।

## टीबी से उबर चुके लोग अब बनें टीबी उन्मूलन के योद्धा: राज्यपाल

- टीबी मुक्त बिहार- जन भागीदारी अभियान का किया शुभारांभ
- टीबी से जीते लोग-अब टीबी मुक्त बिहार के योद्धा का दिया गया संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

पटना- गाँधी जयंती के अवसर पर बिहार लोक भवन में शुक्रवार को ह्नटीबी मुक्त बिहारझ जन भागीदारीह्व अभियान का शुभारांभ किया गया. यह पहल टीबी उन्मूलन के प्रयासों में समुदाय की सक्रीय भागीदारी बढ़ाने और टीबी से उबर चुके लोगों को टीबी के खिलाफ जन-जागरूकता अभभयान का नेतृत्वकर्ता बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है. कार्यक्रम की शुरूआत लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322 ई के डॉ अमूल्य सिंह ने राज्यपाल महोदय का स्वागत भाषण से किया. कार्यक्रम का शुभारंभ बिहार के राज्यपाल लेफ्टटनेंट जनरल सैयद अता हसनैन (सेवानिवृत) ने टीबी चैंपियंस के बाइक रैली को झंडा दिखाकर तथा गुब्बारे उड़ाकर किया. इस अवसर पर बड़ी संख्या में टीबी चैंपियंस, सामाजिक कार्यकर्ता, लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 322 ई के पदाधिकारी एवं सदस्य तथा स्वास्थ्य से जुड़े प्रतिनिधि उपस्थित रहे. इस अवसर पर टीबी से जीते लोग-अब टीबी मुक्त बिहार के योद्धा का संदेश दिया गया. राज्यपाल ने टीबी चैंपियंस की भूमिका की सराहना करते हुए कहा, टीबी से जीते लोग आज यहाँ योद्धा के रूप में हैं, जो अपनी टीबी से लड़ाई के मुद्दे को बहुत ही प्रभावी ढंग से आगे बढा रहे हैं. टीबी की जंग में कम्युनिकेशन एक बहुत बडा हथियार है, जो समुदाय को जागरूक करने और आगे आने के लिए प्रेरित करता है. मैंने देखा है कि बिहार के लोग जब किसी भी मुद्दे को अपनाते हैं तो उसे बहुत ही शिद्दत से पूरा करते हैं. उन्होंने कहा कि टीबी जैसी बीमारी के उन्मूलन के लिए सरकारी प्रयासों के साथ समाज और समुदाय की भागीदारी भी आवश्यक है. टीबी से उबर चुके लोगों का अनुभव समुदाय में विश्वास पैदा करने और लोगों को समय पर जांच एवं उपचार के लिए प्रेरित करने में करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं. टीबी मुक्त वाहिनी के सचिव सुधेश्वर सिंह ने कहा कि टीबी से उबर चुके लोग केवल टीबी के मरीज नहीं रहे, बलिकी आज वे समाज में बदलाव के वाहक और टीबी चैंपपयन के रूप में अपनी भूमिका निभा रहे हैं. इस अवसर पर टीबी चैंपियंस राज्या मुमताज एवं अंजना सिंह ने अपनी टीबी से जंग की आपबीती साझा की. इस अवसर पर कुल राज्य के विभिन्न जिलों से आए 50 टीबी चैंपियंस मौजूद रहे. इस अभियान के माध्यम से टीबी मुक्त वाहिनी के चैंपियंस 2000 टीबी प्रभावित लोगों को उपचार के दौरान पियर सपोर्ट, मानसिक सहयोग और परिवार आधारित सहयोग उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे. 5000 टीबी प्रिसमटिव लोगों की पहचान एवं उनके रेफरल में सहयोग करेंगे।

## स्वच्छ भारत दिवस: पटना जू में NSO द्वारा 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में राष्ट्रव्यापी स्वच्छता ही सेवा-2026 अभियान (17 सितंबर से 02 अक्टूबर 2026) का समापन आज स्वच्छ भारत दिवस के रूप में किया गया। इस वर्ष अभियान का मुख्य विषय स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत रखा गया है। इसी क्रम में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (क्षेत्र संकार्य प्रभाग), पटना द्वारा उपमहानिदेशक श्री रोशन लाल साहू की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में दोपहर 12:00 बजे पटना जू (संजय गांधी जैविक उद्यान) में एक पेड़ माँ के नाम पहल के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

**स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण जीवन का अभिन्न अंग: उपमहानिदेशक-** कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमहानिदेशक श्री रोशन लाल साहू ने स्वच्छ एवं हरित पर्यावरण के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सहभागिता को अत्यंत आवश्यक बताया। उन्होंने सभी से पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। जन-जागरूकता और हरित आवरण बढ़ाने पर जोर: इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आम जनता के बीच स्वच्छता और प्रकृति संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना तथा अधिक से अधिक लोगों को हरित आवरण बढ़ाने के प्रयासों से जोड़ना था। वृक्षारोपण के जरिए प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी, स्वच्छ वातावरण और सतत विकास के लिए सामूहिक प्रयास का सशक्त संदेश दिया गया।

**अधिकारियों व कर्मचारियों ने निभाई सक्रिय भूमिका:** इस अवसर पर ठरड पटना कार्यालय के उपनिदेशक, सहायक निदेशक सहित सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने बड़े उत्साह और उमंग के साथ पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

## टेंडर हार्ट इंटरनेशनल स्कूल में स्वच्छता एवं पर्यावरण जागरूकता सेमिनार का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। गांधी जयंती के अवसर पर लायंस क्लब ऑफ पटना मगध के द्वारा टेंडर हार्ट इंटरनेशनल स्कूल में स्वच्छता एवं पर्यावरण जागरूकता विषय पर एक विशेष सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के रिसोर्स पर्सन लायन डॉ. अलोक रंजन, गेट कोऑर्डिनेटर, लायंस क्लब ऑफ पटना नव्या विहार ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं वेस्ट मैनेजमेंट के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घरों, फैक्ट्रियों तथा अस्पतालों से निकलने वाले विभिन्न प्रकार के कचरे का उचित तरीके से निपटान एवं प्रोसेसिंग करना क्यों आवश्यक है। विशेष रूप से विद्यार्थियों को मेडिकल वेस्ट के सुरक्षित निपटान की प्रक्रिया एवं उससे जुड़े पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। डॉ. आलोक रंजन ने बच्चों को अपने आसपास साफ-सफाई रखने, कूड़ा-कचरा इधर-उधर न फेंकने तथा पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर लायन राजीव भार्गव , रीजनल गेट कोऑर्डिनेटर, प्रिंसिपल लायन शिवानी भार्गव ट्रेझर एवं लायंस क्लब ऑफ पटना मगध की लायन रेवा भार्गव उपस्थित रहीं। विद्यालय के शिक्षक अभिषेक सर, सत्यम सर एवं जयप्रकाश सर ने भी विद्यार्थियों को कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

## बिहार में ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में निवेश के बेहतर अवसर : ऊर्जा मंत्री

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार को देश के उभरते निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से राइजिंग बिहार इन्वेस्टर समिट-2026 का आयोजन गुरुवार को पटना के होटल ताज सिटी सेंटर में किया गया। ह्यबिहार-द इमर्जिंग इन्वेस्टमेंट डेस्टिनेशन ऑफ इंडिया थीम पर आयोजित समिट में उद्योग जगत, निवेशकों, उद्यमियों, वित्तीय संस्थानों और विभिन्न व्यावसायिक संगठनों के करीब 200 से 250 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। समिट के उद्घाटन समारोह में माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी, माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी, माननीय बिहार की उद्योग मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह, माननीय पथ निर्माण मंत्री श्री ई. कुमार शैलेंद्र सहित प्रमुख प्रतिनिधि मौजूद रहे।

5 लाख करोड़ निवेश लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा बिहार : समिट के लिए जारी माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के संदेश में कहा गया कि बिहार सरकार ने नवंबर 2026 तक 5 लाख करोड़ के निवेश को आकर्षित करने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने उद्योगपतियों, उद्यमियों और बिजनेस लीडर्स से बिहार में निवेश कर राज्य की विकास यात्रा में भागीदार बनने का आह्वान किया। संदेश में राज्य में अनुकूल कारोबारी माहौल तैयार करने, औद्योगिक आधार को मजबूत करने तथा निवेश के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना विकसित करने पर जोर दिया गया। राज्य में 100 से अधिक औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना और बढ़ते बजट का भी उल्लेख किया गया। बिहार का बजट हाल के वर्षों में बढ़कर 3.47 लाख करोड़ तक पहुंचा है। राइजिंग बिहार इन्वेस्टर समिट-2026 ने सरकार, उद्योग जगत और निवेशकों के बीच संवाद के लिए प्रभावी मंच उपलब्ध कराया। समिट में विशेष रूप से ऊर्जा, नवीकरणीय ऊर्जा, सौर ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी स्टोरेज, सोलर पार्क और बायोमास जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं को सामने रखा गया। ऊर्जा क्षेत्र में 1.88 लाख करोड़ के नियोजित निवेश के साथ बिहार ने निवेशकों के लिए बिजली एवं ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में उपलब्ध व्यापक अवसरों को रेखांकित किया। बिहार के ऊर्जा क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश की योजना तैयार की गई है। राज्य में बिजली उत्पादन, पारेषण, वितरण तथा नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़ी परियोजनाओं में कुल 1,88,383 करोड़ के नियोजित निवेश की दिशा में काम किया जा रहा है। इसमें जेनरेशन, ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन के साथ-साथ सोलर, बैटरी स्टोरेज, पंप्ड स्टोरेज और ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं से राज्य की ऊर्जा आधारभूत संरचना मजबूत होने के साथ औद्योगिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों के विस्तार को भी गति मिलेगी। ऊर्जा क्षेत्र में निवेश के व्यापक अवसर: समिट में ऊर्जा एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र पर विशेष फोकस रहा। सौर ऊर्जा, सोलर पार्क, बायोमास, ग्रीन हाइड्रोजन, रूफटॉप सोलर, बैटरी स्टोरेज, पंप्ड स्टोरेज और ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं में निवेश की संभावनाओं से निवेशकों को अवगत कराया गया। ऊर्जा क्षेत्र में जारी सुधारों और नई परियोजनाओं के माध्यम से राज्य में बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण व्यवस्था को लगातार मजबूत किया जा रहा है। इससे औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के लिए आवश्यक ऊर्जा आधारभूत संरचना को भी मजबूती मिलेगी। ऊर्जा क्षेत्र पर विशेष सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट सेशन: समिट के तीसरे सेक्टोरल इन्वेस्टमेंट सेशन-एनर्जी की अध्यक्षता माननीय ऊर्जा मंत्री श्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने की। ऊर्जा विभाग के सचिव-सह-अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री अजय यादव (भा.प्र.से.) ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बिहार में ऊर्जा क्षेत्र में किए गए प्रमुख सुधारों, उपलब्धियों, निवेश-अनुकूल नीतियों तथा भविष्य की संभावनाओं की जानकारी निवेशकों को दी। ऊर्जा मंत्री श्री शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल ने कहा कि बिहार हाई-ग्रोथ मार्केट और बड़े उपभोक्ता आधार वाला राज्य है। बढ़ती ऊर्जा मांग और मजबूत होते बिजली तंत्र के कारण राज्य में ऊर्जा क्षेत्र में निवेश और बेहतर रिटर्न की व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि बिहार में ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में तेजी से काम हो रहा है और इस क्षेत्र में निवेश के बेहतर अवसर है। पीएम सूर्य घर योजना के तहत रूफटॉप सोलर के साथ-साथ पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट, बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (इएरर) और अन्य हरित ऊर्जा परियोजनाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पीएम-कुसुम योजना के तहत राज्य के 2,554 कृषि फीडरों के सोलराइजेशन को मंजूरी दी गई है, जिसके तहत 2,585 मेगावाट क्षमता के सौर संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने निवेशकों से बिहार में ऊर्जा और हरित ऊर्जा क्षेत्र में निवेश का आह्वान करते हुए कहा कि राज्य सरकार आवश्यक नीतिगत सहयोग और सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

मंडल रेल प्रबन्धक (इंजी0)/पूर्व मध्य रेल/ समस्तीपुर कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे लिखे गये कार्यों के लिए अनुभवी एवं वित्तीय क्षमता रखने वाले निविदादाताओं से भारतीय रेल के आई.आर.ई.पी.एस. वेब पोर्टल पर खुली ई–निविदा के रुप में आमंत्रित करती है:–

**क्र.सं.:** 1, **निविदा सूचना सं.:** टी.सी.–148–2026–एस.पी.जे., **कार्य का नाम:** समस्तीपुर मंडल में विभिन्न समपार फाटकों के रोड सतह पर रबरयुक्त पैड का प्रावधान ।, **निविदा लागत (रुपये में):** 343729653.95, **बयाने की राशि (रुपये में):** 6874600.00, **कार्य की समाप्ति अवधि:** 18 माह

**(1) आई.आर.ई.पी.एस. वेब पोर्टल पर ई –निविदा के रुप में निविदा प्राप्त करने की अन्तिम तिथि एवं समय** :– 03.11.2026 को 12.00 बजे तक | **(2) ई–निविदा खुलने की तिथि एवं समय** :– 03.11.2026 को 12.00 बजे के बाद | **(3) वेबसाईट का विवरण जहाँ से निविदा एवं निविदा प्रपत्र की विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है** :– वेबसाईट: **www.ireps.gov.in.** उपरोक्त निविदा से संबंधित यदि कोई भी संशोधन/ परिवर्तन किया जाता है तो उसकी सूचना समाचार पत्रों में प्रकाशित नहीं किया जाएगा बल्कि वेबसाईट पर अपलोड कर दिया जाएगा।

वरिष्ठ मंडल इंजीनियर/समन्वय
पूर्व मध्य रेल/समस्तीपुर

पीआर/1053/एसपीजे/इंजी./टी/26–27/36

# बापू को सच्ची श्रद्धांजलि : उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प

## राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व पीएम लाल बहादुर शास्त्री को किया नमन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन एवं मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना के गांधी मैदान स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की विशाल आदमकद प्रतिमा / चित्र पर माल्यार्पण किया और उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व का स्मरण किया। वहीं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पूरे हर्ष एवं उल्लास के साथ मनायी गयी तथा उनकी जीवनी से प्रेरणा लेकर राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा, सहकारिता मंत्री राम कृपाल यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक संजय सरावगी, विधान पार्षद संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी सहित अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें शत-शत नमन किया एवं श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सूचना एवं जन-सम्पर्क विभाग के कलाकारों द्वारा आरती-पूजन, राष्ट्रीय गीत, राष्ट्र गान, बिहार गीत एवं देश भक्ति गीतों का गायन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने गांधी जी की वेशभूषा में पधारे सुरेश कुमार हज्जू से भी मुलाकात की।

## नीतीश कुमार ने राष्ट्रपिता एवं लाल बहादुर शास्त्री को किया नमन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी जी के सत्य, अहिंसा, त्याग और सद्भाव के विचार आज भी देश और समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। बापू ने अपने जीवन और संघर्ष के माध्यम से देश को एकता, भाईचारे, शांति और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। श्री नीतीश कुमार ने कहा कि गांधी जी के विचार केवल इतिहास की धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य के लिए भी मार्गदर्शक हैं। आज जरूरत है कि हम बापू के आदर्शों को अपने जीवन और सार्वजनिक आचरण में उतारें तथा उनके विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाएं। नीतीश कुमार ने पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें सादर नमन किया। उन्होंने कहा कि शास्त्री जी का सादगीपूर्ण जीवन, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र के प्रति समर्पण आज भी सार्वजनिक जीवन के लिए अनुकरणीय है।

उन्होंने अपने दृढ़ नेतृत्व से देश को आत्मविश्वास दिया और राष्ट्रीय एकता को मजबूती प्रदान की। श्री नीतीश कुमार ने कहा कि शास्त्री जी के जीवन से प्रेरणा लेकर हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए देश की एकता, अखंडता और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने का संकल्प लेना चाहिए।

## बापू के विचारों को आचरण में उतारना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि : सरावगी

प्रात : किरण संवाददाता

पटना । बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने आज राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती एवं बापू टावर के द्वितीय स्थापना दिवस के अवसर पर गर्दनीबाग स्थित बापू टावर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं वरिष्ठ गांधीवादी राम जी सिंह के साथ हिस्सा लिया। उन्होंने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बापू के सत्य, अहिंसा, प्रेम, सेवा और स्वच्छता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। सरावगी ने कहा कि महात्मा गांधी केवल भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक ही नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए सत्य और अहिंसा की शक्ति का उदाहरण हैं। उन्होंने अपने आचरण और विचारों के माध्यम से यह साबित किया कि नैतिक शक्ति और दृढ़ संकल्प के बल पर बड़े से बड़े परिवर्तन की नींव रखी जा सकती है। गांधी जी का जीवन हमें सादगी के साथ समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि बापू टावर गांधी जी के जीवन, संघर्ष, विचार और देश के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े योगदान को आधुनिक तकनीक के माध्यम से नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रहा है। यहां प्रदर्शित सामग्री युवाओं और विद्यार्थियों को गांधी जी के व्यक्तित्व को करीब से समझने का अवसर देती है। ऑनलाइन टिकटिंग सुविधा और ह्यसत्याग्रहह्न पत्रिका के शुभारंभ से बापू टावर की पहुंच और बढ़ेगी।

## महिलाओं के दिलों से नीतीश कुमार का नाम कोई मिटा नहीं सकता : संजय

### जदयू प्रदेश कार्यालय में 'नीतीश संवाद - जीविका के 20 साल बेमिसाल' का आयोजन

- नीतीश कुमार कार्यक्रम का किया शुभारंभ, बापू को पुष्पांजलि अर्पित कर किया नमन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। जीविका कार्यक्रम के 20 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आज जदयू प्रदेश कार्यालय स्थित कपूर्री सभागार में आयोजित नीतीश संवाद - जीविका के 20 साल बेमिसाल कार्यक्रम का बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया। इस मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा कि नीतीश कुमार ने 24 नवंबर 2005 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और एक वर्ष के भीतर ही 2006 में विश्व बैंक से ऋण लेकर जीविका कार्यक्रम की शुरूआत की। उनका यह फैसला बिहार की आधी आबादी के जीवन में ऐतिहासिक बदलाव का आधार बना। नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच और नीतियों ने बिहार में महिलाओं की स्थिति के साथ-साथ समाज की सोच को भी बदलने का काम किया। उन्होंने कहा कि जब भी महिला सशक्तीकरण की चर्चा होगी, नीतीश कुमार का नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। सत्ता और राजनीति में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, लेकिन बिहार की महिलाओं के दिल से नीतीश कुमार का नाम कभी मिटाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण जदयू की प्राथमिकता है।

**जीविका महिलाओं के सम्मान, समृद्धि और सशक्तीकरण का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण : निशांत**

स्वास्थ्य मंत्री निशांत ने कहा कि 2005 में सरकार बनने के बाद नीतीश कुमार ने महिला सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। शिक्षा, सत्ता और रोजगार के क्षेत्र में महिलाओं को आगे बढ़ाने का काम किया। आज जीविका महिलाओं के सम्मान, समृद्धि और सशक्तीकरण का जीवंत उदाहरण बन चुका है। जीविका दीदियां कृषि, पशुपालन, दुग्ध उत्पादन, हस्तशिल्प और छोटे-छोटे व्यवसायों से जुड़क र अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जीविका के 20 वर्षों की यात्रा हमें यह बताती है कि महिलाओं को मेहनत और हुनर का अवसर दिया जाए, तो वे न केवल अपने परिवार, बल्कि समाज और देश के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

### जीविका की उपलब्धियों और नीतीश कुमार की सोच को जन-जन तक पहुंचाएं : उमेश

प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि नीतीश कुमार ने 20 वर्ष पहले जिस जीविका की शुरूआत एक छोटे पौधे के रूप में की थी, वह आज एक विशाल वटवृक्ष का रूप ले चुकी है। इसकी छांव में 1 करोड़.88 लाख से अधिक महिलाएं आत्मनिर्भरता की अपनी कहानी लिख रही हैं। महिलाओं के सम्मान और गरिमा के लिए नीतीश कुमार ने जिस प्रतिबद्धता के साथ काम किया, उसका उदाहरण देश-दुनिया में देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना, शिक्षकों की बहाली में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण, सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण, पोशाक योजना, साइकिल योजना और मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना जैसी पहलों ने बिहार की महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव लाने का काम किया है। कुशवाहा ने कहा कि जीविका की उपलब्धियों और नीतीश कुमार की सोच को जन-जन तक पहुंचाने का काम करें। कार्यक्रम के प्रारंभ में गांधी जयंती के पावन अवसर पर नेताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। रेणुका कुशवाहा, शिल्पी ठाकुर, रानी मुखिया, गौरी यादव, नीलम सिन्हा, सरोज चन्द्रवंशी, वंदना राय, पूनम देवी, कल्याणी सिंह, मिनाक्षी हिमांशु, रुचि अरोड़ा, मधु कुमारी, यास्मिन खातून समेत बड़ी संख्या में नेत्रियां मौजूद रहीं। ध्यातव्य है कि बिहार के सभी 38 जिलों में जदयू द्वारा नीतीश संवाद - जीविका के 20 साल बेमिसाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

## पंचायतों में हुआ विशेष ग्राम सभा का आयोजन चलाया गया नशा मुक्ति जागरूकता अभियान

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। देशभर की पंचायतों में गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित विशेष ग्राम सभाओं में बिहार ने शानदार प्रदर्शन किया है। पंचायत निर्णय पोर्टल पर जारी रिपोर्ट के अनुसार, शाम 7 बजे तक बिहार की 96.32 प्रतिशत पंचायतों ने सफलतापूर्वक विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया है।

पीपुल्स प्लान कैंपेन (पीपीसी) 2026-27 सबकी योजना, सबका विकास के तहत आयोजित इस विशेष ग्राम सभा में नशामुक्त बिहार, स्वच्छता, ठोस कचरा प्रबंधन और पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) विषयों पर व्यापक चर्चा की गई। सभाओं में स्थानीय आवश्यकताओं की पहचान की गई, जिसके आधार पर पंचायत विकास योजना (जीपीडीपी) तैयार की जाएगी। इस दौरान सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के तहत कचरे को स्रोत पर चार श्रेणियों में अलग करने, स्वच्छता सर्वेक्षण, एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण और नशामुक्त बिहार को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। ग्राम सभाओं में जनप्रतिनिधियों, पंचायत कर्मियों और ग्रामीणों ने ह्लनशा नहीं करेंगे और नशे से दूर रहेंगेह्व की सामूहिक शपथ ली। शाम 7 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार, पंचायतों में आयोजित विशेष ग्राम सभाओं में 10 लाख 45 हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया है, जिसमें 4 लाख 2 हजार से अधिक महिलाएं और 6 लाख 42 हजार से अधिक पुरुष शामिल रहे।

## किसान और कृषि की समृद्धि से ही सशक्त होगा बिहार : विजय

पटना। गांधी जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री के जयंती के अवसर पर बिहार सरकार के मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री को श्राद्धपूर्वक नमन करते हुए याद किया। श्री सिन्हा ने कहा कि महात्मा गांधी का ग्राम स्वराज का सपना गांव, गरीब और किसान के सशक्तिकरण से जुड़ा था। गांधी जी मानना था कि भारत की वास्तविक ताकत उसके गांव में बसती है। इसलिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और किसानों को आत्मनिर्भर बनना राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार है। श्री सिन्हा ने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री ने जय जवान जय किसान का नारा देकर देश की सुरक्षा के साथ अन्नदाताओं के योगदान को भी राष्ट्रीय सम्मान दिया। कृषि और किसान देश की अर्थव्यवस्था मजबूत नीव है। श्री सिन्हा ने कहा कि गांधी जी के ग्राम स्वराज और शास्त्री जी के जय किसान के विचारों से प्रेरणा लेकर कृषि को अधिक लाभकारी एवं टिकाउ बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करना होगा।

## बिहार विधान परिषद् में राष्ट्रपिता और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की मनाई गई जयंती

पटना। बिहार विधान परिषद् के उप सभापति प्रो. (डा.) राम वचन राय ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर विधान परिषद् के मुख्य भवन में स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की। साथ ही पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्रीजी के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर माननीय उपनेता राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, मुख्य सचेतक सत्तारूढ़ दल संजय कुमार सिंह उर्फ गांधीजी, सदस्य रविंद्र कुमार सिंह, सच्चिदानंद राय, हरि सहनी, बिहार विधान परिषद् के निदेशक शंकर कुमार, उप सचिव मिथिलेश कुमार झा, नवीन कुमार मिश्र, मिथिलेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

## लोजपा (रा) प्रदेश कार्यालय में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई

पटना। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश कार्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी के नेताओं एवं पदाधिकारियों ने दोनों महान विभूतियों के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र विवेक, प्रधान महासचिव नंद पासवान, बिहार सरकार के मंत्री संजय पासवान, विधान परिषद सदस्य अशरफ अंसारी, विधानमंडल दल के संयोजक वेद प्रकाश पांडेय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सत्यानंद शर्मा सहित पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर नेताओं ने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा एवं स्वच्छता के संदेश तथा लाल बहादुर शास्त्री के सादगी, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को याद किया।

## राजद कार्यालय में मनाई गई राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयन्ती प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू की अध्यक्षता में मनाई गयी। इस अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी सत्य, अहिंसा और शांति के पुजारी थे। उन्होंने धर्मनिरपेक्षता की रक्षा के लिए अपने प्राण तक की आहूति दे दी। इस अवसर पर डॉ रामचंद्र पूर्वे, बिनु यादव, आलोक कुमार मेहता, सुरेश पासवान, शक्ति सिंह यादव सहित कई नेता और कार्यकताओं ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

## गांधी, शास्त्री एवम प्रजापति मिश्र को उनकी जयंती पर नमन किये कांग्रेसजन

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मुख्यालय सदाकत आश्रम में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के 158 वींजयंती, पूर्वप्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री के 122 वीं जयंती और बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष रहें स्व. पंडित प्रजापति मिश्र के 128 वीं जयंती के मौके पर उनके प्रतिमा एवम तैल चित्र पर माल्यार्पण किया गया। जयंती कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने की। अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में राजेश राम ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के विचारों और पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री के बताएँ आदर्शो पर चलकर ही हमारा देश एकजुट रहेगा। उन्होंने बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष स्व. प्रजापति मिश्र को नमन करते हुए उन्हें महान विभूति बताया। जयंती कार्यक्रम मे विधान परिषद में कांग्रेस दल नेता डा मदन मोहन झा, अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव, मीडिया संयोजक असितनाथ तिवारी, पंकज यादव, मृणाल अनामय सहित कई नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## बदलाव की ओर कदम : बच्चों ने जगाई स्वच्छता और नशा मुक्ति की अलख

पटना। समाज को खोखला कर रही नशे की लत के खिलाफ गांधी जयंती के अवसर पर वीणा विद्या निकेतन स्कूल के बच्चों ने एक मजबूत मोर्चा खोला। हाथों में तख्तियां लिए बच्चों ने नशा मुक्ति रैली निकाली और ह्लनशे को कहें ना, जिंदगी को कहें हांह्व के नारे बुलंद किए। स्कूल के छात्र-छात्राओं ने विद्यालय परिसर से होते हुए पूरे राजीवनगर क्षेत्र में नशा मुक्ति जागरूकता एवं स्वच्छता अभियान चलाया। इस अभियान में विद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने बढ़चढ़कर भाग लिया। अभियान का नेतृत्व वीवीएन कैबिनेट काउंसिल के सदस्य एवं कक्षा 11 के विद्यार्थियों ने किया। अभियान के दौरान बच्चों ने भावुक अपील करते हुए बड़ों से गुजारिश की कि वे तंबाकू, सिगरेट और शराब जैसी बुरी आदतों को छोड़ें ताकि उनका बचपन सुरक्षित और स्वस्थ रह सके। विद्यार्थियों ने ड्रग्स किल ड्रीम्स, चूज लाईफ, नॉट ड्रग्स और नो ड्रग्स, मोर ड्रीम्स जैसे संदेश वाली तख्तियां भी प्रदर्शित की। अभियान के बाद विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिलकर विद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। अभियान में विद्यालय की उपाध्यक्ष श्वेता सिंह एवं प्रधानाचार्य बिष्णु प्रसाद ने छात्रों पूर्ण समर्थन एवं प्रोत्साहित किया। इस संयुक्त प्रयास के माध्यम से वीवीएन के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने यह दिखाया कि युवा समाज में वास्तविक परिवर्तन ला सकते हैं। स्थानीय लोगों ने विद्यार्थियों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना और उनके प्रयासों एवं जागरूकता अभियान की सराहना की।

## इंडिया गठबंधन ने लोकतंत्र बचाने का लिया संकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर वोट चोरी के खिलाफ, ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर इंडिया गठबंधन के राष्ट्रव्यापी प्रतिरोध पर पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किया गया एवं ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग के साथ लोकतंत्र को बचाने का संकल्प लिया गया। उसी आह्वान के तहत आज बिहार के इंडिया गठबंधन के घटक दलों ने संयुक्त रूप से गांधी मैदान स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं सभा किया। कार्यक्रम में भाकपा माले के महासचिव दिपांकर भट्टाचार्य, भाकपा के राज्य सचिव रामनरेश पाण्डेय एवं कांग्रेस के नेता मौजूद रहे। सभी ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक एवं लोकतंत्र को बचाने के संघर्ष को तेज करने का आह्वान किया।

**लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई जारी रहेगी : राजद**

पटना। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जयंती के अवसर पर देश भर में शेव डेमोक्रेसी (लोकतंत्र बचाओ) कार्यक्रम की शुरूआत पटना के गांधी मैदान में महात्मा गांधी के प्रतिमा स्थल सहित पूरे देश भर में संकल्प लिया गया कि जब तक मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता इस्तीफा नहीं दे देते हैं तब तक लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई जारी रहेगी। और यह कार्यक्रम 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक पूरे देश भर के जिला में किया जाएगा।

## मठ-मंदिरों के अतिक्रमण पर एक्शनसम्राट चौधरी से मिले प्रो. नंदन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो. रणबीर नंदन ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से शुक्रवार को अहम मुलाकात की है। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्य के मठ-मंदिरों से जुड़े विभिन्न मामलों पर चर्चा करना था। मुलाकात के दौरान प्रो. नंदन ने न्यास पर्षद के कई महत्वपूर्ण कार्यों की प्रगति की जानकारी दी। बातचीत के दौरान न्यास पर्षद अध्यक्ष प्रो. ने असामाजिक तत्वों द्वारा मठ-मंदिरों की जमीन पर किए गए अतिक्रमण की एक विस्तृत सूची मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को सौंपी। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि राज्य के सभी जिलाधिकारियों को न्यास गठन के संबंध में पत्र भेजे जा चुके हैं। इस कदम का मकसद धार्मिक स्थलों की व्यवस्था को सुदृढ़ करना है। प्रो. रणबीर नंदन ने गुलजारबाग स्थित ऐतिहासिक सर्वमंगला मंदिर को विकसित करने का भी विशेष आग्रह किया। इसके अलावा, उन्होंने दिसंबर महीने में पर्षद द्वारा आयोजित होने वाले ह्यधार्मिक युवा महासंगमह्न में सम्राट चौधरी को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया। इस आमंत्रण को उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया है। मुलाकात के अंत में प्रो. नंदन ने एक और महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखा। उन्होंने धार्मिक न्यास पर्षद के सदस्यों और कर्मचारियों के साथ एक विशेष बैठक करने का निवेदन किया। सम्राट चौधरी ने इस आग्रह को भी अपनी स्वीकृति दे दी है, जिससे पर्षद के कार्यों में और तेजी आने की उम्मीद है।

## उच्च माध्यमिक शिक्षकों के लिए विज्ञापन में कृषि विषय का भी हो जिक्र : संघ

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। बिहार में उच्च माध्यमिक विद्यालयों में प्रस्तावित 76 कृषि शिक्षक पदों के विज्ञापन में नहीं दिखने से कृषि शिक्षा से जुड़े लोगों में चिंता बढ़ गई है। 22 सितंबर को संबंधित इढरउ सूचना जारी होने के बाद 29 सितंबर के विज्ञापन में आठ विषयों का उल्लेख हुआ, लेकिन कृषि विषय और 76 पद उसमें नजर नहीं आए। ऐसे में यह स्पष्ट नहीं है कि ये पद समाप्त किए गए हैं, लंबित हैं या आगे की प्रक्रिया में शामिल किए जाएंगे। बांकीपुर कन्या उच्च विद्यालय से सेवानिवृत्त कृषि शिक्षक वरुण कुमार सिंह और गुलजारबाग गर्ल्स हाई स्कूल से सेवानिवृत्त कृषि शिक्षक ऋषिदेव प्रसाद सिंह ने इस स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि बिहार जैसे कृषि-प्रधान राज्य में विद्यालय स्तर पर कृषि शिक्षा को मजबूत करने के लिए कृषि शिक्षकों की नियुक्ति महत्वपूर्ण है। यदि कृषि विषय के योग्य युवाओं के लिए नियुक्ति के अवसर स्पष्ट नहीं होंगे तो विद्यार्थियों और कृषि क्षेत्र में करियर बनाने वाले युवाओं में निराशा बढ़ेगी।

## व्यापार प्रकोष्ठ भाजपा द्वारा 'सेवा संकल्प कार्यक्रम' के तहत स्वदेशी उत्पादों के स्टॉल का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। सेवा संकल्प कार्यक्रम अभियान में सेवा मेरा योगदान के तहत आज ह्यवोकल फॉर लोकलह्न कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानीय रूप से उत्पादित सामानों का एक भव्य स्टॉल सामुदायिक भवन, कदमकुआं, पटना में लगाया गया। इस प्रदर्शनी-सह-स्टॉल का आयोजन व्यापार प्रकोष्ठ भाजपा बिहार द्वारा किया गया, जिसका विधिवत उद्घाटन प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक राजू गुप्ता एवं अन्य पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए व्यापार प्रकोष्ठ भाजपा बिहार के प्रदेश संयोजक राजू गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प वर्ष 2047 तक भारत को एक ह्यविकसित भारतह्न बनाना है। इस सपने को साकार करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण कदम देश में बने स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना और विदेशी सामानों का बहिष्कार करना है

## संक्षिप्त खबरें

### गांधी दर्शन आज भी प्रासंगिक : कुलपति

दरभंगा। संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. लक्ष्मीनिवास पांडेय ने गांधी जयंती पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि देश व समाज के विकास में उनका दर्शन आज भी प्रासंगिक है। सत्य-अहिंसा व सदविचार के साथ साथ स्वच्छता हमारी संस्कृति रही है और गांधी जी इसके सबसे बड़े हिमायती थे। सर्वधर्म की समानता व स्वदेशी का उनका चिंतन आज भी जरूरी है। मौके पर बापू के सर्वाधिक दो प्रिय भजनों रघुपति राघव राजाराम.... एवं वैष्णव जन तो तेने कहिये...को भी सामूहिक रूप से गाया गया। वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री को भी उनकी जयंती पर याद करते हुए कुलपति ने उन्हें सादगी का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि शास्त्री जी द्वारा दिया गया मूल मंत्र - जय जवान, जय किसान- आज भी देश को जरूरत है। उनके कृतत्व को सभी ने नमन किया। इसी तरह पुण्य तिथि पर महाराजाधिराज डॉ सर कामेश्वर जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कुलपति प्रो पांडेय ने उन्हें सबसे बड़ा समकालीन दधीचि बताया। उन्होंने कहा कि संस्कृत शिक्षा, संस्कृति व सनातन की रक्षा के लिए महाराजाधिराज द्वारा दिया गया दान बेमिसाल है। हमसभी आज उनके प्रति श्रद्धानवत हैं। उनके परिजन राजकुमार कपिलेश्वर सिंह व राजेश्वर सिंह भी अपनी वंश परम्परा को आगे बढ़ा रहे हैं, यह बहुत ही प्रशंसा की बात है। हमसभी कामना करते हैं कि राज परिवार सनातन की रक्षा करते रहें। उक्त जानकारी देते हुए पीआरओ डॉ निशिकांत ने बताया कि इस अवसर पर मुख्यालय स्थित महाराजाधिराज डॉ सिंह की प्रतिमा एवं गांधी जी व शास्त्री जी के चित्रों पर माल्यार्पण किया गया। साथ ही सभी महान विभूतियों को बार बार नमन करते हुए उनके विचारों व आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया गया इसी क्रम में वित्त पदाधिकारी डॉ पवन कुमार झा, सहायक प्राध्यापक डॉ यदुवीर स्वरूप शास्त्री ने भी विस्तार से गांधी जी, शास्त्री जी व महाराजाधिराज के बारे में बताया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गान की प्रस्तुति से किया गया। मौके पर एनएसएस के पाधिकारी डॉ सुधीर कुमार व डॉ साधना शर्मा, ओएसडी डॉ रामसेवक झा, डॉ शंभुशरण तिवारी, डॉ अवधेश श्रोत्रिय, सुशील कुमार झा, अभिमन्यु कुमार, संजय कुमार समेत कई कर्मी व छात्र उपस्थित थे।

### हथियार के बल पर लूट की योजना नाकाम, देशी कट्टा व कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

मधुबनी। फुलपरास थाना पुलिस ने गश्ती के दौरान हथियार के बल पर राहगीरों से लूटपाट की कथित योजना को विफल करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक के पास से एक देशी कट्टा और एक कारतूस बरामद हुआ है, जबकि उसके तीन अन्य साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, 1 और 2 अक्टूबर की मध्यरात्रि करीब 12:30 बजे फुलपरास थाना की पुलिस टीम गश्ती एवं छापेमारी के लिए निकली थी। इसी दौरान धर्मडिहा फील्ड स्थित रामबहादुर कामत के घर के समीप चार युवक संदिग्ध अवस्था में खड़े दिखाई दिए। पुलिस वाहन को देखते ही चारों भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर एक युवक को पकड़ लिया, जबकि तीन अन्य फरार हो गए। गिरफ्तार युवक की पहचान करण कुमार कामत, पिता संतोष कामत, निवासी धर्मडिहा, थाना फुलपरास, जिला मधुबनी के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसकी कमर से एक देशी कट्टा तथा जींस की जेब से एक कारतूस बरामद किया गया। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में गिरफ्तार युवक ने बताया कि चारों अंधराठाढ़ी के इंद्र पूजा मेला जाने और रास्ते में राहगीरों से हथियार दिखाकर छिनतई/लूटपाट करने की योजना बना रहे थे। फरार आरोपियों की पहचान भवेश कुमार कामत, सुमन कुमार कामत और राहुल कुमार उर्फ मनी के रूप में हुई है। मामले में फुलपरास थाना कांड संख्या 402/26, दिनांक 2 अक्टूबर 2026, धारा 25(1-बी) ए/26/35 आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजने की कार्रवाई की जा रही है। वहीं, फरार तीनों आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। पुलिस के अनुसार बरामद हथियार और कारतूस को जब्त कर लिया गया है।

# गांधी-शास्त्री जयंती पर अधिकारियों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

## डीएम ने सत्य, अहिंसा, स्वच्छता व राष्ट्रहित के आदर्शों को अपनाने का दिलाया संकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को समाहरणालय परिसर स्थित बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिलाधिकारी कौशल कुमार एवं वरीय पुलिस अधीक्षक जगुनाथ रेड्डी जला रेड्डी सहित जिले के वरीय अधिकारियों ने महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अधिकारियों एवं कर्मियों को महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता एवं राष्ट्रहित के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि गांधीजी का जीवन सत्य, अहिंसा, त्याग और सेवा का संदेश देता है। स्वतंत्रता संग्राम में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण एवं प्रेरणादायी रहा। गांधीजी के विचार आज भी समाज और राष्ट्र के लिए प्रासंगिक हैं। उनके आदर्शों को केवल स्मरण करने के बजाय दैनिक जीवन एवं कार्यों में उतारने की आवश्यकता है। डीएम ने सभी से सत्य एवं अहिंसा के मार्ग पर चलने तथा समाज में आपसी सद्भाव, भाईचारा और शांति की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं विकसित समाज के निर्माण में प्रत्येक व्यक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यक्रम के बाद लहेरियासराय टावर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा पर भी डीएम कौशल कुमार, एसएसपी जगुनाथ रेड्डी जला रेड्डी सहित वरीय अधिकारियों ने माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उप विकास आयुक्त स्वप्निल, अपर समाहर्ता सहित विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहे।

# लहेरियासराय स्टेशन पर सांसद ने चलाया स्वच्छता अभियान, श्रमवीरों को किया सम्मानित

● ऑटो, ई-रिक्शा व रिक्शा चालकों को पाग-अंगवस्त्र देकर किया सम्मान

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा पखवाड़ा के तहत शुक्रवार को लहेरियासराय स्टेशन परिसर में स्थानीय सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन परिसर में ऑटो, ई-रिक्शा एवं रिक्शा चलाने वाले श्रमवीरों को पाग एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। सांसद डॉ. ठाकुर ने कहा कि धूप, ठंड और मूसलाधार बारिश के बावजूद दिन-रात दरभंगा के लोगों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने वाले ऑटो, ई-रिक्शा एवं रिक्शा चालक शहर की परिवहन व्यवस्था के महत्वपूर्ण अंग हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में पसीना बहाने वाले प्रत्येक श्रमजीवी का सम्मान करना वास्तविक जनसेवा है। सेवा पखवाड़ा के तहत सांसद ने स्टेशन परिसर की दुकानों में जुट एवं कपड़े से बने झोले का वितरण किया। उन्होंने दुकानदारों एवं ग्राहकों से प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और पर्यावरण संरक्षण में सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक कचरे से मुक्ति के लिए लोगों में जागरूकता जरूरी है तथा कपड़े एवं जूट के झोले का अधिक से अधिक इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इस दौरान सांसद ने स्टेशन परिसर के दुकानदारों के बीच डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने की अपील की। उन्होंने यूपीआई जैसे डिजिटल माध्यमों को अपनाने पर जोर देते हुए कहा कि इससे लेन-देन में सुविधा और पारदर्शिता बढ़ती है। उन्होंने डिजिटल इंडिया तथा विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में आम लोगों की भागीदारी का आह्वान किया।

# छात्रों ने रैली निकालकर दिया स्वच्छता व नागरिक जागरूकता का संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। पोलो फील्ड रोड स्थित माउंट समर कॉन्वेंट स्कूल के छात्र-छात्राओं ने सामाजिक एवं नागरिक जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से शुक्रवार को जागरूकता रैली निकाली। विद्यालय परिसर से निकली रैली पोलो फील्ड रोड होते हुए शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरी। विद्यार्थियों ने हाथों में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा एवं सामाजिक मूल्यों से जुड़े संदेशों और नारों वाली तख्तियां लेकर लोगों को जागरूक किया। रैली के दौरान विद्यार्थियों ने आम लोगों से स्वच्छता बनाए रखने, पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी निभाने तथा शिक्षा एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने की अपील की। रैली का समापन लहेरियासराय टावर पर हुआ। यहां विद्यार्थियों एवं विद्यालय के शिक्षकों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक राघवेंद्र कुमार एवं रेड क्रॉस सोसाइटी के बिहार राज्य प्रतिनिधि डॉ. आर. बी. खेतान मौजूद रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से समाज में सकारात्मक संदेश पहुंचता है। साथ ही बच्चों में नागरिक कर्तव्यों एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति चेतना विकसित होती है। कार्यक्रम में विद्यालय के उप प्राचार्य नीतीश कुमार सहित शिक्षक अभिषेक प्रभात, अभिनव कुमार, शुभम मिश्रा, श्रवण कुमार एवं गुड़िया कुमारी मौजूद रहे। रैली को सफल बनाने में विद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

# आधुनिक शिक्षा के साथ अपनी भाषा, संस्कृति व संस्कारों से जुड़ाव भी जरूरी : मृत्युंजय झा

## संस्कृत, संस्कृति और संस्कार से जुड़कर लक्ष्य हासिल करने का आह्वान

प्रात : किरण संवाददाता

कुशेश्वरस्थान( दरभंगा )। भाजपा दरभंगा पूर्वी जिला के तत्वावधान में कुशेश्वरस्थान स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल परिसर में सेवा संकल्प समर्पण पखवाड़ा के तहत करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को बेहतर करियर विकल्प चुनने, लक्ष्य निर्धारित करने और व्यक्तित्व निर्माण के लिए उचित मार्गदर्शन प्रदान करना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संस्कृत शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष मृत्युंजय झा ने विद्यार्थियों से संवाद किया और उनके करियर से जुड़े सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा कि आधुनिक शिक्षा के साथ विद्यार्थियों का अपनी भाषा, संस्कृति और संस्कारों से जुड़ाव भी जरूरी है। इससे व्यक्तित्व का समग्र विकास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से लक्ष्य के प्रति गंभीर रहने तथा निरंतर मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। भाजपा दरभंगा पूर्वी जिलाध्यक्ष विनय कुमार पासवान ने कहा कि सेवा संकल्प समर्पण पखवाड़ा के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचकर सेवा और जागरूकता के कार्य किए जा रहे हैं। जिला महामंत्री संजय कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने कहा कि विद्यार्थी देश के भविष्य हैं। उनके शिक्षा एवं करियर निर्माण में समाज की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। करियर काउंसलिंग जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य को पहचानने और उसकी तैयारी करने में मदद करते हैं। विद्यालय के संस्थापक शमीम हैदर ने कहा कि विद्यार्थियों को करियर के सही विकल्प के लिए उचित मार्गदर्शन मिलना आवश्यक है। विद्यालय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ बच्चों को भविष्य निर्माण से जुड़ी आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए प्रयासरत है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शिक्षा, करियर और भविष्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की तथा मुख्य अतिथि से संवाद किया। मौके पर चिकित्सक प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. राजेश झा, विधानसभा प्रभारी मणिकांत झा, मंडल अध्यक्ष रौशन राय, गुरुकुल क्लासेज के संचालक केशव चौधरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

# बाढ़ के पानी में डूबने से चार वर्षीय मासूम की मौत

## दादी के पीछे निकला था घर से, नहर के गहरे पानी में डूबा राघव

प्रात : किरण संवाददाता

कुशेश्वरस्थान (दरभंगा)। अंचल क्षेत्र के सिसौना गांव में बाढ़ के पानी से घिरे इलाके में शुक्रवार को दर्दनाक हादसे में चार वर्षीय मासूम की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान राहुल मुखिया के चार वर्षीय पुत्र राघव कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जाता है कि राघव की दादी घास लाने के लिए घर से बाहर निकली थीं। इसी दौरान मासूम अनजाने में उनके पीछे-पीछे निकल गया। दादी को इसकी जानकारी नहीं थी। कुछ दूर जाने के बाद बच्चा बाढ़ के पानी के बीच स्थित नहर की ओर चला गया और गहरे पानी में डूब गया। काफी देर बाद मवेशी चराने वाले कुछ लोग उसी रास्ते से नहर पार कर रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर पानी में बच्चे के बाल पर पड़ी। आशंका होने पर चरवाहों ने तत्काल पानी में उतरकर बच्चे को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। परिजनों के पहुंचते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई और पूरा माहौल गमगीन हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि बाढ़ के कारण क्षेत्र के कई रास्ते और नहरें पानी में डूबी हुई हैं। ऐसे में बच्चों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। मासूम की मौत ने बाढ़ प्रभावित इलाके में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। कुशेश्वरस्थान थानाध्यक्ष गौरव प्रसाद ने बताया कि बच्चे की मौत डूबने से हुई है। पुलिस ने आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। मासूम की मौत के बाद सिसौना गांव में मातम पसरा है। परिजनों की आंखों से आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।

# नीतीश संवाद में महिला सशक्तीकरण और जीविका के 20 वर्षों पर चर्चा

## महिलाओं की आत्मनिर्भरता से सामाजिक बदलाव को मिल रही गति : ईश्वर मंडल

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर दरभंगा स्थित राजेंद्र भवन में जदयू महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में ह्यनीतीश संवाद : जीविका के 20 साल बेमिसालह्व कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं, जीविका दीदियों, जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने भाग लिया। इस दौरान महिला सशक्तीकरण, आत्मनिर्भरता, शिक्षा एवं सामाजिक भागीदारी के विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्याम रेखा मिश्रा एवं खुशबू कुमारी सिंह ने की, जबकि संचालन अंजुला शर्मा ने किया। मुख्य अतिथि सीतामढ़ी के पूर्व सांसद राजकुमार शर्मा तथा पूर्व विधान परिषद सदस्य डॉ. दिलीप कुमार चौधरी, डॉ. ज्योति कुमारी एवं कार्यक्रम प्रभारी सीमा मंडल मौजूद रहीं। जदयू जिलाध्यक्ष सह विधायक राजेश कुमार उर्फ ईश्वर मंडल ने कहा कि बिहार में महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न स्तरों पर पहल की गई है। उन्होंने छात्राओं के लिए पोशाक योजना, छात्रवृत्ति, निःशुल्क पाठ्यपुस्तक एवं मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इन योजनाओं से बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहन मिला है। उन्होंने जीविका के 20 वर्षों के सफर को ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक भागीदारी से जोड़ते हुए कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों, स्वरोजगार और सामूहिक निर्णय प्रक्रिया से जुड़ने का अवसर मिला है। जीविका दीदियां परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने के साथ ग्रामीण विकास और सामाजिक बदलाव में भी भागीदारी निभा रही हैं। ईश्वर मंडल ने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकायों में महिलाओं के लिए आरक्षण तथा पुलिस और सरकारी सेवाओं में उनकी भागीदारी बढ़ने से महिलाओं को सार्वजनिक जीवन में आगे आने के अवसर मिले हैं। पूर्व सांसद रामकुमार शर्मा ने कहा कि महिला सशक्तीकरण सामाजिक परिवर्तन और समावेशी विकास का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने जीविका दीदियों से अपने अनुभव साझा कर अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करने का आह्वान किया। समापन पर ईश्वर मंडल ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग के लिए महिला प्रकोष्ठ के पदाधिकारियों, कार्यकताओं, जीविका दीदियों एवं उपस्थित लोगों के प्रति आभार जताया। मौके पर आरती अग्रवाल, निशा भारती, शांति देवी, फूल कुमारी, किरण पासवान, माधवी कुमारी, प्रीति सिंह, लवली कुमारी, आरती साह, लक्की कुमारी, कंचन कुमारी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद थीं।

# दरभंगा एम्स का निर्माण शीघ्र शुरू कराने की मांग को लेकर सामूहिक उपवास

● दरभंगा एम्स बनाओ अभियान व नागरिक समाज ने धरना स्थल पर जताया विरोध

प्रात : किरण संवाददाता

दरभंगा। महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर दरभंगा एम्स बनाओ अभियान एवं नागरिक समाज, दरभंगा के संयुक्त तत्वावधान में लहेरियासराय पोलो मैदान स्थित धरना स्थल पर एक दिवसीय सामूहिक उपवास आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उमेश राय ने की, जबकि संचालन आनंद मोहन ने किया। सामूहिक उपवास के दौरान आंदोलनकारियों ने दरभंगा एम्स के निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू कराने की मांग उठाई। वक्ताओं ने कहा कि दरभंगा एम्स उत्तर बिहार के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य संस्थान है। इसके निर्माण में विलंब होने से क्षेत्र के लोगों को उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाओं का अपेक्षित लाभ नहीं मिल पा रहा है ।ह्लआंदोलनकारियों ने कहा कि दरभंगा में एम्स की स्थापना को केंद्र सरकार ने मंजूरी दी थी और परियोजना के लिए 1264 करोड़ रुपये की लागत निर्धारित की गई थी। इसके बावजूद निर्माण कार्य की गति को लेकर नागरिक समाज में चिंता बनी हुई है। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार से निर्माण प्रक्रिया में तेजी लाकर एम्स को शीघ्र धरातल पर उतारने की मांग की। कार्यक्रम को भाकपा माले के जिला सचिव बैद्यनाथ यादव, सीपीआई के जिला सचिव नारायण जी झा, सहायक जिला मंत्री राजीव कुमार चौधरी, सीपीआई (एम) के जिला सचिव मंटुन ठाकुर, दिलीप भगत, राजद नेता भोलू यादव, उदय शंकर चौधरी, रामबृक्ष यादव, सुभाष पासवान, लक्ष्मेश्वर सिंह उर्फ पप्पू सिंह, वसी अहमद, विश्वनाथ मिश्र, मणिकांत झा, सुधीर राय, राजू मिश्रा, हरे कृष्णा राम, मोहम्मद कलाम, पूर्व प्राचार्य रमेश यादव, प्रो. सतनारायण पासवान, प्रो. रामबाबू चौपाल, प्रो. विनोद शाह, प्रो. राहत अली, कामेश्वर पासवान सहित अन्य नेताओं ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि एम्स के शीघ्र निर्माण से दरभंगा सहित मिथिला, कोसी और उत्तर बिहार के मरीजों को बेहतर एवं विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। केंद्र सरकार के अनुसार प्रस्तावित एम्स में 750 बेड, मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज तथा सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएं विकसित की जानी हैं।

# सर्वजातीय प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारी को लेकर बैठक

दरभंगा। वैश्य सूड़ी समाज समिति, दरभंगा की बैठक शुक्रवार को जिलाध्यक्ष रामनाथ पंजियार की अध्यक्षता में हुई। बैठक में आगामी 4 अक्टूबर को ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के जुबली हॉल में आयोजित होने वाले सर्वजातीय प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारियों एवं सफलता को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग का भरोसा दिलाया। बैठक में कायस्थ समाज के शैलेन्द्र सिन्हा, लोहार समाज के शिवनाथ शर्मा, धर्मेंद्र कुमार एवं लाला ठाकुर, बढ़ई समाज के अरुण शर्मा सहित वैश्य सूड़ी समाज के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद थे। वक्ताओं ने कहा कि यह समारोह विभिन्न समाजों को एक-दूसरे से जोड़ने तथा आपसी भाईचारे को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। समिति के संस्थापक एवं पूर्व विधायक अमरनाथ गामी ने कहा कि प्रतिभा किसी जाति, वर्ग या समुदाय की सीमा में बंधी नहीं होती। प्रतिभा का सम्मान पूरे समाज का सम्मान है। ऐसे आयोजन प्रतिभाशाली युवाओं को प्रोत्साहित करने के साथ समाज में सकारात्मक वातावरण और आपसी सद्भाव को मजबूत करते हैं। प्रमंडलीय अध्यक्ष सुनील गड़ाई ने कहा कि प्रतिभाओं के सम्मान से समाज का मान बढ़ता है। समिति पिछले तीन वर्षों से स्वजातीय प्रतिभाओं को सम्मानित करती रही है, लेकिन इस वर्ष सर्व समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है। यह सामाजिक सहभागिता और भाईचारे को बढ़ावा देने वाली पहल है। महासचिव डॉ. राजेश पूर्वे ने बताया कि समारोह में समाज के प्रबुद्ध जनों, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों को आमंत्रित किया गया है। वर्ष 2025-26 में ठएएळ, खएए ट्रंल्ल, वढरउ, इढरउ सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को समारोह में सम्मानित किया जाएगा। बैठक में दीपक पंजियार, बबलू पंजियार, सुजीत नायक, डॉ. वरुण महतो, जयकिशुन राउत, मनीष महासेठ, अजीत महतो, दीपू सूड़ी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

# गांधी के विचारों को अपनाकर ही विकसित भारत-2047 का सपना होगा साकार

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के तत्वावधान में महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर जुबिली हॉल में गांधी जयंती समारोह एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजय कुमार चौधरी ने की। मुख्य अतिथि तिलका मांझी भागलपुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के सेवानिवृत्त प्राध्यापक प्रो. पवन कुमार सिंह ने कहा कि माता जानकी की धरती मिथिला धन्य है, जहां महात्मा गांधी चार बार आए थे। यहां के महाराजाओं से गांधीजी का व्यक्तिगत एवं घनिष्ठ संबंध था। उन्होंने कहा कि गांधीजी जितने सरल और सहज दिखाई देते हैं, उनके व्यक्तित्व का विश्लेषण उतना ही व्यापक और जटिल है। विदेश में कानून की पढ़ाई के बाद दक्षिण अफ्रीका में उनके प्रयोग शुरू हुए और जीवनभर वे निरंतर प्रयोग एवं आत्मालोचन के माध्यम से आगे बढ़ते रहे। गांधीजी ने कहा था कि उनका जीवन ही उनका संदेश है। उन्होंने कहा कि गांधीजी आधुनिकता के विरोधी नहीं थे, बल्कि मानव गरिमा एवं मनुष्यता के पक्षधर थे। वे समय के पाबंद तथा सत्य और अहिंसा के प्रबल समर्थक थे। अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. संजय कुमार चौधरी ने विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग में शीघ्र गांधी चेयर स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि गांधीजी के व्यक्तित्व की चर्चा कुछ घंटों में संभव नहीं है। सामाजिक परिवर्तन के लिए व्यक्ति को स्वयं को दर्पण बनाना पड़ता है। गांधी के विचार पहले भी प्रासंगिक थे, आज भी हैं और भविष्य में भी रहेंगे। उन्होंने गांधीजी को राष्ट्र का ध्रुवतारा बताते हुए कहा कि विकसित भारत-2047 के निर्माण के लिए उनके विचारों को लेकर आगे बढ़ना होगा। मुख्य वक्ता राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. मुनेश्वर यादव ने कहा कि गांधीजी 21वीं सदी के उद्घोषणा पत्र और पूरी मानवता के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने अपने जीवन में अफ्रीका, यूरोप और एशिया को प्रभावित किया तथा आज भी पूरी दुनिया को रास्ता दिखा रहे हैं। उन्होंने गांधीजी के कर्तव्य और अधिकार संबंधी विचारों को रेखांकित किया। दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. हरे कृष्ण सिंह ने स्वागत भाषण दिया, जबकि उपनिदेशक डॉ. विवेक कुमार राय ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन बीएड (नियमित) के संगीत शिक्षक अक्षय शर्मा ने किया। कार्यक्रम से पूर्व कुलपति के नेतृत्व में अतिथियों, शिक्षकों, पदाधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्वयंसेवकों ने महात्मा गांधी सदन पहुंचकर गांधीजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। बीएड के छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान एवं विश्वविद्यालय कुलगीत प्रस्तुत किया। छात्र-छात्राओं ने गांधीजी के प्रिय भजनों की प्रस्तुति के साथ गांधीजी के जीवन पर आधारित मूक अभिनय भी किया। गांधी जयंती के अवसर पर आयोजित ऑन स्पॉट निबंध प्रतियोगिता में तनुश्री ने प्रथम, श्वेता कुमारी ने द्वितीय तथा रघुनंदन कुमार एवं सौम्य सुगंध ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गुड्डू कुमार, निधि कुमारी, शांभवी कुमारी, गौरव कुमार, महाचन्द्र ठाकुर, साक्षी कुमारी एवं शिवानी कुमारी को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। सभी सफल प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। भाषण प्रतियोगिता में शामिल छात्राओं एवं एनएसएस के 50 से अधिक स्वयंसेवकों को भी प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। अतिथियों का स्वागत पाग, चादर, मोमेंटो एवं तुलसी पौधा भेंट कर किया गया। समारोह का समापन बिहारगीत के साथ हुआ।

# नमो सेवा की अनकही कहानियां में नाटक के जरिए मोदी के 25 वर्षों की यात्रा प्रस्तुत

दरभंगा । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत शुक्रवार को लहेरियासराय स्थित प्रेक्षागृह में नमो सेवा की अनकही कहानियां कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन अमरनाथ सिंह ने किया। नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन, सेवा भावना, संघर्ष, जनसरोकार और विभिन्न क्षेत्रों में किए गए कार्यों से जुड़े प्रसंगों को मंच पर प्रस्तुत किया गया। सेवा संकल्प अभियान के तहत ह्यनमो सेवा-अनकही कहानियांह्व को संगीत, नाटक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों तक पहुंचाने की योजना का हिस्सा बताया गया है। नाट्य मंचन में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की विकास यात्रा से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में उनके सार्वजनिक जीवन तक के विभिन्न प्रसंगों को प्रस्तुत किया गया। कलाकारों ने अभिनय के माध्यम से सेवा, समर्पण, कर्म और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता से जुड़े भावों को अभिव्यक्त किया। कार्यक्रम में मौजूद दर्शकों एवं कार्यकताओं ने प्रस्तुति देखी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री सह दरभंगा जिले के प्रभारी मंत्री ई. कुमार शैलेंद्र ने कहा कि लंबे सार्वजनिक जीवन में जनसेवा और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण की भावना महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने कार्यकताओं से जनसेवा से जुड़े कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है। दरभंगा के सांसद डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन की यात्रा देश के लोगों के लिए प्रेरणा का विषय है। उन्होंने समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा एवं जनकल्याण के कार्यों को पहुंचाने में कार्यकताओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। राज्यसभा सांसद डॉ. धर्मशीला गुप्ता ने कहा कि सार्वजनिक जीवन की 25 वर्षों की यात्रा को नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से प्रस्तुत करना एक रचनात्मक प्रयास है। ऐसे कार्यक्रमों से नई पीढ़ी को सार्वजनिक जीवन, सेवा भावना और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विभिन्न पहलुओं को समझने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम संयोजक अमरनाथ सिंह ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा, कर्म और राष्ट्र के प्रति समर्पण की यात्रा को रचनात्मक माध्यम से लोगों के सामने प्रस्तुत करना था।

# माधोपुर हजारी गांव में पहुंचे जिलाधिकारी, इन्फ्लेटेबल मोटर वोट से लिया स्थिति का जायजा

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।जिले में बाढ़ की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में जिला पदाधिकारी कुमार गौरव ने आज अधिकारियों की टीम के साथ साहेबगंज प्रखंड अंतर्गत माधोपुर हजारी गांव का इन्फ्लेटेबल मोटर वोट के माध्यम से स्थलीय निरीक्षण किया ।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में जलस्तर, आवागमन की स्थिति, प्रभावित परिवारों की स्थिति तथा जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही राहत एवं बचाव सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने बाढ़ प्रभावित लोगों के बीच पहुंचकर उनसे सीधे संवाद किया तथा उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली ।जिलाधिकारी ने प्रभावित परिवारों के बीच राहत सामग्री एवं पॉलीथिन शीट का वितरण किया। उन्होंने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित लोगों तक आवश्यक राहत सामग्री समय पर और पर्याप्त मात्रा में पहुंचाना सुनिश्चित करें। राहत सामग्री के वितरण में किसी भी प्रकार की देरी अथवा लापरवाही नहीं होनी चाहिए ।जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता बाढ़ प्रभावित परिवारों की सुरक्षा, राहत एवं आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित लोगों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए तथा उनकी आवश्यकताओं का स्थानीय स्तर पर लगातार आकलन करते हुए त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि पॉलीथिन शीट, खाद्य सामग्री एवं अन्य आवश्यक राहत सामग्री का वितरण समयबद्ध तरीके से किया जाए। प्रभावित परिवारों तक राहत पहुंचाने में भौगोलिक परिस्थितियों के कारण किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न होने पर उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार क्षेत्र भ्रमण एवं निगरानी बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों की समस्याओं की जानकारी सीधे क्षेत्र में जाकर ली जाए और प्राप्त शिकायतों एवं आवश्यकताओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में नाव एवं अन्य उपलब्ध संसाधनों के माध्यम से आवश्यकतानुसार राहत एवं बचाव कार्य संचालित किए जाएं तथा किसी भी आपात स्थिति की सूचना प्राप्त होते ही त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

# महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री की प्रतिमा पर जिलाधिकारी ने किया माल्यार्पण

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर जिला पदाधिकारी कुमार गौरव द्वारा श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण कर दोनों महान विभूतियों को नमन किया गया। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी कुमार गौरव ने सर्वप्रथम समाहरणालय सभागार परिसर में आयोजित कार्यक्रम में महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता एवं सत्याग्रह के सिद्धांतों को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया ।इसके उपरांत जिला पदाधिकारी द्वारा सरैयागंज टावर स्थित स्थल तथा मुक्तिधाम के समीप पुस्तकालय परिसर में भी महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने भी दोनों महान विभूतियों के प्रति श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। जिला पदाधिकारी ने कहा कि महात्मा गांधी का सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और सेवा का संदेश आज भी समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का सादगी, कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी एवं राष्ट्रसेवा का जीवन सभी के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि इन महान विभूतियों के आदर्शों एवं मूल्यों को आत्मसात करते हुए समाज एवं राष्ट्र के विकास में सकारात्मक योगदान देना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

## संक्षिप्त खबरें

### रेवा घाट के जंगली माई स्थान के पास बोरे में मिला युवती का शव, हत्या की आशंका

मुजफ्फरपुर जिले के सरैया थाना क्षेत्र स्थित रेवा घाट के जंगली माई स्थान मंदिर के पास शुक्रवार सुबह बोरे में बंद एक अज्ञात युवती का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की उम्र करीब 20 से 25 वर्ष बताई जा रही है। उसके चेहरे पर गहरे जख्म के निशान मिले हैं। सूचना के बाद पुलिस और एफएसएल की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। ग्रामीणों के अनुसार, सुबह मंदिर के पास एक लावारिस बोरा पड़ा हुआ था। बोरे से तेज दुर्गंध आने पर लोगों को संदेह हुआ। इसके बाद स्थानीय लोगों ने सरैया थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और बोरा खुलवाया, जिसके अंदर युवती का शव बरामद हुआ। सरैया एसडीपीओ अभिजित कौर ने बताया कि सुबह करीब आठ बजे अज्ञात महिला का शव मिलने की सूचना मिली थी। प्रथम दृष्टया हत्या कर शव को यहां लाकर फेंके जाने की आशंका है। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए हैं। फिलहाल मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। ग्रामीण एसपी राजेश सिंह प्रभाकर के निर्देश पर पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों की जानकारी जुटा रही है। साथ ही घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस शव की पहचान कराने के प्रयास में जुटी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा।

### आईआईटी पटना में छात्रों को मिलेगी बेहतर तकनीक की सुविधा, अत्याधुनिक कम्प्यूटर लैब का हुआ उद्घाटन

पटना :- गांधी जयंती पर शुक्रवार को आईआईटी पटना में 500 पीसी क्षमता वाले अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब का उद्घाटन हुआ। लैब का उद्घाटन निदेशक प्रोफेसर अमित पात्रा व रजिस्ट्रार ए के पाठक समेत अन्यों ने सामुहिक रूप से फीता काटकर किया। संस्थान की सेंट्रल लाइब्रेरी में स्थित इस विशाल सुविधा में 500 उच्च-क्षमता वाले कंप्यूटर स्थापित किए गए हैं। जानकारी के मुत्क्षाबिक इस लैब का निर्माण पूरी तरह से आईआईटी पटना के अपने संसाधनों का उपयोग करके किया गया है लैब का मुआयना के दौरान निदेशक प्रो पात्रा ने इसके निर्माण के पीछे के दृष्टिकोण और शैक्षणिक समुदाय के लिए इसके महत्वपूर्ण उपयोगों पर विस्तार से चर्चा की। प्रो. पात्रा ने कहा कि संस्थान के अपने संसाधनों से तैयार की गई यह पहल, छात्रों को विश्व स्तरीय डिजिटल बुनियादी ढांचा और एक बेहतर शिक्षण वातावरण प्रदान करने की दिशा में संस्थान का एक बड़ा कदम है। आगे उन्होंने बताया कि यह लैब छात्रों के लिए एक आधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी के रूप में काम करेगी और साथ ही इसे समर्पित परीक्षा टर्मिनल के तौर पर भी उपयोग में लाया जाएगा। वहीं रजिस्ट्रार प्रो ठाकुर ने इसे इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और छात्रों को बेहतर तकनीकी सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम बतायो

### राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा को प्रदेश महासचिव बनने पर बधाई दी

बिहटा :- प्रखंड क्षेत्र के अमहरा निवासी सिम्मी कुमारी को राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश महासचिव बनने पर स्थानीय नेताओं व कार्यकताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा को बधाई दी है। रालोमो प्रदेश प्रवक्ता रही सिम्मी कुमारी ने कहा कि पार्टी ने जो दायित्व दिया है उसे ईमानदारी से निभाउंगा साथ ही संगठन को मजबूत करने के लिए हमेशा संघर्षरत रहूंगी। वहीं बधाई देने वालों में हिमांशु, राहुल, कुश कुमार, मनोज सिंह सहित कई लोग शामिल हैं। पार्टी नेताओं ने कहा कि इनके नेतृत्व में पार्टी का विकास होगा एवं जनाधार भी बढ़ेगा।

# फर्जी आधार कार्ड से बांग्लादेशी नागरिक का पासपोर्ट बनवाने का खुलासा, दो गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। फर्जी आधार कार्ड बनाने और जाली दस्तावेजों के आधार पर विदेशी नागरिक का पासपोर्ट बनवाने के मामले में नगर थाना पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मोतीझील स्थित उमा मार्केट के कन्हाई कम्युनिकेशन में छापेमारी कर लैपटॉप, आधार नामांकन से जुड़े उपकरण, फिंगरप्रिंट व आईरिस स्कैनर, क्लोन थंब इंप्रेशन उपकरण और आठ मूल आधार कार्ड बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, नगर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि कन्हाई कम्युनिकेशन में अवैध तरीके से दस्तावेजों में छेड़छाड़ कर फर्जी आधार कार्ड तैयार किए जाते हैं। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने दुकान पर छापेमारी की। मौके से साहिल कुमार को हिरासत में लिया गया। वह पूर्वी चंपारण के केसरिया थाना क्षेत्र का रहने वाला है और वर्तमान में कलमबाग चौक के पास रह रहा था। तलाशी के दौरान दुकान से एक लैपटॉप, आधार एनरोलमेंट क्लाइंट सॉफ्टवेयर, यूआईडीएआई मशीन, फिंगरप्रिंट स्कैनर, आईरिस स्कैनर, क्लोन थंब इंप्रेशन उपकरण, आठ मूल आधार कार्ड और दो मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में साहिल ने पुलिस को बताया कि वह वर्ष 2019 से उक्त दुकान में काम कर रहा था और आधार कार्ड बनाने के साथ ऑनलाइन पासपोर्ट आवेदन से जुड़े कार्य करता था। पुलिस ने बरामद मोबाइल और ई-मेल की जांच की तो पासपोर्ट संख्या यू2185640 से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी मिली। जांच में जाली दस्तावेजों और गलत सूचना के आधार पर एक बांग्लादेशी नागरिक के नाम पर पासपोर्ट जारी कराए जाने की बात सामने आई। इसके बाद पुलिस ने साहिल की निशानदेही पर सारण जिले के दरियापुर थाना क्षेत्र स्थित शिव कुमार पंडित के घर पर छापेमारी की। पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में वक्कक्कसिस्टम के इस्तेमाल और इसे अन्य साइबर कैफे संचालकों को उपलब्ध कराने से संबंधित जानकारी मिलने की बात पुलिस ने कही है। मामले में नगर थाना कांड संख्या 547/2026 दर्ज किया गया है। पुलिस आगे की जांच में फर्जी दस्तावेज तैयार करने और पासपोर्ट बनवाने के पूरे नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है। बरामद डिजिटल उपकरणों और दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है।

# गांधी जयंती के अवसर पर 3 कैदी खुदीराम बोस केन्द्रीय कारा से रिहा

मुजफ्फरपुर ।गांधी जयंती पर शुक्रवार को खुदीराम बोस केंद्रीय कारा से तीन बुजुर्ग कैदी रिहा हुए। इनमें समस्तीपुर के वारिसनगर थाना क्षेत्र के धनहर गांव निवासी 71 वर्षीय रामजी शाह, दरभंगा के बेनीपुर निवासी 70 वर्षीय सुरेंद्र मंडल और मुजफ्फरपुर के कुढ़नी थाना क्षेत्र निवासी राजेश्वर सहनी शामिल हैं। तीनों को उम्र और सजा की निर्धारित अवधि लगभग पूरी करने के आधार पर रिहाई मिली है। जेल से बाहर निकलते ही किसी की आंखों में परिवार से मिलने की खुशी थी तो किसी के चेहरे पर वर्षों बाद खुले आसमान में लौटने का सुकून ।तीनों में रामजी शाह को पांच साल की सजा और 10 हजार रुपए जुर्माने की सजा हुई थी। उन्होंने करीब 4 साल 4 महीने 15 दिन जेल में बिताए। वहीं सुरेंद्र मंडल और राजेश्वर सहनी आजीवन कारावास की सजा काट रहे थे। दोनों 14 साल से अधिक समय से जेल में बंद थे। जेल से रिहा होने के बाद अपने परिवार से मिलने की खुशी उनके चेहरे पर साफ दिखाई दे रही थी।

# झारखंड के रामगढ़ में दिखेगा जीविका दीदियों का बैग क्लस्टर मॉडल

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।जिला प्रशासन और उद्योग विभाग के सहयोग से जीविका की महिलाओं ने बैग कलस्टर के रूप में जो नजीर प्रस्तुत की है, इसकी बानगी अब पड़ोसी राज्य झारखंड के रामगढ़ जिले में देखने को मिलेगी। इसके लिए झारखंड सरकार द्वारा तीन सदस्यों की एक टीम मुजफ्फरपुर में दो दिवसीय दौरे पर पहुंची थी। इससे पहले करीब 6 महीने पूर्व में बीडीओ रामगढ़ के नेतृत्व में झारखंड आजीविका मिशन की टीम बैग कलस्टर में भ्रमण करने पहुंची थी। इस बार टीम का नेतृत्व कर रही जिला कार्यक्रम प्रबंधक रामगढ़ रीता सिंह ने बताया कि जीविका कि महिलाओं ने जिस तरह से राज्य सरकार कि योजनाओं से समन्वय स्थापित कर आत्मनिर्भर बन रही है, इसी को देखते हुए झारखंड के रामगढ़ में भी बैग कंपनी निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। टीम के सदस्यों ने बैग क्लस्टर में बैग की पैकेजिंग, कटिंग, मार्केटिंग और बैग निर्माण से जुड़ी समस्त बारीकियां पर जानकारियां इकट्ठा की। इसके बाद जीविका द्वारा संचालित सदर अस्पताल में दीदी की रसोई में मरीजों को दी जाने वाली सेवा और कैंटीन सेवा के बारे में जानकारी ली और दीदियों के हाथों से तैयार स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। वहीं अस्पताल में आने वाले मरीजों के सुविधा के लिए जीविका हेल्थ हेल्प डेस्क में कार्य करने वाली जीविका दीदी से भी बातचीत कि और मरीजों को दी जाने वाली सुविधा के बारे में जानकारी ली। टीम के सदस्य ऋषि राज और अजय कुमार ने बताया कि जीविका द्वारा हर क्षेत्र में बेहतरीन काम किया जा रहा है। झारखंड में भी इस तरह की कवायत अब शुरू की जा रही है ताकि ज्यादा से ज्यादा सरकारी योजनाओं का लाभ लेते हुए आजीविका दीदियों को इससे जोड़ा जाए। इस दौरान जीविका डीपीएम अनीशा ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए जीविका द्वारा जिले में चलाए जा रहे हैं तमाम प्रमुख गतिविधियों से रूबरू कराया। डीपीएम ने कहा कि जीविका जिला अधिकारी के निर्देश में शानदार काम कर रही है। सभी सरकारी योजनाओं के समन्वयन में ऊप विकास आयुक्त के साथ ही डीआरडीए निदेशक का भी महत्वपूर्ण मार्गदर्शन और सहयोग मिलता रहा हैं तभी जीविका से जुड़ी महिलाएं आज सर्वांगीण विकास कर रही हैं। इस दौरान रोशन कुमार, आनंद कुमार, सोनी कुमारी उपस्थित रहें।

# स्मैक के साथ दो गिरफ्तार, 2.10 लाख नकद बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर । जिले के गायघाट थाना क्षेत्र के हनुमान नगर गांव में पुलिस ने छापेमारी कर भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ के साथ दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 2.435 किलोग्राम स्मैक, 2.10 लाख रुपये नकद और चार मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तारी वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण एवं मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान के तहत की गई। पुलिस के अनुसार, एक अक्टूबर को गायघाट थाना पुलिस को हनुमान नगर गांव में मादक पदार्थ की मौजूदगी की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान शिव शंकर कुमार और अंशु कुमारी, दोनों गायघाट थाना क्षेत्र के निवासी, को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से 2,015 पुड़िया में रखा स्मैक बरामद हुआ, जिसका कुल वजन 2.435 किलोग्राम बताया गया है। इसके अलावा 2.10 लाख रुपये नकद और चार मोबाइल फोन भी पुलिस ने जब्त किए। मामले में गायघाट थाने में कांड दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों का आपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपित के परिवार के सदस्यों का भी पूर्व में मादक पदार्थ से संबंधित मामले में नाम सामने आ चुका है। उसकी मां और पत्नी को बेनीबाद थाना कांड संख्या 25/24 में एनडीपीएस एक्ट के तहत न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है।

# शराब तस्करी का खुलासा, लग्जरी वाहन से 207 लीटर विदेशी शराब बरामद, दो गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। जिले में उत्पाद विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश से लाई जा रही विदेशी शराब की बड़ी खेप बरामद की है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक काले रंग की महिंद्रा एक्सयूभी कार को जब्त करने के साथ दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, उत्पाद विभाग को सूचना मिली थी कि उत्तर प्रदेश से छपरा और बंगरा पुल के रास्ते साहेबगंज होते हुए पूर्वी चंपारण के केसरिया की ओर एक काली महिंद्रा एक्सयूभी कार से विदेशी शराब ले जाई जा रही है। सूचना के आधार पर उत्पाद विभाग के एएसआई शशिकांत सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने साहिबगंज-केसरिया मार्ग पर अहियापुर गांव के पास नाकेबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान संदिग्ध काले रंग की कार को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार में छिपाकर रखे गए ऑफिसर्स चॉइस ब्रांड के 180 एमएल वाले टेट्रा पैक की 24 पेटी विदेशी शराब बरामद हुई। उत्पाद विभाग के अनुसार, बरामद शराब की कुल मात्रा 207.360 लीटर है। शराब के साथ तस्करी में इस्तेमाल वाहन को भी जब्त कर लिया गया। मामले में कार चालक अमित कुमार, निवासी सीवान, और उसके सहयोगी रोहित कुमार, निवासी पूर्वी चंपारण, को गिरफ्तार किया गया। उत्पाद विभाग ने दोनों के खिलाफ मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है। अब विभाग यह पता लगाने में जुटा है कि शराब की यह खेप कहां पहुंचाई जानी थी और इस तस्करी के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं।

# खादी ग्रामोद्योग भवन और खादी मॉल में राष्ट्रपिता को किया गया नमन

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। गांधी जयंती के अवसर पर मोतीझील स्थित खादी ग्रामोद्योग भवन और गौशाला रोड स्थित खादी मॉल में महात्मा गांधी की प्रतिमा एवं चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया। इस दौरान बापू के सत्य, अहिंसा, स्वदेशी और स्वावलंबन के संदेशों को स्मरण करते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में बिहार सरकार के पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष (पूर्वी) विवेक कुमार सहित खादी संस्थान के पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि महात्मा गांधी के विचार आज भी समाज और राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरणा देते हैं। स्वदेशी और स्वावलंबन के माध्यम से आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ना ही बापू के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बताए सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने तथा समाज में आपसी सद्भाव और सेवा की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान खादी और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया।

# कृषि विश्वविद्यालय में स्वच्छता ही सेवा अभियान का किया गया आयोजन, कुलपति ने दिलाया स्वच्छता का संकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय ,पूसा में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के पावन अवसर पर 2 अक्टूबर को ह्यस्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान का भव्य आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित ह्यसेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत इस कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालयों के 300 से अधिक छात्र-छात्राओं ने अपनी सक्रिय भागीदारी दर्ज की। स्वच्छता अभियान की शुरूआत शुक्रवार सुबह साढ़े छह बजे सामुदायिक महाविद्यालय के बाहर से की गई। इसके पश्चात उपस्थित स्वयंसेवकों और अधिकारियों ने आधार विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय होते हुए अभियंत्रण महाविद्यालय तथा स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में व्यापक सफाई अभियान चलाया। इस अवसर पर माननीय कुलपति ने अपने संबोधन में बताया कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान की थीम ह्लस्वच्छता में सहभाग; स्वच्छ भारत, विकसित भारतह्व है। उन्होंने कहा कि गांधी जी के लिए स्वच्छता केवल बाहरी सफाई नहीं, बल्कि अनुशासन, जिम्मेदारी और स्वस्थ जीवन का आधार थी। कुलपति ने विद्यार्थियों और एनएसएस स्वयंसेवकों से अपील की कि वे इसे केवल एक दिन की गतिविधि न मानकर अपनी दैनिक आदत बनाएं। उन्होंने सभी को परिसर स्वच्छ रखने, कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने और दूसरों को जागरूक करने का संकल्प भी दिलाया। कुलपति डॉ पांडेय ने भारत रत्न लालबहादुर शास्त्री जी को भी याद किया और कहा कि उनके जीवन से हम सबको प्रेरणा लेना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन और स्वागत भाषण राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सत्य प्रकाश ने किया। छात्र कल्याण निदेशक डॉ रमन त्रिवेदी ने अपने संबोधन में स्वच्छता अभियान और इसके महत्व पर प्रकाश डाला। इसके बाद छात्र कल्याण निदेशक डॉ. त्रिवेदी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए स्वच्छता से होने वाले लाभ एवं हानियों के बारे में जागरूक किया। सामुदायिक महाविद्यालय, पूसा की अधिष्ठाता डॉ. उषा सिंह ने सभी से दैनिक जीवन में स्वच्छता को अपनाने पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम के अंत में एनएसएस पदाधिकारी डॉ. रमनदीप सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस मौके पर सभी अधिष्ठाता, निदेशक, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिक और प्रोफेसर प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

# पितृ तर्पण के दौरान बागमती नदी में डूबे बुजुर्ग, शव बरामद

मुजफ्फरपुर। पितृपक्ष के दौरान तर्पण करने पहुंचे 65 वर्षीय बुजुर्ग की बागमती नदी की तेज धारा में डूबने से मौत हो गई। घटना शुक्रवार सुबह करीब नौ बजे औराई थाना क्षेत्र के एनएच-22 किनारे कटौंझा स्थित बागमती उत्तरायणी नदी की बताई जा रही है। मृतक की पहचान सीतामढ़ी जिले के रुन्नीसैदपुर प्रखंड के महिंदवारा थाना क्षेत्र के गोविंद पितौझिया गांव निवासी रामचंद्र बैठा के रूप में हुई है। जनार के पूर्व पंचायत समिति सदस्य नवीन कुमार के अनुसार, पितृपक्ष के दौरान प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग बागमती नदी में अपने पितरों को जल अर्पित करने पहुंच रहे हैं। इसी क्रम में रामचंद्र बैठा भी शुक्रवार सुबह तर्पण करने कटौंझा पहुंचे थे। जल अर्पित करने के दौरान अचानक उनका पैर फिसल गया और वह नदी की तेज धारा में चले गए। उन्हें नदी में बहता देख मौके पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया और स्थानीय स्तर पर उनकी तलाश शुरू की। करीब एक घंटे की खोजबीन के बाद सुबह लगभग 10 बजे बेनीपुर के निकट बागमती नदी की दक्षिणी उपधारा से रामचंद्र बैठा का शव बरामद किया गया। बेदौल ओपी की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव की पहचान कराई। आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेज दिया गया। घटना के बाद मृतक के परिजनों में मातम पसरा है।

# पटना स्नातक चुनाव को लेकर भाजपा कार्यकताओं ने किया विचार-विमर्श

प्रात : किरण संवाददाता

पटना/फतुहा। पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र चुनाव 2026 को लेकर फतुहा के गोविंदपुर में भाजपा युवा नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता रजनीकांत गिरि ने भाजपा फतुहा नगर युवा मोर्चा अध्यक्ष सौरभ आनंद, नगर महामंत्री राहुल सिंह एवं वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता अरुण कुमार के साथ विचार-विमर्श किया।

बैठक में चुनाव से जुड़े विभिन्न विषयों, संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई। कार्यकताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने, संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने तथा चुनाव संबंधी तैयारियों को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

इस दौरान संगठन की सक्रियता मजबूत करने, कार्यकताओं की सहभागिता बढ़ाने और आपसी समन्वय के साथ आगामी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने पर भी चर्चा हुई।

उपस्थित कार्यकताओं ने आगामी कार्यक्रमों को लेकर अपने सुझाव साझा किए।

# महेशपुर में मिट्टी की कला को संवार रहे कारीगर, उचित मूल्य की दरकार

मुजफ्फरपुर। मिट्टी केवल मिट्टी नहीं, बल्कि लोकसंस्कृति, परंपरा और मेहनतकश परिवारों की जीविका से जुड़ी विरासत है। मुजफ्फरपुर जिले के बंदरा प्रखंड के महेशपुर गांव में आज भी कई परिवार अपनी मेहनत और हुनर के दम पर इस परंपरा को जीवित रखे हुए हैं। कभी यहां हाथों से मिट्टी के बर्तन, दीये और दैनिक उपयोग की कई वस्तुएं तैयार की जाती थीं। समय के साथ तकनीक के विकास ने इस कला को नया स्वरूप दिया है। अब मशीनों और विद्युत उपकरणों की मदद से मिट्टी से दीये, कप, मूर्तियां और विभिन्न कलात्मक वस्तुएं तैयार की जा रही हैं। शुक्रवार सुबह महेशपुर गांव पहुंचकर इस पारंपरिक कार्य में जुटे परिवारों से मुलाकात की गई और उनकी समस्याओं को करीब से समझने का अवसर मिला। कलर पंडित, भुट्टा पंडित, उमेश पंडित, रामकिशोर पंडित समेत कई परिवार आज भी पूरी लगन से मिट्टी की कारीगरी को आगे बढ़ा रहे हैं। कारीगरों की सबसे बड़ी समस्या उनके उत्पादों के लिए उचित मूल्य और स्थायी बाजार का अभाव है। उनका कहना है कि यदि आधुनिक मशीन, प्रशिक्षण, कच्चा माल, आसान ऋण और बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में सरकारी स्तर पर पहल हो, तो यह पारंपरिक कला रोजगार और आत्मनिर्भरता का मजबूत माध्यम बन सकती है। समाजसेवी एवं सामाजिक चिंतक श्याम किशोर ने कहा कि हुनर को यदि उचित सहयोग और बाजार मिल जाए तो मेहनतकश हाथ रोजगार के अवसर पैदा कर सकते हैं। उन्होंने मिट्टी की कला से जुड़े परिवारों को सम्मान, उचित मूल्य और बाजार उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई। इन कलाकारों को यदि सुविधा और आधुनिक तकनीक से लैस कर दिया जाए तो मूर्ति निर्माण की कला में इनकी ख्याति दूर-दूर तक पहुंच सकती है और लुप्त हो रहे मिट्टी से वर्णन एवं विभिन्न कलाकृतियों के निर्माण को पुनर्जीवित किया जा सकता है।

# गंडक की बाढ़ में बहकर पहुंचे हिरण और उनके बच्चे, ग्रामीणों ने बचाया; वन विभाग ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

मुजफ्फरपुर। गंडक नदी में आई बाढ़ के पानी के तेज बहाव के साथ कई हिरण और उनके बच्चे जिले के पारू थाना क्षेत्र के आसपास पहुंच गए। हिरणों को इलाके में देख ग्रामीणों ने उन्हें सुरक्षित पकड़कर रखा और इसकी सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सभी हिरणों एवं उनके बच्चों को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। बताया गया कि बाढ़ के पानी के साथ बहकर हिरण आबादी वाले इलाके में पहुंच गए थे। ग्रामीणों ने उन्हें देखा तो तेज बहाव में दोबारा बहने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखा। इसके बाद वन विभाग को इसकी जानकारी दी गई। सूचना मिलने पर साहेबगंज वन क्षेत्र पदाधिकारी विकास कुमार पांडे के नेतृत्व में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू टीम ने अलग-अलग स्थानों पर मौजूद हिरणों और उनके बच्चों को सावधानीपूर्वक अपने कब्जे में लिया। रेस्क्यू के दौरान वन्यजीवों को किसी तरह की चोट न पहुंचे, इसका विशेष ध्यान रखा गया ।वन विभाग के अनुसार, रेस्क्यू किए गए हिरणों और उनके बच्चों को आगे वाल्मीकिनगर, बेतिया ले जाया जाएगा, जहां उन्हें सुरक्षित वन क्षेत्र में रखने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी ।रेस्क्यू अभियान में रेस्क्यू प्रभारी नितिन चंद्रा, वनरक्षी सूरज कुमार, वनरक्षी रॉबिंस कुमार सहित अन्य वनकर्मी शामिल रहे। बाढ़ के दौरान सुरक्षित स्थान की तलाश में वन्यजीवों के आबादी वाले क्षेत्रों की ओर आने की घटनाएं सामने आती हैं। ग्रामीणों की तत्परता और वन विभाग की त्वरित कार्रवाई से इन हिरणों को सुरक्षित बचाया जा सका।

# नदियों के अधिक जल-स्तर को देखते हुए जितिया पर्व पर विशेष सतर्कता बरतने का डीएम ने दिया निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिलाधिकारी कुमार गौरव ने नदियों में अत्यधिक जलस्तर को देखते हुए जितिया पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर सभी अनुमंडल पदाधिकारियों, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, थानाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने तथा आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि आज जिउतिया का नहाय-खाय है। यद्यपि यह घर में ही किये जाने वाला पर्व है, तथापि कहीं-कहीं महिलाएं नदी तट पर भी जाती हैं। वर्तमान में नदियों का जल-स्तर काफी बढ़ा हुआ है ।अतः इस मामले में भी एहतियात बरतने की जरूरत है। उन्होंने निदेश दिया कि एनडीआरएफ ,एसडीआरएफ एवं अंचल और थानों को अलर्ट पर रखा जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि जितिया पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं एवं बच्चों के नदी घाटों पर स्नान एवं पूजा-अर्चना के लिए पहुँचने की संभावना रहती है। वर्तमान परिस्थितियों में नदियों के जलस्तर में वृद्धि की संभावना को देखते हुए श्रद्धालुओं सहित सभी लोगों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी अनुमंडल पदाधिकारियों, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, थानाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था का लगातार अनुश्रवण करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करें। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए क्यूआरटी एवं क्यूएमआरटी की टीम को तैनात रखें। सुरक्षा के दृष्टिकोण से आपदा की आकस्मिकता से निपटने हेतु एनडीआरएफ,एसडीआरएफ टीम एवं प्रशिक्षित गोताखोरों की प्रतिनियुक्ति करें। आवश्यकता के अनुसार नदी तटों पर मजबूत बैरिकेडिंग कराते हुए बैरिकेडिंग पर स्पष्ट रूप से लाल कपड़े लगाए जाएँ एवं लोगों को असुरक्षित क्षेत्रों की ओर जाने से रोकें। श्रद्धालुओं को अपने घरों में ही स्नान एवं पूजा-अर्चना करने के लिए जागरूक करने तथा गहरे पानी में जाने से रोकने के लिए विभिन्न माध्यमों से लगातार सुरक्षा संबंधी निर्देश एवं आवश्यक सावधानियों का प्रसारण कराने का निर्देश दिया गया है। विशेष रूप से बच्चों की सुरक्षा को लेकर अतिरिक्त सतर्कता बरतने को कहा गया है। जिलाधिकारी ने सभी अंचल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र के नदी तटों एवं संवेदनशील स्थलों पर आवश्यक एहतियाती उपाय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। आवश्यकता पड़ने पर बिना किसी विलंब के प्राथमिकता के आधार पर बैरिकेडिंग कराई जाए, ताकि श्रद्धालुओं को गहरे पानी में जाने से रोका जा सके तथा किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके। सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित कर आम लोगों के बीच सुरक्षा संबंधी दिशा-निदेर्शों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने को कहा गया है। साथ ही, जितिया पर्व के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के संबंध में सभी माध्यमों से जन-जागरूकता संदेश आम लोगों तक पहुँचाने का निर्देश दिय ा गया है ।नगर निगम क्षेत्र में नगर आयुक्त को सुरक्षा एवं एहतियाती उपायों की निगरानी करने तथा शहरी क्षेत्रों के सभी कार्यपालक पदाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

# गांधी जयंती पर उत्क्रमित मध्य विद्यालय बैंगरी में कार्यक्रम आयोजित

मुजफ्फरपुर। गांधी जयंती के अवसर पर बन्दरा प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बैंगरी में शुक्रवार को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ छात्र-छात्राओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया गया ।विद्यालय के प्रधानाध्यापक सह संकुल समन्वयक ब्रजेश कुमार के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों ने विद्यार्थियों को महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और सदाचार के संदेशों से अवगत कराया। उन्होंने विद्यार्थियों से गांधी जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में आशा कुमारी, श्वेता कुमारी, शिवांगी राज, सुल्ताना आजमी, अभिषेक सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।

सम्पादकीय

# हर आकर्षण प्रेम नहीं होता, रिश्तों की वास्तविकता को समझना जरूरी

मानवीय संबंधों की दुनिया बहुत सुंदर भी है और बहुत जटिल भी। किसी का अच्छा लगना, उसकी ओर आकर्षित होना, उसके साथ समय बिताने की इच्छा होना और उसके प्रति गहरा प्रेम होना ये सभी भाव एक जैसे दिखाई दे सकते हैं, लेकिन वास्तव में इनके अर्थ और गहराई अलग-अलग होती है। समस्या तब पैदा होती है, जब हम पसंद को प्रेम और आकर्षण को स्थायी संबंध समझ बैठते हैं। अक्सर दो लोग बातचीत करते-करते एक-दूसरे के करीब आते हैं। एक-दूसरे की बातें अच्छी लगती हैं, साथ अच्छा लगता है, परवाह करने से सुख मिलता है और धीरे-धीरे मन उस संबंध को कोई बड़ा नाम दे देता है। यहीं से अपेक्षाएं जन्म लेती हैं। एक पक्ष इसे प्रेम समझने लगता है, जबकि दूसरे के लिए वह केवल आत्मीयता, मित्रता या पसंद तक सीमित हो सकता है। मनोविज्ञान में आकर्षण को संबंधों की शुरूआत का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है, लेकिन दीर्घकालिक संबंध केवल आकर्षण से नहीं चलते। उनमें विश्वास, प्रतिबद्धता, पारस्परिक सम्मान, संवाद और कठिन परिस्थितियों में साथ निभाने की इच्छा भी आवश्यक होती है। मनोवैज्ञानिक रॉबर्ट स्टर्नबर्ग के प्रेम के त्रिकोणीय सिद्धांत में भी अंतरंगता, जुनून और प्रतिबद्धता को प्रेम के प्रमुख घटक माना गया है। इसका अर्थ यह है कि केवल भावनात्मक आकर्षण को पूर्ण प्रेम मान लेना उचित नहीं है। सबसे अधिक पीड़ा उस समय होती है, जब व्यक्ति ने किसी संबंध को अपने मन में जितनी ऊंचाई दे दी हो, सामने वाला उसे उतनी ऊंचाई पर मानता ही न हो। तब एक साधारण-सा वाक्य ह्लमैं तुम्हें पसंद करता हूं, लेकिन प्रेम नहीं करताह्व पूरे भावनात्मक संसार को हिला सकता है। जिसे हम संबंध का आधार समझ रहे थे, वह दूसरे व्यक्ति के लिए शायद केवल एक खूबसूरत पड़ाव था। यहां एक महत्वपूर्ण तथ्य समझना जरूरी है कि हर पसंद का अंत प्रेम में नहीं होता और हर प्रेम का अंत संबंध में नहीं होता। मनुष्य की भावनाएं समय, परिस्थितियों और अनुभवों के साथ बदल सकती हैं। किसी व्यक्ति के प्रति आज गहरा आकर्षण होना इस बात की गारंटी नहीं कि भविष्य में भी वही भाव बना रहेगा। इसी तरह किसी का पीछे हट जाना हमेशा छल या धोखा नहीं होता। कई बार व्यक्ति स्वयं अपनी भावनाओं को समझने के बाद यह महसूस करता है कि वह उस संबंध को आगे नहीं बढ़ाना चाहता। इसलिए संबंधों में सबसे जरूरी है स्पष्टता। यदि सामने वाला किसी संबंध को केवल मित्रता या पसंद तक सीमित मानता है तो उसकी बात को स्वीकार करना चाहिए। अपनी कल्पनाओं के आधार पर दूसरे व्यक्ति की भावनाओं का अर्थ तय करना अंततः स्वयं को ही पीड़ा देता है ।हमारे समाज में भावनात्मक लगाव को अक्सर इतना महत्व दिया जाता है कि व्यक्ति दूसरे की छोटी-छोटी बातों में भी प्रेम के संकेत खोजने लगता है। संदेश का इंतजार, बार-बार बात करने की इच्छा, चिंता करना या साथ समय बिताना ये सब आत्मीयता के संकेत हो सकते हैं, लेकिन इन्हें अपने आप में प्रेम का प्रमाण नहीं माना जा सकता ।स्वस्थ संबंध वही है जिसमें दोनों पक्षों की भावनाएं, सीमाएं और अपेक्षाएं स्पष्ट हों। जहां एक व्यक्ति संबंध को जीवन का केंद्र बना ले और दूसरा उसे केवल एक सामान्य आत्मीय रिश्ता समझे, वहां असंतुलन पैदा होना स्वाभाविक है। इसलिए संबंधों को वरीयता देने से पहले उनके स्वरूप को समझना आवश्यक है। पसंद को प्रेम मानने की जल्दबाजी न करें, आकर्षण को प्रतिबद्धता न समझें और किसी की आत्मीयता को अपनी कल्पना के अनुसार प्रेम का नाम न दें। संबंध जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण उसकी वास्तविकता को स्वीकार करना भी है। क्योंकि कभी-कभी रिश्ते का टूटना उतना दुखद नहीं होता, जितना उस रिश्ते के बारे में हमारी बनाई हुई धारणा का टूटना। और जब वह धारणा टूटती है, तभी पैरों तले की जमीन खिसकती महसूस होती है। इसलिए प्रेम की सुंदरता को बनाए रखने के लिए भावनाओं के साथ-साथ विवेक और स्पष्टता भी जरूरी है। संबंधों को वही ऊंचाई दीजिए, जितनी ऊंचाई पर दोनों एक-दूसरे को स्वीकार करते हों।

# आंगनबाड़ी केंद्रों को मजबूत किए बिना नहीं संवरेगा बचपन

जानकी गोदारा

किसी बच्चे के स्वस्थ विकास की शुरूआत स्कूल की कक्षा से बहुत पहले हो जाती है। जीवन के शुरूआती छह वर्ष बच्चे के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। यही वह उम्र है जब पोषण, स्वास्थ्य देखभाल, टीकाकरण और सीखने का माहौल बच्चे के भविष्य की नींव तैयार करता है। ग्रामीण भारत में इस जिम्मेदारी को लंबे समय से आंगनबाड़ी केंद्र निभाते आए हैं। यह केवल छोटे बच्चों को बैठाने और खाना देने की जगह नहीं है, बल्कि उनके साथ साथ गर्भवती महिलाओं और दूध पिलाने वाली माताओं तक पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा पहुंचाने की सबसे महत्वपूर्ण जमीनी व्यवस्थाओं में से एक है। लेकिन सवाल यह है कि जिस उद्देश्य के लिए आंगनबाड़ी व्यवस्था शुरू की गई थी, क्या वह आज अपने लक्ष्य तक पहुँचता नजर आ रह है? बीकानेर जिला के लूणकरणसर ब्लॉक से करीब 13 किमी दूर खियेरा गांव तो सरकारी आंकड़ों से कुछ अलग कहानी बताता है। इस गांव में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र के भवन की स्थिति संतोषजनक नहीं है। जिसमें बिजली और शौचालय तक की सुविधा नहीं है। गर्मी के दिनों में जब तापमान बच्चों के लिए मुश्किलें पैदा करता है, तब अभिभावक भी उन्हें वहां भेजने से हिचकते हैं। ग्रामीणों के अनुसार इस केंद्र पर पोलियो की दवा पिलाने और बच्चों के नियमित टीकाकरण की व्यवस्था भी नहीं हो पाती। हालांकि ग्रामीण यह भी बताते हैं कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुनीता और कंचन अपनी जिम्मेदारी पूरी मेहनत से निभाती हैं। वे बच्चों को घर से केंद्र तक लाती हैं और केंद्र बंद होने के बाद उन्हें वापस घर भी पहुंचाती हैं। उन्हें पौष्टिक भोजन भी देती हैं। यानी समस्या उस व्यवस्था की है जिसमें उन्हें काम करना पड़ता है। हालांकि सरकार अब पुराने केंद्रों को ह्यसक्षम आंगनबाड़ीह्ण बनाने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। मार्च 2026 तक देश में 1,03,940 आंगनबाड़ी केंद्रों को सक्षम आंगनबाड़ी के रूप में विकसित किया जा चुका था। इनमें बेहतर भवन, सुरक्षित पेयजल, एलईडी स्क्रीन, इंटरनेट की सुविधा जहां संभव हो, सीखने की सामग्री, पोषण वाटिका, साफ भंडारण और बच्चों के अनुकूल वातावरण जैसी सुविधाओं पर जोर है। केंद्र सरकार ने कुल दो लाख आंगनबाड़ी केंद्रों को चरणबद्ध तरीके से मजबूत करने का लक्ष्य रखा है। 2026-27 के केंद्रीय बजट में भी मिशन सक्षम आंगनबाड़ी एवं पोषण 2.0 के लिए 23,100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस राशि का इस्तेमाल पोषण सहायता, प्रारंभिक बाल देखभाल एवं शिक्षा और आंगनबाड़ी के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने जैसी गतिविधियों में होना है। राजस्थान के 2026-27 के बजट में भी आंगनबाड़ी को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। राज्य में 7,500 आंगनबाड़ियों को ह्यनंद घरह्ण के रूप में विकसित करने के लिए 225 करोड़ रुपये, करीब 3,800 केंद्रों की मरम्मत और सुदृढ़ीकरण के लिए 80 करोड़ रुपये से अधिक तथा विद्यालयों के साथ संचालित 22,746 आंगनबाड़ी केंद्रों में खेल सामग्री और ह्यजादुई पिटाराह्ण उपलब्ध कराने के लिए करीब 323 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रस्ताव है। इसके अलावा बिजली से वंचित सरकारी भवनों में चल रहे 17,095 आंगनबाड़ी केंद्रों को बिजली कनेक्शन देने की घोषणा की गई है। इन घोषणाओं का महत्व खियेरा जैसे गांवों को देखकर समझा जा सकता है। यदि किसी आंगनबाड़ी में बिजली नहीं है, शौचालय नहीं है और बच्चों के बैठने तथा सीखने के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है तो वहां पोषण और प्रारंभिक शिक्षा की गुणवत्ता की उम्मीद करना मुश्किल है। इसके लिए सबसे जरूरी है कि भवन, बिजली, पानी, शौचालय और बच्चों के अनुकूल वातावरण को बुनियादी अधिकार की तरह लिया जाए। स्वास्थ्य विभाग और आंगनबाड़ी के बीच समन्वय इतना मजबूत हो कि टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच और पोषण संबंधी सेवाएं कागज पर नहीं, बल्कि नियमित रूप से केंद्र तक पहुंचें। आंगनबाड़ी की सफलता का पैमाना केवल यह नहीं होना चाहिए कि कितने केंद्र खुले हैं या कितने बच्चों को भोजन मिला। असली सवाल यह होना चाहिए कि कितने बच्चे स्वस्थ हुए, कितने बच्चों का कुपोषण कम हुआ, कितने बच्चों ने स्कूल के लिए बेहतर तैयारी की और कितने गांवों में माताओं को अपने बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य के बारे में सही जानकारी मिली।

# सत्य-अहिंसा के संकल्प से महात्मा बने गांधी, छोटे-छोटे सद्गुणों ने गढ़ा महान व्यक्तित्व

उसके छोटे-छोटे निर्णय, संस्कार, कर्म और जीवन के प्रति उसकी सजगता ही धीरे-धीरे उसके व्यक्तित्व का निर्माण करती है। बालक मोहनदास के जीवन में भी ऐसे अनेक प्रसंग आए, जिन्होंने आगे चलकर उनके व्यक्तित्व को दिशा दी। बचपन में एक बार गांधीजी ने अपने पिता की जेब से कुछ पैसे ले लिए। बाद में उन्हें अपनी भूल का गहरा पश्चाताप हुआ। उनकी अंतरात्मा उन्हें धिक्कारती रही। पिता के सामने सीधे अपनी गलती स्वीकार करने का साहस नहीं जुटा पाए तो उन्होंने पत्र लिखकर अपनी भूल स्वीकार की और क्षमा मांगी। साथ ही भविष्य में चोरी और झूठ से दूर रहने का संकल्प लिया। यही घटना बताती है कि गलती हो जाना उतना महत्वपूर्ण नहीं, जितना अपनी गलती को पहचानना, उसका पश्चाताप करना और उसे दोबारा न दोहराने का दृढ़ निश्चय करना।

**कांतिलाल मांडोत**
(लेखक)

गांधीजी का जीवन सद्गुणों और सत्संकल्पों का ऐसा प्रेरणास्रोत था, जिसमें सत्य, अहिंसा, स्वावलम्बन, सादगी, ईमानदारी और सदाचार जीवन के व्यवहार का हिस्सा बनकर सामने आए। उनके विचार और आचार में कोई अंतर नहीं था। वे जो कहते थे, उसे अपने जीवन में उतारकर दिखाते थे। यही कारण है कि उनके संपर्क में आने वाले अनेक कार्यकताओं और अनुयायियों के जीवन पर भी उनके विचारों और आचरण की गहरी छाप पड़ी। विनोबा भावे, डॉ. राजेन्द्रप्रसाद, जवाहरलाल नेहरू और सरदार पटेल जैसे अनेक प्रमुख व्यक्तित्व उनके विचारों से प्रभावित हुए। गुजरात के पोरबंदर में 2 अक्टूबर को जन्मे मोहनदास कर्मचंद गांधी बचपन से ही संस्कारवान और संवेदनशील थे। माता-पिता के संस्कार तथा परिवार के धार्मिक वातावरण ने उनके भीतर सत्यनिष्ठा, ईमानदारी, कर्तव्यभावना और संकल्पशीलता को मजबूत किया। कोई व्यक्ति जन्म से महापुरुष नहीं होता। उसके छोटे-छोटे निर्णय, संस्कार, कर्म और जीवन के प्रति उसकी सजगता ही धीरे-धीरे उसके व्यक्तित्व का निर्माण करती है। बालक मोहनदास के जीवन में भी ऐसे अनेक प्रसंग आए, जिन्होंने आगे चलकर उनके व्यक्तित्व को दिशा दी। बचपन में एक बार गांधीजी ने अपने पिता की जेब से कुछ पैसे ले लिए। बाद में उन्हें अपनी भूल का गहरा पश्चाताप हुआ। उनकी अंतरात्मा उन्हें धिक्कारती रही। पिता के सामने सीधे अपनी गलती स्वीकार करने का साहस नहीं जुटा पाए तो उन्होंने पत्र लिखकर अपनी भूल स्वीकार की और क्षमा मांगी। साथ ही भविष्य में चोरी और झूठ से दूर रहने का संकल्प लिया। यही घटना बताती है कि गलती हो जाना उतना महत्वपूर्ण नहीं, जितना अपनी गलती को पहचानना, उसका पश्चाताप करना और उसे दोबारा न दोहराने का दृढ़ निश्चय करना। यही आत्मचिंतन व्यक्ति को भीतर से मजबूत बनाता है। गांधीजी के जीवन निर्माण में उनकी माता के संस्कारों के साथ गुजरात के स्थानकवासी जैन संत बेचरदासजी और श्रीमद राजचंद्र का भी महत्वपूर्ण प्रभाव रहा। विदेश जाते समय बेचरदासजी से मिले नियमों ने उनके जीवन को अनुशासन दिया, वहीं श्रीमद राजचंद्र के आध्यात्मिक चिंतन ने उनके भीतर आत्ममंथन और सत्य की खोज को गहरा किया। गांधीजी के व्यक्तित्व में जो संयम, आत्मनिरीक्षण और सिद्धांतनिष्ठा दिखाई देती है, उसके पीछे ऐसे संस्कारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। गांधीजी जीवन की छोटी-छोटी बातों को भी बहुत गंभीरता से लेते थे। एक सभा में हरिजन निधि के लिए चंदा एकत्र किया जा रहा था। इसी दौरान एक पैसा हाथ से गिर गया। साथियों ने कहा कि उस पैसे को छोड़कर उसके बदले एक रुपया दे दिया जाएगा, लेकिन गांधीजी ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। उनके लिए वह पैसा राष्ट्र की संपत्ति था। उन्होंने उसे खोजकर ही दम लिया। इस घटना में राशि का मूल्य नहीं, बल्कि सार्वजनिक धन के प्रति उनकी जिम्मेदारी और निष्ठा दिखाई देती है। उनका मानना था कि जनता के विश्वास और धन का सम्मान करना प्रत्येक सार्वजनिक व्यक्ति का कर्तव्य है। गांधीजी का सादगीपूर्ण जीवन भी उनके विचारों का ही विस्तार था। उड़ीसा की यात्रा के दौरान उन्होंने एक गरीब महिला को देखा, जिसके पास शरीर ढकने के लिए भी पर्याप्त कपड़ा नहीं था। इस दृश्य ने उन्हें भीतर तक प्रभावित किया। उन्होंने अनुभव किया कि जिस देश के गरीब लोगों के पास पर्याप्त वस्त्र नहीं हैं, वहां स्वयं आरामदायक वस्त्र पहनना उनके लिए उचित नहीं। इसके बाद उन्होंने अपनी पोशाक को अत्यंत सादा बना लिया। उनकी वेशभूषा केवल व्यक्तिगत पसंद नहीं थी, बल्कि देश के गरीब और वंचित लोगों के साथ आत्मीयता का प्रतीक बन गई। स्वावलम्बन गांधीजी के जीवन का एक और महत्वपूर्ण पक्ष था। वे अपना काम स्वयं करने में विश्वास रखते थे। लंदन में भारतीय विद्यार्थियों द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान वे बिना किसी संकोच के बर्तन साफ करने में लग गए। विद्यार्थियों को बाद में पता चला कि जिनके हाथों में वे बर्तन धोते देख रहे थे, वे गांधीजी ही हैं। आश्रम जीवन में भी उन्होंने स्वयं श्रम करके दूसरों को श्रम की गरिमा का संदेश दिया। उन्होंने केवल भाषण देकर स्वावलम्बन नहीं सिखाया, बल्कि अपने आचरण से उसे जीवन का हिस्सा बनाया। गांधीजी का अनुशासन कठोरता से अधिक आत्मीयता पर आधारित था। वे किसी की गलती पर केवल दोषारोपण करने के बजाय व्यक्ति को आत्मचिंतन के लिए प्रेरित करते थे। उनका विश्वास था कि प्रेम और आत्मीयता से मनुष्य के भीतर परिवर्तन अधिक स्थायी रूप से आता है। वे स्वयं अपने आचरण को दूसरों के लिए उदाहरण बनाते थे। इसलिए उनका संदेश केवल शब्दों तक सीमित नहीं रहता था, बल्कि लोगों के व्यवहार में दिखाई देने लगता था। गांधीजी का पूरा जीवन सत्य और अहिंसा के प्रयोगों की प्रयोगशाला था।

# अक्टूबर में क्या इथेनॉल बनेगा भारत के परिवहन का नया ईंधन?

देश में इस मिश्रण को लेकर वाहन चालकों के बीच कई सवाल उठे हैं। विशेषकर पुराने वाहनों के इंजन, माइलेज, रखरखाव और दीर्घकालिक प्रभाव को लेकर चर्चाएं हुई है। सरकार का कहना है कि ई20 लागू करने से पहले वाहनों की इंजन क्षमता, ईंधन प्रणाली, टिकाऊपन और उत्सर्जन सहित विभिन्न मानकों पर परीक्षण किए गए। सरकार के अनुसार करोड़ों दोपहिया और पेट्रोल वाहन ई20 ईंधन पर चल रहे हैं और बड़े पैमाने पर इंजन खराब होने का कोई सत्यापित प्रमाण सामने नहीं आया है। ई20 को लेकर सार्वजनिक विमर्श में दो अलग-अलग दृष्टिकोण दिखाई देते हैं।

**जितेन्द्र कुमार सिन्हा**
(लेखक)

भारत में पेट्रोल की बढ़ती जरूरत, आयात पर निर्भरता, प्रदूषण और ऊर्जा सुरक्षा जैसे सवालों के बीच इथेनॉल एक महत्वपूर्ण विकल्प के रूप में लगातार चर्चा में है। फिलहाल देश में ई20 यानी 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर बहस जारी है। इसी बीच केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के उस बयान ने नई चर्चा को जन्म दिया है कि अक्टूबर में टोयोटा ऐसी कार पेश कर सकती है, जो 100 प्रतिशत इथेनॉल से चलने में सक्षम होगी ।यह केवल एक नए वाहन के बाजार में आने की खबर नहीं है, बल्कि भारत की ऊर्जा नीति और परिवहन व्यवस्था में संभावित बदलाव की ओर संकेत भी माना जा सकता है। खास बात यह है कि प्रस्तावित वाहन चलते समय बिजली भी पैदा करेगा। यानी एक ही तकनीक में वैकल्पिक ईंधन और विद्युत उत्पादन की दोहरी अवधारणा दिखाई देगी। इथेनॉल को लेकर भारत में पिछले कुछ वर्षों में तेजी से नीतिगत बदलाव हुए हैं। पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने का उद्देश्य केवल पेट्रोल की खपत कम करना नहीं है। इसके पीछे ऊर्जा आयात पर निर्भरता घटाने, घरेलू कृषि क्षेत्र को बाजार उपलब्ध कराने और प्रदूषण कम करने जैसे कई लक्ष्य जुड़े हैं। ई20 का अर्थ है पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल का मिश्रण। देश में इस मिश्रण को लेकर वाहन चालकों के बीच कई सवाल उठे हैं। विशेषकर पुराने वाहनों के इंजन, माइलेज, रखरखाव और दीर्घकालिक प्रभाव को लेकर चर्चाएं हुई है। सरकार का कहना है कि ई20 लागू करने से पहले वाहनों की इंजन क्षमता, ईंधन प्रणाली, टिकाऊपन और उत्सर्जन सहित विभिन्न मानकों पर परीक्षण किए गए। सरकार के अनुसार करोड़ों दोपहिया और पेट्रोल वाहन ई20 ईंधन पर चल रहे हैं और बड़े पैमाने पर इंजन खराब होने का कोई सत्यापित प्रमाण सामने नहीं आया है। ई20 को लेकर सार्वजनिक विमर्श में दो अलग-अलग दृष्टिकोण दिखाई देते हैं। एक पक्ष इसे ऊर्जा सुरक्षा और स्वदेशी ईंधन की दिशा में आवश्यक कदम मानता है, जबकि दूसरा पक्ष वाहन के माइलेज, पुराने वाहनों की संगतता और उपभोक्ता लागत जैसे सवाल उठाता है। ऐसे समय में गडकरी का यह कहना महत्वपूर्ण है कि इथेनॉल के इस्तेमाल को लेकर अब तक वाहनों में बड़े स्तर पर कोई शिकायत सामने नहीं आई है। हालांकि किसी भी नई ईंधन तकनीक का मूल्यांकन केवल राजनीतिक या सार्वजनिक दावों से नहीं, बल्कि दीर्घकालिक स्वतंत्र परीक्षण, वास्तविक उपयोग के आंकड़ों और उपभोक्ता अनुभवों से होना चाहिए। यही कारण है कि ई20 की चर्चा के साथ-साथ अब 100 प्रतिशत इथेनॉल से चलने वाली कार की संभावित पेशकश को भी गंभीर तकनीकी प्रयोग के रूप में देखना होगा। यदि कोई वाहन केवल इथेनॉल पर चल सकता है, तो यह पेट्रोल आधारित पारंपरिक वाहन व्यवस्था से एक महत्वपूर्ण तकनीकी बदलाव होगा। वर्तमान में आम उपभोक्ता के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वैकल्पिक ईंधन तभी बड़े पैमाने पर सफल हो सकता है, जब उसके लिए वाहन, ईंधन और वितरण, तीनों का मजबूत ढांचा मौजूद हो। 100 प्रतिशत इथेनॉल वाली कार इस दिशा में एक प्रयोगात्मक और व्यावसायिक दोनों प्रकार का संदेश दे सकती है। इससे यह सवाल भी उठेगा कि क्या भविष्य में भारत में केवल पेट्रोल और डीजल पर निर्भरता के बजाय इथेनॉल, विद्युत और अन्य वैकल्पिक ईंधनों का मिश्रित परिवहन तंत्र विकसित किया जा सकता है? प्रस्तावित टोयोटा वाहन की सबसे दिलचस्प विशेषता यह बताई गई है कि वह 100 प्रतिशत इथेनॉल पर चलने के साथ-साथ चलते समय बिजली भी पैदा करेगा। यदि यह तकनीक व्यावहारिक और बड़े पैमाने पर उपयोग योग्य साबित होती है, तो वाहन तकनीक में यह महत्वपूर्ण परिवर्तन हो सकता है। यहां यह समझना आवश्यक है कि इथेनॉल से बिजली पैदा करने की अवधारणा को पारंपरिक पेट्रोल कार के समान नहीं समझना चाहिए। आधुनिक वाहन तकनीक में इंजन, जनरेटर, बैटरी और विद्युत मोटर के संयोजन के जरिए ऊर्जा का अलग-अलग रूपों में उपयोग किया जा सकता है। इस प्रकार इथेनॉल आधारित वाहन और इलेक्ट्रिक तकनीक का मेल भविष्य के परिवहन का एक अलग मॉडल प्रस्तुत कर सकता है। भारत में इथेनॉल की कहानी केवल ऑटोमोबाइल उद्योग की कहानी नहीं है। इसका सीधा संबंध कृषि अर्थव्यवस्था से भी है। देश में गन्ने से इथेनॉल उत्पादन लंबे समय से किया जा रहा है। इसके अलावा सरकार ने अन्य फीडस्टॉक और जैविक स्रोतों से भी इथेनॉल उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया है। इसका अर्थ है कि इथेनॉल की मांग बढ़ने पर कृषि आधारित उद्योगों को अतिरिक्त बाजार मिल सकता है। गन्ना किसानों के लिए यह एक वैकल्पिक मांग पैदा करता है। चीनी मिलों के लिए भी इथेनॉल उत्पादन अतिरिक्त आय का माध्यम बन सकता है। इस दृष्टि से इथेनॉल नीति को केवल पेट्रोल में मिलाए जाने वाले एक घटक के रूप में देखना अधूरा होगा। यह कृषि, ऊर्जा और परिवहन, तीनों क्षेत्रों को जोड़ने वाली नीति बन सकती है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयातित कच्चे तेल से पूरा करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर भारतीय अर्थव्यवस्था और उपभोक्ताओं पर पड़ता है। ऐसे में घरेलू स्तर पर तैयार होने वाला वैकल्पिक ईंधन ऊर्जा सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण हो जाता है। इथेनॉल देश में उपलब्ध कृषि संसाधनों से तैयार किया जा सकता है। यदि इसका उत्पादन टिकाऊ तरीके से बढ़ाया जाता है और इसके लिए पर्याप्त कच्चा माल, पानी, भूमि तथा प्रसंस्करण क्षमता उपलब्ध रहती है, तो पेट्रोल की कुछ मांग को घरेलू जैव ईंधन से पूरा किया जा सकता है। यही कारण है कि इथेनॉल मिश्रण को ऊर्जा नीति का हिस्सा बनाया गया है। इथेनॉल आधारित ईंधन के पक्ष में एक प्रमुख तर्क यह है कि इससे पारंपरिक पेट्रोल की तुलना में कुछ परिस्थितियों में उत्सर्जन कम करने में मदद मिल सकती है। गडकरी ने भी इथेनॉल के इस्तेमाल से प्रदूषण कम होने की बात कही है। लेकिन यहां भी वास्तविक लाभ का आकलन केवल वाहन के एग्जॉस्ट से निकलने वाले उत्सर्जन से नहीं होना चाहिए। इथेनॉल के उत्पादन, परिवहन, प्रसंस्करण और कृषि उत्पादन की पूरी प्रक्रिया को भी ध्यान में रखना आवश्यक है।

# पंजाब के विश्वविद्यालयों में तोडफोड़ क्यों?

उनका पहनावा, खान-पान, रहन-सहन और व्यक्तिगत जरूरतें अत्यंत सीमित थीं। एक साधारण धोती में उनका जीवन बिताना कोई दिखावा नहीं था। यह देश के गरीब और वंचित लोगों के साथ उनकी एकात्मता का प्रतीक था। वे श्रम की गरिमा में विश्वास करते थे और स्वयं भी शारीरिक श्रम करते थे। आज के उपभोक्तावादी दौर में गांधी का यह जीवन-दर्शन विशेष रूप से प्रासंगिक है। बाजार हमारी जरूरतों और इच्छाओं के बीच का अंतर लगातार मिटा रहा है।

**कुलदीप चंद अग्निहोत्री**
(लेखक)

अफवाह फैलाने के बाद उस पर उग आई फसल को कैसे काटना है, इसके लिए पूरा नेटवर्क चाहिए। यह काम नेटवर्क के बिना नहीं हो सकता। अफवाह फैलाने और उसके फैलने से बने स्पेस में तोडफोड़ के लिए छात्रों के रूप में जो लोग आए उनको पुलिस ने विश्वविद्यालय के अन्दर कैसे जाने दिया? ये सब ऐसे प्रश्न हैं जिनके उत्तर ढूंढने की बजाय उत्तर छिपाने की कोशिश हो रही है। जम्मू कश्मीर के एक लडके की उस दिन की एक पोस्ट सामने आ रही है, जिसमें सार रूप में वह कह रहा है सवाल इतना सरल नहीं है। असल मुद्दा ह्यसवाल पूछने के अधिकारह्ण का है। हमें सवाल पूछने नहीं दिए जा रहे। सवाल पूछने को प्रतिबन्धित किया जा रहा है। यह भाषा राहुल गान्धी की भी है। वह भी देश भर में यह कहते हुए घूम रहे हैं कि सवाल नहीं पूछने दिए जा रहे। वही छात्र कहता है कि इसीलिए गुस्से में आकर मैंने तोडफोड़ की है। लेकिन यहां तो मसला और भी उलझा हुआ है। जिस घटना पर सवाल पूछने की बात कही जा रही है, उस काल्पनिक घटना की अफवाह भी एक षड्यंत्र के तहत फैलाई गईङ्क पिछले कुछ दिन पहले पंजाब के दो प्राईवेट विश्वविद्यालयों में एक साथ भयानक हिंसा और तोडफोड़ हुई। अभी उसकी जांच चल रही है, इसलिए उसके बारे में अभी कुछ कहना मुश्किल है। लेकिन इस जांच का एक बिन्दु कई साल पहले की अरविन्द केजरीवाल की कार्यप्रणाली में जुड़ता दिखाई दे रहा है। अरविन्द केजरीवाल जिन दिनों दिल्ली के रामलीला मैदान में महाराष्ट्र के अन्ना हजारे को आगे करके अपनी भविष्य की राजनीति की रणनीति बना रहे थे तब कुछ लोग आरोप लगा रहे थे कि केजरीवाल अराजकता फैलाना चाह रहे हैं। इसका उत्तर केजरीवाल ने यह कह कर दिया था कि वे सचमुच अराजकता फैलाना चाह रहे हैं। उनको दिल्ली की सत्ता उनकी इसी रणनीति के कारण मिली थी, यकीनन केजरीवाल ऐसा मानते होंगे। अब पंजाब की ओर। पंजाब में केजरीवाल की पार्टी की सत्ता खतरे में है। ऐसा माना जा रहा है कि आगामी पंजाब विधानसभा के लिए होने वाले चुनाव के नतीजे चाहे कुछ भी हों, सरकार कोई भी हो, लेकिन केजरीवाल सत्ता से बाहर होंगे। वे अभी भी पंजाब की राजनीति में प्रासंगिक बने रहना चाहते हैं। प्रासंगिक होंगे तो दिल्ली में इंडी की मीटिंग में बैठने के लिए कुर्सी मिलेगी, नहीं तो वहां की कुर्सी भी छिन जाएगी। क्या प्रासंगिक बने रहने के लिए दिल्ली की तरह पंजाब में भी अराजकता का खेल खेलने की तैयारी हो रही है? क्या पंजाब के दो विश्वविद्यालयों में हुई हिंसा और अराजकता को इस पृष्ठभूमि में देखा जा सकता है? इससे जुड़ा एक दूसरा प्रश्न भी है। अराजकता के प्रयोग के लिए विश्वविद्यालयों का चयन ही क्यों किया गया, इसका एक सरल और सीधा उत्तर तो यही हो सकता है कि एक विश्वविद्यालय के मालिक आम आदमी पार्टी की ओर से राज्यसभा के सदस्य थे, लेकिन बाद में वे आम आदमी पार्टी की रस्सी तुड़ा कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे, इसलिए उन्हें सजा देना जरूरी था। यह सुकून की राजनीति है। लेकिन राजनीति केवल सुकून के लिए नहीं होती। सुकून उसका एक छोटा सा हिस्सा हो सकता है। यदि मान भी लिया जाए कि अशोक मित्तल की यूनिवर्सिटी का उत्पात केवल सुकून के लिए था, तब भी इस राजनीति के बड़े हिस्सों की भी आखिर तलाश तो करनी ही होगी। इस राजनीति का एक हिस्सा कहीं न कहीं जंतर मंतर पर काकरोचों के उत्पात से जुड़ता दिखाई तो नहीं दे रहा? किसी विश्वविद्यालय में यदि कहीं छात्र सडक पर उतरते हैं, तो वह विश्वविद्यालय चाहे किसी भी प्रान्त में न हो, अपने व्यापक सन्दर्भ में वह देश के छात्र आन्दोलन से जुड़ता है। छात्रों का सन्दर्भ क्षेत्रीय नहीं रहता, वह सदा ही अखिल भारतीय सन्दर्भों से जुड़ता है या जोड़ा जा सकता है। जब से काकरोच जंतर मंतर पर सक्रिय हुए हैं तब से यह चर्चा भी गर्म रहती है कि ये काकरोच तो लम्बे अरसे से अरविन्द केजरीवाल के आसपास घूमते देखे गए थे। हो न हो इन्हें नए रूप में केजरीवाल ने ही सही समय देखकर जंतर मंतर पर छोड़ दिया हो। सबसे बड़ी सफलता यह रही कि इन काकरोचों को देश की युवा पीढ़ी और विश्वविद्यालयों के छात्रों के साथ नत्थी कर दिया गया और इस प्रयोग से देश के शिक्षा मंत्री को इस्तीफा भी देना पड़ा। क्या पंजाब के दो विश्वविद्यालयों में हुआ उत्पात इसी प्रयोग का दूसरा हिस्सा है? कहा जा सकता है कि यह प्रयोग पंजाब में करने का क्या लाभ हो सकता है, क्योंकि पंजाब में तो पहले ही केजरीवाल का राज है। इससे तो केजरीवाल की सरकार को ही नुकसान हो सकता है। लेकिन हो सकता है उत्पात मचा रहे इन छात्रों को जल्दी ही जेन-जी घोषित कर दिया जाता और व्यापक सन्दर्भ में इसे देशव्यापी छात्र असंतोष से जोड़ दिया जाता। इसलिए इस पूरे प्रकरण की जांच बहुत लाजिमी है। निष्पक्ष जांच और भी जरूरी है। क्योंकि इस ह्यअराजकता कांडह्ण में पुलिस की भूमिका पर भी शक की उंगलियां उठ रही हैं। जिस बलात्कार की घटना को लेकर इतना बवाल खड़ा किया गया, अब वह कांड ही गायब है। कहा जा रहा है कि वह केवल अफवाह थी। जिस अफवाह को लेकर हिंसा का तांडव हुआ, उस अफवाह को फैलाया किसने? वह अकेला तो हो नहीं सकता। अफवाह फैलाने के बाद उस पर उग आई फसल को कैसे काटना है, इसके लिए पूरा नेटवर्क चाहिए। यह काम नेटवर्क के बिना नहीं हो सकता। अफवाह फैलाने और उसके फैलने से बने स्पेस में तोडफोड़ के लिए छात्रों के रूप में जो लोग आए उनको पुलिस ने विश्वविद्यालय के अन्दर कैसे जाने दिया? ये सब ऐसे प्रश्न हैं जिनके उत्तर ढूंढने की बजाय उत्तर छिपाने की कोशिश हो रही है। जम्मू कश्मीर के एक लडके की उस दिन की एक पोस्ट सामने आ रही है, जिसमें सार रूप में वह कह रहा है सवाल इतना सरल नहीं है। असल मुद्दा ह्यसवाल पूछने के अधिकारह्ण का है। हमें सवाल पूछने नहीं दिए जा रहे। सवाल पूछने को प्रतिबन्धित किया जा रहा है। यह भाषा राहुल गान्धी की भी है। वह भी देश भर में यह कहते हुए घूम रहे हैं कि सवाल नहीं पूछने दिए जा रहे।

## संक्षिप्त खबरें

### पानापुर में टूटा गंडक बांध, बाढ़ से मचा हड़कंप, सांसद ने लिया जायजा

छपरा कार्यालय। सारण में गंडक नदी का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है। पानापुर प्रखंड के वृत्त भगवानपुर के समीप गंडक नदी का बांध टूटने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। बांध टूटने के बाद बाढ़ का पानी तेजी से आसपास के गांवों में फैलने लगा, जिसके चलते लोगों के सामने सुरक्षित स्थानों की ओर जाने की मजबूरी खड़ी हो गई है। हालात की जानकारी मिलने के बाद महाराजगंज सांसद जनार्दन सिंह सिग्रीवाल मौके पर पहुंचे और बाढ़ प्रभावित इलाके का जायजा लिया। सांसद ने स्थानीय लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और प्रशासनिक अधिकारियों से राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने को कहा। सांसद ने अधिकारियों को प्रभावित लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, जरूरत पड़ने पर उन्हें सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने और बाढ़ की स्थिति पर लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए। वहीं, बांध टूटने के बाद बड़ी संख्या में लोग ऊंचे स्थानों की ओर जाने लगे हैं। दूसरी तरफ बाढ़ की स्थिति देखने के लिए भी मौके पर लोगों की भीड़ जुट रही है, जिसे देखते हुए प्रशासन लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने और अनावश्यक भीड़ नहीं लगाने की अपील कर रहा है। मौके पर सांसद प्रतिनिधि संजय सिंह, मुखिया सुशील कुमार सिंह, व्यवसायी ओम प्रकाश सिंह, लाल मोहन सिंह समेत कई स्थानीय लोग मौजूद रहे।

### दलित बस्ती में तरैया विधायक ने झाड़ू लगाकर दिया स्वच्छता का संदेश

इसुआपुर। गांधी जयंती के अवसर पर शुक्रवार को बिहार विधानसभा में याचिका समिति के सभापति सह तरैया विधायक जनक सिंह ने दलित बस्ती में झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने लोगों से अपने आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने तथा स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की अपील की। इस अवसर पर विधायक ने महात्मा गांधी के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में गांधीजी के योगदान, उनके विचारों और व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गांधीजी ने स्वच्छता, अहिंसा और सामाजिक समरसता को विशेष महत्व दिया था। उनके विचार आज भी समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। विधायक ने शास्त्री जी के सादगीपूर्ण जीवन, ईमानदारी और देशसेवा से जुड़े विचारों को याद करते हुए उनके आदर्शों को अपनाने की बात कही। मौके पर उप प्रमुख प्रतिनिधि डब्लू ओझा, मंडल अध्यक्ष सोनू राज सोनू, महेश पंडित, भोला सिंह, शंकर नट, सुरेंद्र नट, जग्गू नट सहित अन्य लोग मौजूद थे।

### जयंती पर श्रद्धा से याद किए गए महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री

जलालपुर। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में गुरुवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालयों में प्रार्थना सभा, प्रभात फेरी, भाषण, क्विज, वाद-विवाद तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। छात्र-छात्राओं ने दोनों महापुरुषों के जीवन, विचारों और देश के प्रति उनके योगदान को याद किया। उत्क्रमित मध्य विद्यालय मंगोलापुर मठिया में जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद क्विज प्रतियोगिता और वाद-विवाद प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मौके पर छात्रों को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रधानाध्यापक अखिलेश्वर पांडेय ने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह के सिद्धांत आज भी पूरी दुनिया के लिए प्रासंगिक हैं। उनके विचारों को अपने जीवन में अपनाकर समाज में शांति, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि लाल बहादुर शास्त्री सादगी, ईमानदारी और दृढ़ नेतृत्व के प्रतीक थे। उनका दिया नारा जय जवान, जय किसान आज भी देश के सैनिकों और किसानों के महत्व को रेखांकित करता है। प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय खोरीडीह, उत्क्रमित मध्य विद्यालय संवरी मठ, उत्क्रमित मध्य विद्यालय जलालपुर, उत्क्रमित मध्य विद्यालय चतरा, मध्य विद्यालय समहौता, उत्क्रमित मध्य विद्यालय भटवलिया, उत्क्रमित मध्य विद्यालय देवरिया, कन्या मध्य विद्यालय जलालपुर, बुनियादी विद्यालय रामपुर बूढ़नगर, मध्य विद्यालय अशोकनगर सहित अन्य विद्यालयों में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कई विद्यालयों में छात्र-छात्राओं ने प्रभात फेरी निकालकर लोगों को महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने का संदेश दिया।

# गांधी के सत्याग्रह और स्वच्छता के संदेश को आचरण में उतारने की जरूरत : डीएम

**गांधी जयंती पर समाहरणालय परिसर में डीएम ने दी श्रद्धांजलि**

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। गांधी जयंती के अवसर पर जिला समाहरणालय, सारण परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी, सारण वैभव श्रीवास्तव ने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा एवं सत्याग्रह के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। गांधी जी ने स्वच्छता को भी अपने जीवन एवं विचारों में विशेष महत्व दिया था। उन्होंने कहा कि गांधी जी के विचारों और आदर्शों को केवल स्मरण करने तक सीमित न रखते हुए उन्हें अपने आचरण एवं दैनिक जीवन में अपनाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में वरीय पुलिस अधीक्षक रोशन कुमार ने भी महात्मा गांधी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अपर समाहर्ता, वरीय उप समाहर्ता, नगर आयुक्त, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह, स्वच्छता एवं जनसेवा के आदर्शों को अपने जीवन एवं कार्यशैली में अपनाने का संकल्प लिया।

## महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती विश्वविद्यालय में श्रद्धापूर्वक मनायी गयी

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के सीनेट हॉल में शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धापूर्वक मनायी गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय ने की। कार्यक्रम के दौरान महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गयी। वक्ताओं ने दोनों महान विभूतियों के जीवन, आदर्शों एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को स्मरण किया तथा उनके विचारों की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कुलपति प्रो परमेंद्र कुमार बाजपेई ने कहा कि महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत है। हमें उनके आदर्शों को अपने व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन में अपनाने का प्रयास करना चाहिए। हम अपने जीवन में अहिंसा और सादगी के मार्ग का अनुसरण करने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि सत्य, अहिंसा, सादगी, ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा जैसे मूल्यों को आत्मसात करके ही हम एक बेहतर समाज और मजबूत राष्ट्र के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। वक्ताओं ने महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता एवं सामाजिक समरसता के संदेश तथा लाल बहादुर शास्त्री के सादगी, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को स्मरण करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रो. पी. के. बाजपेयी, प्रो. सरफराज अहमद, प्रो हरिश्चन्द, प्रो. यू. एस. ओझा, सांस्कृतिक सचिव, प्रो. के. पी. श्रीवास्तव, डॉ. धनंजय आजाद, डॉ. होसियार सिंह मुंड सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक, पदाधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के तत्वावधान में किया गया।

## बाढ़ से बढ़ी परेशानी, सामुदायिक किचन नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश

प्रात : किरण संवाददाता

परसा। प्रखंड क्षेत्र में बाढ़ का संकट लगातार गहराता जा रहा है। रेवाघाट और लगुनिया के पास बांध टूटने के बाद परसा प्रखंड की कई पंचायतों के दर्जनों गांव बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। बाढ़ का पानी तेजी से गांवों में फैलने के कारण ग्रामीणों के सामने भोजन, जलावन और सुरक्षित स्थान की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है।ग्रामीणों का आरोप है कि बाढ़ की स्थिति गंभीर होने के बावजूद प्रभावित इलाकों में सामुदायिक किचन और पर्याप्त राहत सामग्री की व्यवस्था नहीं की गई है। इससे बाढ़ पीड़ित परिवारों की परेशानी बढ़ती जा रही है और कई लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करने को मजबूर हैं।परसा प्रखंड क्षेत्र के अन्याय, गौरीगवां, बनौता, बथुई, माड़र, अंजनी सहित कई पंचायतों के दो दर्जन से अधिक गांवों में बाढ़ का पानी प्रवेश करने की बात सामने आ रही है। ग्रामीणों के अनुसार कई घरों में रसोई का सामान, राशन और जलावन तक खत्म हो चुका है। पानी से घिरे परिवार किसी तरह अपने भोजन का इंतजाम कर रहे हैं।

**छह फीट से अधिक पानी घुसने का दावा:** अन्याय पंचायत के अजय साह, राजेंद्र साह, वीरेंद्र साह, छोटू राय, भोला सिंह, जवाहर राय, जयनाथ राय, दशरथ साह, दरोगा राय, भरत सिंह, मनोहर साह, गोपाल साह, विजय कुमार, जगलाल राम, तेतरी देवी, अनीता देवी, उर्मिला देवी, सीता देवी, रजिया देवी सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि उनके घरों में करीब छह फीट से अधिक बाढ़ का पानी प्रवेश कर चुका है।ग्रामीणों का कहना है कि घरों में खाने-पीने का सामान समाप्त हो चुका है।

जलावन भी नहीं बचा है, जिससे खाना बनाना मुश्किल हो गया है। इसके बावजूद अब तक सामुदायिक किचन शुरू नहीं होने और राहत सामग्री नहीं मिलने से लोगों में आक्रोश है।

**अधिकारी से संपर्क नहीं होने का ग्रामीणों का आरोप:** ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि समस्या को लेकर अंचलाधिकारी से फोन पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन कई बार फोन नहीं उठाया गया। इससे बाढ़ पीड़ितों में नाराजगी और बढ़ गई है।ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल प्रभावित गांवों में सामुदायिक किचन शुरू कराने, भोजन एवं राशन उपलब्ध कराने, नाव की व्यवस्था करने तथा सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की मांग की है।

## बिहार प्रदेश जदयू द्वारा निर्देशित कार्यक्रम बीस साल बेमिसाल 'नीतीश जीविका संवाद' का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा शहर स्थित मिलन पैलेस, गुदरी बाजार, छपरा में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला महिला जदयू कुसुम देवी ने किया । कार्यक्रम के मुख्य वक्ता माननीय उपमुख्यमंत्री सह सारण के प्रभारी मंत्री श्री विजेन्द्र प्रसाद यादव ने अपने संबोधन में कहा कि आज से 20 साल पहले बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री रहे माननीय नीतीश कुमार ने जीविका समूह का गठन किया था जो जीविका का समूह धीरे-धीरे आज पूरे बिहार में लाखों लाख महिलाओं के बीच आजीविका का प्रमुख साधन बना है एवं समाज में महिलायें रोजगार उन्मुख बनकर अपने परिवार का भरण पोषण कर रही हैं एवं समाज में एक मिसाल कायम कर रही हैं बिहार सरकार द्वारा चलाए गए जीविका कार्यक्रम को पूरे भारत में धीरे-धीरे केंद्र सरकार द्वारा भी लागू किया जा रहा है जिसका परिणाम आज पूरे भारत में दिखाई दे रहा है। बैठक को संबोधित करते हुए माननीय विधायक मांझी रणधीर सिंह ने जीविका दीदीओं से अपील की कि वह बिहार के विकास में अपनी

महत्वपूर्ण भूमिका को बरकरार रखें एवं जीविका दीदी सरकार द्वारा चलाए जा रहे जनकल्याणकारी योजनाओं को खासकर महिलाओं के बीच में जाकर बताएं जिससे राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे हैं विकास उन्मुख कार्यों की जानकारी खासकर महिलाओं को प्राप्त हो सके अपने संबोधन में पूर्व विधान पार्षद सलीम परवेज ने जीविका दीदीओं के लिए माननीय नीतीश कुमार द्वारा किए गए कार्यों की चर्चा की अपने संबोधन में जिला जदयू अध्यक्ष बैद्यनाथ प्रसाद सिंह विकल ने जीविका दीदीयों को समाज में सरकार के योजनाओं को पहुंचाने के लिए आईना का रूप बताया इस बैठक में मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा, बालमुकुंद चौहान, प्रदेश उपाध्यक्ष जदयू सह कार्यक्रम प्रभारी किरण रंजन, प्रदेश सचिव महिला प्रकोष्ठ अर्चना कुमारी, नवल किशोर सिंह ह्लदादाह्व जिला प्रवक्ता ब्रजेश कुमार, मुख्यालय प्रभारी ई० प्रभाष शंकर, दिलीप ठाकुर वाल्मीकि पाठक, मनोज सिंह, ठाकुर अमर सिंह,अशोक सिंह,रवि प्रकाश ब्याहुत,गुड्डी जयसवाल , कुसुम रानी,बबीता मिश्रा, नीतू सिंह, ललिता सिंह, सुनीता देवी, पप्पू सिंह, गुड्डू राय, प्रभुनाथ कुशवाहा, शंभू मांझी ,धनवंती देवी, कंचन देवी ,शिव नारायण पटेल सहित काफी संख्या में जीविका दीदी एवं जदयू के कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

## लाल बहादुर शास्त्री एवं महात्मा गांधी की जयंती जयंती मनाई गई

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती कटहरी बाग स्थित भाजपा नगर कार्यालय पर मनाई गई तथा उन्हें सादर नमन किया गया और देश के प्रति उनके अतुलनीय योगदान को याद किया गया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता भाजपा के प्रधान प्रवक्ता अधिवक्ता प्रकाश रंजन नीकू ने कहा कि शास्त्री जी की सादगी ईमानदारी और दृढ़ इच्छा शक्ति के प्रति मूर्ति थे उन्होंने 1965 के युद्ध के समय जय जवान जय किसान का अमर नारा देकर देश के जवानों और किसानों में नया ऊर्जा का संचार किया था आज के दिन हम उनके विचारों को अपने

जीवन में उतारने का संकल्प लेते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में मुख्य रूप से अधिवक्ता प्रकाश रंजन नीकू नगर अध्यक्ष अनूप यादव सत्रोहन चौधरी वेद पाठक शालू मिश्रा मुन्ना कुमार विक्की श्रीवास्तव भारत गौरव विक्की शर्मा विशाल कुमार अशोक कुमार अजीत शर्मा जूली गुप्ता आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

## दुकान बंद कर घर लौट रहे स्वर्ण व्यवसायी भाइयों से 2900 रुपए लूटे

दरियापुर (सारण)। डेरनी थाना क्षेत्र के महेशिया बाजार में गुरुवार देर शाम अपराधियों ने फायरिंग कर स्वर्ण व्यवसायी दो भाइयों से करीब 2900 रुपए लूट लिए। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया। गोली की आवाज सुनकर ग्रामीण दौड़े तो अपराधी मौके से फरार हो गए। मिली जानकारी के अनुसार, महेशिया बाजार में दुकान बंद करने के बाद स्वर्ण व्यवसायी संजीव कुमार और सुमित कुमार बाइक से अपने गांव सूतीहार लौट रहे थे। बाजार से कुछ दूरी आगे बढ़ते ही अपराधियों ने उन्हें घेर लिया और अंधाधुंध फायरिंग करते हुए उनके पास मौजूद करीब 2900 रुपए छीन लिए। गोली की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े। लोगों को आते देख अपराधी मौके से भाग निकले। घटना के बाद दोनों भाइयों ने संयुक्त रूप से डेरनी थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।

## सहरसा रवाना हुई छपरा इप्टा की 31 सदस्यीय टीम 'द लास्ट क्राई' में गूंजेगी पर्यावरण की पुकार

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। बिहार इप्टा राज्यस्तरीय नाट्योत्सव सच का रंगमंच : रंगों और विचारों का उत्सवह्व में अपनी प्रस्तुति देने के लिए छपरा इप्टा की 31 सदस्यीय टीम शुक्रवार को वैशाली एक्सप्रेस से सहरसा के लिए रवाना हुई। 2 से 4 अक्टूबर तक आर्यावर्त वैली पाठशाला, जिला परिषद परिसर, सहरसा में आयोजित इस नाट्योत्सव में छपरा इप्टा 3 अक्टूबर को पर्यावरण केंद्रित नाटक द लास्ट क्राई प्रस्तुत करेगी।

सीपीएस के सहयोग से तैयार इस प्रस्तुति के लेखक, निर्देशक एवं रंग परिकल्पक डॉ० अमित रंजन हैं। टीम का नेतृत्व छपरा इप्टा के अध्यक्ष सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी कर रहे हैं, जबकि सचिव शैलेन्द्र कुमार शाही संयोजक की भूमिका में हैं। किशोर एवं युवा रंगकर्मियों से सजी टीम की यह प्रस्तुति पर्यावरण संकट, प्रकृति के साथ मनुष्य के बदलते रिश्ते और धरती की पीड़ा को रंगमंच के माध्यम से सामने रखेगी। द लास्ट क्राई में धरती की कराह, विकास की अंधी

दौड़ और पर्यावरणीय विनाश के बीच उठते सवालों को संवेदनशील और प्रभावशाली रंगभाषा में प्रस्तुत किया गया है।

नाटक की खासियत यह है कि इसमें बड़ी संख्या में किशोर रंगकर्मी रंगमंच पर पर्यावरण की आवाज को अभिव्यक्त करेंगे। छपरा से रवाना हुई टीम में समृद्धि श्रेया, समर प्रताप सिंह, प्रीति कुमारी, अनुभव सिंह, शगुन सिंह, आर्यन कुमार सिंह, स्मृति गौतम, रिया शर्मा, युवराज सिंह, विराट कुमार सिंह, राजन गुप्ता, श्रेया सिंह, अश्विनी सिंह, श्रुति कुमारी, गरिमा, आदित्य कुमार गुप्ता, आकृति कुमारी वर्मा, खुशी कुमारी, आराध्या सिंह, वंशिका, आयुष कुमार मान, कृष कुमार, जितेन्द्र कुमार, रुपाली मित्रा (शिक्षिका), शिवशंकर कुमार (शिक्षक), संजय कुमार, विनय कुमार, बबुआनन्द द्विवेदी, शैलेन्द्र कुमार शाही, डॉ० अमित रंजन और सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी शामिल हैं। सहरसा रवाना होने से पहले टीम के सदस्यों में नाट्योत्सव को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। टीम का कहना है कि द लास्ट क्राई केवल एक नाटक नहीं, बल्कि उस धरती की आवाज है जो लगातार बदलते पर्यावरणीय संकट के बीच इंसान से सवाल कर रही है।

## महिलाओं को झांसे में लेकर दो ठगों ने जेवर व रूपए लेकर हुए फरार

भेल्दी। स्थानीय थाने के रायपुरा गांव में गुरुवार को ब्राह्मण के वेश में आए दो बाइक सवार ठगों ने परिजनों को झांसे में लेकर घर से सोने की चेन व रूपए लेकर फरार हो गए। थाने में दिए गए आवेदन में भेल्दी थाने के रायपुरा गांव के रोहित कुमार दुबे ने कहा है कि वे गुरूवार को किसी काम से रेवा गए हुए थे इसी बीच उनके घर बाइक पर सवार होकर ब्राह्मण के वेश में दो युवक पहुंचें और उनके पिता जी से कहा कि हम हरिहर नाथ मंदिर सोनपुर से आए हैं वहां रूद्र महायज्ञ होने वाला है।आप भी महायज्ञ में आइएगा।आपके दूसरे पुत्र पर महासंकट है और वे भीषण दुर्घटना के शिकार होंगे।इतना सुनते ही परिजन घबरा गए। इसी बीच दोनों ठग घर के अंदर प्रवेश करने के बाद एक ताबीज दिए और सोने की चेन और ताबीज को तकिया के नीचे रखने को कहा। दूसरे ने घर के अंदर पूजा-पाठ करने लगे।इसी बीच एक ने घर के कमरे में घूसकर सोने की चेन और 14 सौ रूपए निकालकर अपने दूसरे साथी के साथ फरार हो गए।जब घर की महिलाएं तकिया हटाई तो देखा कि सोने की चेन व रूपए गायब हैं।

## बाढ़ की आपात स्थिति में जिला प्रशासन हर स्तर पर सजग एवं सक्रिय

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। सारण जिले में बाढ़ की आपात स्थिति के मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्यों को लेकर हर स्तर पर सतत निगरानी, सजगता एवं सक्रियता के साथ कार्य किया जा रहा है। बाढ़ प्रभावित आबादी के सुरक्षित निष्क्रमण से लेकर उनके आश्रय, भोजन, पेयजल, स्वास्थ्य एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी अपने-अपने दायित्वों का तत्परता से निर्वहन कर रहे हैं।

स्वास्थ्य सुविधाएं: बाढ़ प्रभावित एवं राहत शिविरों में रह रहे लोगों को समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए मेडिकल कैंप संचालित किए जा रहे हैं। चिकित्सा दलों द्वारा लोगों के स्वास्थ्य की नियमित जांच, आवश्यक दवाओं का वितरण तथा बीमार एवं जरूरतमंद लोगों को चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

राहत शिविरों में मूलभूत सुविधाएं : सुरक्षित स्थानों एवं राहत शिविरों में शरण लिए हुए प्रभावित परिवारों के लिए भोजन, पेयजल, प्रकाश, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।- सूखा राशन पैकेटिंग एवं वितरण: प्रभावित परिवारों तक आवश्यक खाद्य सामग्री पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सूखा राशन पैकेटिंग का कार्य लगातार कराया जा रहा है। आवश्यकता एवं प्राथमिकता के अनुरूप प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है।

पशुओं के लिए चिकित्सा एवं चारे की व्यवस्था: बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुधन की सुरक्षा एवं देखभाल के लिए पशु चिकित्सा शिविर संचालित किए जा रहे हैं। पशुओं के उपचार, आवश्यक दवाओं एवं पशु चारे की उपलब्धता

सुनिश्चित करने के साथ ही पशुपालकों को भी आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है।

अभियंत्रण एवं तकनीकी पदाधिकारियों की तैनाती: बाढ़ की स्थिति में तटबंधों, सड़कों, संपर्क पथों एवं अन्य महत्वपूर्ण संरचनाओं की सुरक्षा एवं निगरानी के लिए सभी संबंधित अभियंत्रण पदाधिकारी एवं कर्मी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में तत्परता से कार्य कर रहे हैं। संभावित समस्याओं एवं क्षति की सूचना प्राप्त होते ही त्वरित निरोधात्मक एवं मरम्मत संबंधी कार्रवाई की जा रही है।

निरंतर निगरानी एवं समन्वय: सभी संबंधित पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी बनाए रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा बाढ़ प्रभावित परिवारों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं आवश्यक सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी स्तरों पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन की पूरी टीम आपदा की इस चुनौतीपूर्ण स्थिति में प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

## बाढ़ में फंसी गर्भवती महिलाओं तक पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम, महिला का हुआ सुरक्षित प्रसव

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा। सारण में बाढ़ के पानी के बीच स्वास्थ्य विभाग की टीम लोगों तक जीवनरक्षक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में जुटी है। बाढ़ प्रभावित गांवों में जहां सड़क संपर्क बाधित है, वहां मेडिकल टीम नाव और एंबुलेंस के माध्यम से गर्भवती महिलाओं तक पहुंच रही है। इसी अभियान के दौरान जिले में चार गर्भवती महिलाओं का सुरक्षित प्रसव कराया गया, जबकि कई अन्य गर्भवती महिलाओं को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों और स्वास्थ्य केंद्रों तक पहुंचाया गया। मकेर प्रखंड के फुलवरिया क्षेत्र में बाढ़ के बीच फंसी एक गर्भवती महिला को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रेस्क्यू किया। महिला को एंबुलेंस के माध्यम से गरखा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकीय देखरेख में उसका सुरक्षित प्रसव कराया गया। फुलवरिया निवासी मुस्लिम अली की पत्नी तजम्मूल खातून को समय रहते अस्पताल पहुंचाने में स्वास्थ्य विभाग की टीम की सक्रियता महत्वपूर्ण रही। एसडीआरएफ-एनडीआरएफ की मदद से तीन गर्भवती महिलाओं का रेस्क्यू: मकेर प्रखंड के विक्रम केतुका गांव में भी तीन गर्भवती महिलाएं बाढ़ के पानी के बीच फंसी थीं। स्वास्थ्य विभाग की मेडिकल टीम ने

एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के सहयोग से नाव के जरिए प्रभावित क्षेत्र में पहुंचकर तीनों महिलाओं को रेस्क्यू किया और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। बाढ़ के कारण प्रभावित गांवों में आवागमन की चुनौती के बावजूद टीम लगातार जरूरतमंद मरीजों और गर्भवती महिलाओं तक पहुंच बना रही है। पानापुर में तीन गर्भवती महिलाओं का सुरक्षित प्रसव: पानापुर प्रखंड में भी स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र से तीन गर्भवती महिलाओं को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकीय निगरानी में उनका सुरक्षित प्रसव कराया गया। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार बाढ़ प्रभावित इलाकों में गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और गंभीर मरीजों को प्राथमिकता के आधार पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। बाढ़ प्रभावित प्रखंडों में मेडिकल टीमें तैनात: सारण के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार सक्रिय रखने के लिए अलग-अलग प्रखंडों में मेडिकल टीमों की तैनाती की गई है।

## सारण के हरेश कुमार की कोचिंग में चमका भारत एशियन गेम्स में गोल्ड के साथ ओलंपिक कोटा

प्रात : किरण संवाददाताा

छपरा नगर। सारण के छोटे से गांव कोडराव से निकलकर अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजी के मंच तक अपनी पहचान बनाने वाले हरेश कुमार की उपलब्धियों में एक और गौरवपूर्ण अध्याय जुड़ गया है जापान के आइची- नागोया में आयोजित 20वें एशियन गेम्स में भारतीय तीरंदाजी टीम के साथ जुड़े हरेश कुमार के मार्गदर्शन में भारतीय तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन किया है। कंपाउंड मिक्स्ड टीम स्पर्धा में चिकिथा तनिपार्थी और साहिल राजेश जाधव की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीतकर भारत के लिए लॉस एंजिल्स- 2028 ओलंपिक का पहला कोटा भी सुनिश्चित कर दिया है। सारण जिले के मशरक प्रखंड अंतर्गत कोडराव गांव निवासी हरेश कुमार वर्तमान में भारतीय तीरंदाजी से जुड़े वरिष्ठ प्रशिक्षक हैं और एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष टीम के कोच की भूमिका में हैं। लगभग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय तीरंदाजों को तैयार करने के लंबे अनुभव के कारण उनकी पहचान देश के महत्वपूर्ण तीरंदाजी प्रशिक्षकों में बनी है। सारण के लिए यह उपलब्धि

इसलिए खास है कि जिले की मिट्टी से निकला एक प्रशिक्षक अब भारतीय तीरंदाजी के अंतरराष्ट्रीय अभियान का हिस्सा बनकर देश के खिलाड़ियों को एशियाई मंच पर सफलता दिलाने में योगदान दे रहा है। हरेश कुमार की यह यात्रा ग्रामीण बिहार से अंतरराष्ट्रीय खेल जगत तक प्रतिभा और प्रशिक्षण की संभावनाओं की कहानी भी बयां करती है।

## रसूलपुर ओम क्लासेज मैथमेटिक्स के निदेशक अनूप और शिक्षक रामेश्वर गोप हुए सम्मानित

प्रात : किरण संवाददाता

रसूलपुर। स्थानीय चट्टी पर शुक्रवार को राजेंद्र स्मारक परिसर में केक काट महात्मा गांधी व लालबहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई।महात्मा गांधी पुस्तकालय रसूलपुर के संचालक व सारण जिला अधिवक्ता संघ के महामंत्री शशिभूषण त्रिपाठी के नेतृत्व में आयोजित समारोह में मुखिया पति व प्रतिनिधि मिथिलेश प्रसाद को बहुप्रतीक्षित जर्जर महेंद्रनाथ हाल्ट स्टेशन रोड निर्माण के लिए सम्मानित किया गया। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए सेवानिवृत्त शिक्षक लाकठ छपरा गांव निवासी राजनाथ सिंह, ओम क्लासेज मैथमेटिक्स के निदेशक और संघर्ष शील युवक अनूप कुमार दूबे ,व विशिष्ट शिक्षक रामेश्वर गोप को सम्मानित किया गया।मौके पर

सरपंच प्रतिनिधि विकास कुमार, संगीत शिक्षिका सोनम रानी ,स्वास्थ्य कर्मी पप्पू तिवारी, ऋषिदेव प्रसाद,निकेश सिंह आदि मौजूद रहे। अपने अपने संबोधन में वक्ताओं ने महात्मा गांधी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। लोकगायक व शिक्षक रामेश्वर ने मोरे चरखा के टूटे ना तार चरखवा चालू रहे गीत की प्रस्तुति की वहीं बाल कलाकार रीतिक कुमार ने अपनी आजादी को हम हरगिज मिटा सकते नहीं देशभक्ति गीत की प्रस्तुति देकर लोगों को भाव विभोर कर दिया।

## गांधी-शास्त्री जयंती पर अभाविप का स्वच्छता अभियान, राजेंद्र कॉलेज में प्रतिमा की सफाई और पौधारोपण किया

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा सदर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं द्वारा 2 अक्टूबर को राजेंद्र कॉलेज, छपरा में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के अंतर्गत देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की प्रतिमा की साफ-सफाई कर उसे जल से धोया गया तथा माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इसके साथ ही राजेंद्र उद्यान एवं कॉलेज परिसर में व्यापक साफ-सफाई कर स्वच्छता, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व

का संदेश दिया गया। नगर उपाध्यक्ष डॉ नीतू सिंह और डॉ प्रत्यूष सिंह ने कहा कि महापुरुषों की जयंती मनाने का वास्तविक उद्देश्य उनके विचारों और आदर्शों को अपने आचरण में उतारना है। महात्मा गांधी ने स्वच्छता को जीवन का अभिन्न अंग माना, वहीं लाल बहादुर शास्त्री जी का सादगी, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रसेवा का जीवन आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। ऐसे अवसरों पर सार्वजनिक स्थलों की सफाई कर विद्यार्थी परिषद ने समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का परिचय दिया। कार्यक्रम में शिक्षकगण, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विद्यार्थी परिषद के कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

# सूडी समाज की हुंकार: विद्यापति भवन में राष्ट्रीय महासभा का आयोजन, अति पिछड़ा वर्ग (बीसी-1) में शामिल करने की गूंजी मांग

प्रात: किरण संवाददाता

आरा/पटना। राजधानी के विद्यापति भवन में राष्ट्रीय सूडी महासभा का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बिहार के कोने-कोने से सूडी समाज के हजारों लोगों ने शिरकत कर अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुमन महासेठ ने की। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा बिहार प्रदेश अध्यक्ष श्री संजय सरावगी शामिल हुए। अपने संबोधन में उन्होंने समाज की एकजुटता की सराहना करते हुए कहा, मैं आप सभी की न्यायसंगत मांगों और आवाज को सरकार तक पूरी मजबूती से पहुंचाने का काम करूंगा। समाज इसी तरह संगठित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व राज्यपाल गंगा बाबू, ढाका के पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री पवन जायसवाल, विधायक संजीव चौरसिया तथा आरा की मेयर इंदु देवी उपस्थित रहीं। उप मुख्यमंत्री से उठाई अति पिछड़ा वर्ग में शामिल करने की मांग महासभा के मंच से सूडी समाज को अति पिछड़ा वर्ग (एड्) में शामिल करने की पुरजोर मांग उठाई गई और इस संबंध में बिहार सरकार के उप मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी से ठोस कदम उठाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के सह-संयोजक आलोक अंजन ने समाज की वास्तविक स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा, सूडी समाज के अधिकांश लोग कठिन परिश्रम कर छोटे-मोटे व्यवसाय से अपना जीवनयापन करते हैं। अति पिछड़ा वर्ग में शामिल न होने के कारण समाज के गरीब व जरूरतमंद परिवारों को सरकारी सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। यदि सरकार सूडी समाज को एड्ड श्रेणी में शामिल करती है, तो हमारे गरीब बच्चों को शिक्षा, सरकारी नौकरियों और कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा, जिससे उनका भविष्य उज्ज्वल होगा। प्रतिभाओं का सम्मान और सामाजिक उत्थान का संकल्प इस अवसर पर समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली हस्तियों तथा प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। महासभा में उपस्थित सभी लोगों ने शिक्षा के प्रसार और आपसी एकजुटता के माध्यम से समाज के समग्र उत्थान का संकल्प लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक प्रह्लाद पूर्वे, सह-संयोजक आलोक अंजन, दिगंबर मंडल, अनिल वैद, सुनील नायक, कोषाध्यक्ष अजय महतो, कार्यालय प्रभारी राजेश कुमार तथा मीडिया प्रभारी अभय आर्या सहित समाज के अनेक गणमान्य लोगों की प्रमुख भूमिका रही।

# कोइलवर थाने में चाइल्ड हेल्प डेस्क का शुभारंभ

प्रात: किरण संवाददाता

कोइलवर (भोजपुर)। बच्चों की सुरक्षा को और मजबूत करने तथा किसी भी आपात स्थिति में उन्हें तत्काल पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुक्रवार को कोइलवर थाने में चाइल्ड हेल्प डेस्क की विधिवत शुरुआत की गई। डीएसपी सदर-2 रंजीत कुमार सिंह ने फीता काटकर हेल्प डेस्क का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में कोइलवर कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की छात्राओं ने भी भाग लिया उद्घाटन के बाद डीएसपी रंजीत कुमार सिंह ने कहा कि बिहार सरकार के निर्देश पर शुक्रवार से पूरे राज्य के थानों में चाइल्ड हेल्प डेस्क की शुरुआत की जा रही है। इसी कड़ी में कोइलवर थाने में भी इसकी शुरुआत की गई है। इसका उद्देश्य बच्चों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ-साथ उनकी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनना और जरूरत पड़ने पर तत्काल सहायता पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि कोइलवर थाने की एसआई कुमारी नेहा को चाइल्ड हेल्प डेस्क का प्रभारी पदाधिकारी बनाया गया है। बच्चों से संबंधित किसी भी शिकायत या परेशानी पर हेल्प डेस्क के माध्यम से आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। संदिग्ध गतिविधि दिखे तो 1098 पर करें सूचना डीएसपी ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा को लेकर टोल फ्री नंबर 1098 जारी किया गया है। स्कूल आने-जाने के दौरान अथवा किसी अन्य स्थान पर यदि छात्र-छात्राओं को कोई संदिग्ध व्यक्ति, गतिविधि या किसी प्रकार का खतरा महसूस होता है, तो वे बिना किसी डर के तत्काल 1098 पर सूचना दे सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सूचना देने के लिए बच्चों को किसी आवेदन या सबूत के साथ थाने पहुंचना जरूरी नहीं है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की गंभीरता से जांच करेगी और आवश्यक कार्रवाई करेगी। डीएसपी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों को अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक रहना चाहिए। किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा करने, परेशानी को छिपाने या डरकर चुप रहने के बजाय तत्काल अपने अभिभावक, शिक्षक अथवा पुलिस को इसकी जानकारी देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस बच्चों की शिकायतों को संवेदनशीलता के साथ सुनेगी और उनकी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। कार्यक्रम के दौरान पुलिस पदाधिकारियों ने छात्राओं को चाइल्ड हेल्प डेस्क के उद्देश्य, कार्यप्रणाली और हेल्पलाइन नंबर 1098 के इस्तेमाल के बारे में जानकारी दी। छात्राओं को यह भी बताया गया कि किसी भी संकट की स्थिति में मदद मांगने में संकोच नहीं करना चाहिए। कार्यक्रम में कोइलवर थानाध्यक्ष सुशांत कुमार मंडल, पर्यवेक्षी पदाधिकारी दीपक कुमार साह, एसआई जेके तिवारी, एसआई कुमारी नेहा समेत कई पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे।

## संक्षिप्त खबरें

### कोइलवर में चोरी की बाइक के साथ युवक गिरफ्तार

कोइलवर। भोजपुर जिले के कोइलवर थाने की पुलिस ने वाहन जांच के दौरान चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान छपरा जिले के डोरीगंज थाना क्षेत्र के रायपुर बिंदगाम गांव निवासी स्व. सुरेंद्र राय के पुत्र सचिन कुमार के रूप में हुई है। कोइलवर थानाध्यक्ष सुशांत कुमार मंडल ने बताया कि थाना क्षेत्र में पुलिस द्वारा वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान संदिग्ध स्थिति में एक मोटरसाइकिल सवार को रोककर वाहन के कागजात की जांच की गई। जांच के दौरान मोटरसाइकिल के चोरी की होने की जानकारी सामने आई। इसके बाद पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार युवक से पूछताछ की जा रही है। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

### लिफ्ट-एस्केलेटर से जल निकासी तक: आरा जंक्शन की यात्री सुविधाओं को लेकर 12 सूत्री मांग

आरा आरा जंक्शन पर यात्री सुविधाओं में सुधार को लेकर शुक्रवार को हुआ आरा जंक्शन रेलयात्री सुविधा समिति के बैनर तले बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता समिति के संस्थापक अध्यक्ष पत्रकार डॉ. भीम सिंह भवेश ने की। बैठक में स्टेशन की यात्री सुविधाओं के नियमित अनुश्रवण और समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर चर्चा हुई।समिति ने प्लेटफॉर्म नंबर चार पर निर्माणाधीन एस्केलेटर और लिफ्ट को एक सप्ताह के भीतर चालू करने, प्लेटफॉर्मों पर सफाई कर्मियों की पारदर्शी उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा साइनेज, स्क्रबर और वाकिंग मशीन की नियमित मॉनिटरिंग की मांग की। प्लेटफॉर्मों पर उभरे गड्ढों को भरने, पुराने शेड की मरम्मत और नए शेड का विस्तार करने पर भी जोर दिया गया बैठक में प्लेटफॉर्म नंबर दो और तीन पर जलापूर्ति व शौचालय की सुविधा, पे-एंड-यूज शौचालय में यूरिनल की मुफ्त सुविधा, एस्केलेटर अथवा लिफ्ट बंद होने का कारण इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले बोर्ड पर प्रदर्शित करने तथा स्टेशन परिसर में बेहतर जल निकासी व्यवस्था की मांग उठी। सकुर्लेटिंग एरिया में कचरा, जल और मूत्र बहाव रोकने तथा अवैध जानवरों और वेंडरों पर कार्रवाई की मांग भी की गई।समिति ने राजधानी, पटना-इंदौर और सीमांचल एक्सप्रेस के ठहराव, उत्तरी से दक्षिणी छोर के लिए फुट ओवरब्रिज, प्लेटफॉर्म ऊंचा करने और असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई की मांग दोहराई। डॉ. भवेश ने बताया कि अभियान के तहत महाप्रबंधक, हाजीपुर से मुलाकात हो चुकी है। त्वरित कार्रवाई के आश्वासन के बाद जनसहयोग से गड्ढे भरने का कार्यक्रम फिलहाल स्थगित कर बैठक की गई।

### बड़हरा पुलिस ने मारपीट व जानलेवा हमले के मामले में दो आरोपितों को किया गिरफ्तार

बड़हरा (भोजपुर)। बड़हरा थाना पुलिस ने आपराधिक मामलों में कार्रवाई करते हुए मारपीट एवं जानलेवा हमले से जुड़े एक मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान आलेखी टोला गांव निवासी संजय राय, पिता हरे राम राय तथा संतोष कुमार, पिता हरे राम यादव के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, इस संबंध में बड़हरा थाना कांड संख्या 224/26, दिनांक 1 अक्टूबर 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 126(2), 115(2), 109(1), 352, 351(2) एवं 3(5) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने दोनों आरोपितों को विधिवत गिरफ्तार कर लिया है। दर्ज धाराओं में गलत तरीके से रोकने, स्वेच्छा से चोट पहुंचाने, हत्या के प्रयास, शांति भंग करने के उद्देश्य से जानबूझकर अपमान करने, आपराधिक धमकी देने तथा सामान्य आशय से सामूहिक रूप से अपराध करने से संबंधित प्रावधान शामिल हैं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

# सत्य और अहिंसा के संदेश के साथ सहार में गांधी जयंती की गूंज

प्रात: किरण संवाददाता

सहार - राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती एवं अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर गुरुवार को सहार प्रखंड क्षेत्र के विद्यालयों, सरकारी कार्यालयों तथा विभिन्न संस्थानों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। पूरे क्षेत्र में गांधीजी के सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के संदेश की गूंज सुनाई दी। सभी विध्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों की शुरूआत महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।इस दौरान शिक्षकों, पदाधिकारियों, कर्मियों एवं छात्र-छात्राओं ने गांधीजी के आदर्शों को याद करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। विभिन्न विद्यालयों में आयोजित सभाओं में गांधीजी के जीवन, स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान तथा सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में गांधीजी के विचार पहले से अधिक प्रासंगिक हैं। समाज में शांति, सद्भाव और भाईचारे की स्थापना के लिए अहिंसा का मार्ग ही सबसे प्रभावी माध्यम है। छात्रों ने भाषण, कविता पाठ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए गांधीजी के व्यक्तित्व और कृतित्व को प्रस्तुत किया। कार्यक्रमों के अंत में उपस्थित लोगों ने स्वच्छता, सामाजिक सद्भाव और अहिंसा के मूल्यों को अपने दैनिक जीवन में अपनाने तथा समाज में शांति और भाईचारे को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

# आरा में नीतीश संवाद का मंच, जीविका के 20 साल पर दिखी महिला शक्ति की झलक

प्रात: किरण संवाददाता

आरा जीविका के 20 वर्ष पूरे होने के अवसर पर शुक्रवार को चंदवा स्थित ग्रीन हैवन रिजॉर्ट में ह्यनीतीश संवाद-जीविका का 20 साल बेमिसालह्व कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला जदयू की जिला अध्यक्ष पुष्पा सिंह कुशवाहा ने की। आयोजन में योजना एवं विकास मंत्री भगवान सिंह कुशवाहा की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। मुख्य अतिथि जदयू बिहार की कार्यालय प्रभारी एवं पूर्व प्रवक्ता अंजुम आरा थीं।कार्यक्रम में जीविका के दो दशक के सफर, महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक भागीदारी पर चर्चा हुई। पुष्पा सिंह कुशवाहा ने कहा कि 2 अक्टूबर 2006 को शुरू हुआ जीविका कार्यक्रम आज ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बदलाव का माध्यम बना है। उन्होंने कहा कि जीविका दीदियों ने एकजुट होकर सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है। अंजुम आरा ने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण शिक्षा, रोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता से जुड़ा है। उन्होंने जीविका को सरकारी कार्यक्रम से व्यापक सामाजिक बदलाव का माध्यम बनने वाला प्रयास बताया। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं के कृषि, सिलाई-कढ़ाई, छोटे व्यवसाय और अन्य गतिविधियों से जुड़ने का उल्लेख किया।संदेश विधायक राधाचरण साह ने जीविका दीदियों को बधाई देते हुए महिलाओं की भागीदारी की सराहना की। कार्यक्रम में सविता नटराजन, अरुणा देवी, पूर्व एमएलसी अजय सिंह, पूर्व विधायक प्रभुनाथ राम सहित जदयू के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में जीविका दीदियां मौजूद रहीं।

# एड्स के खिलाफ जागरूकता की मुहिम, धरहरा में एनएसएस ने निकाली रैली

आरा गांधी जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर एस.बी. कॉलेज, आरा की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई-1 की ओर से धरहरा गांव में एड्स जागरूकता अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व एनएसएस इकाई-1 की कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रीना देवी ने किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. महेंद्र सिंह ने ग्रामीणों को एचआईवी/एड्स के संक्रमण के प्रमुख माध्यमों, बचाव के उपायों तथा स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सही जानकारी और जागरूकता के माध्यम से एचआईवी/एड्स से बचाव के प्रति लोगों को सजग किया जा सकता है। अभियान के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों और ग्रामीणों की सहभागिता से जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्वयंसेवकों ने विभिन्न जागरूकता संदेशों के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य एवं सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक किया।इस अवसर पर महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। उपस्थित लोगों ने गांधी जी के सत्य, अहिंसा व स्वच्छता तथा शास्त्री जी के सादगी, अनुशासन और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को स्मरण किया।कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक विद्या निवास ने किया। आयोजन में सुधांशु कुमार का विशेष योगदान रहा। मौके पर सुधांशु कुमार, विद्या निवास, युवराज कुमार, अमित कुमार, विकास कुमार, शिवम कुमार एवं सुमंत शर्मा, आदित्य सहित अन्य स्वयंसेवक और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

# धनडीहा में छापेमारी, 113.28 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

कोईलवर। भोजपुर जिले के कोइलवर थाना क्षेत्र के धनडीहा गांव में पुलिस ने छापेमारी कर भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब बरामद की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 113.28 लीटर शराब के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान धनडीहा निवासी राजू शर्मा के रूप में हुई है।कोइलवर थानाध्यक्ष सुशांत कुमार मंडल ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि धनडीहा गांव में एक घर के समीप शराब छिपाकर रखी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर छापेमारी की। तलाशी के दौरान अलग-अलग ब्रांड की शराब बरामद की गई और मौके से कारोबारी को भी गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस के अनुसार जब्त शराब में रोयल स्टेज की 750 एमएल की 20 बोतल, ब्लेंडर्स प्राइड की चार बोतल, 75 पीस बीयर, आफ्टर डार्क की 180 एमएल की 41 बोतल तथा 8 पीएम अंग्रेजी शराब की 280 बोतल शामिल हैं।थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित के विरुद्ध मद्य निषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

# गांधी-शास्त्री जयंती पर गूंजा राष्ट्रभक्ति का जयघोष, वीर कुंवर सिंह पार्क में रोपे गए पौधे

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर शुक्रवार को रमना मैदान स्थित वीर कुंवर सिंह पार्क देशभक्ति के नारों से गूंज उठा। भोजपुर जिला प्रशासन, भोजपुर वन प्रमंडल एवं वीर कुंवर सिंह स्मारक समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में महापुरुषों के योगदान को याद करते हुए पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।समारोह की शुरूआत महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की तस्वीर पर आरती, पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण के साथ हुई। इसके बाद अतिथियों ने वीर कुंवर सिंह की विशाल अश्वारोही प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वीर सपूत को नमन किया। मुख्य अतिथि डीडीसी अरुण प्रकाश, सदर एसडीपीओ सुशील कुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रद्युम्न गौरव और सदर एसडीओ अंशु कुमारी ने कहा कि गांधी, शास्त्री और वीर कुंवर सिंह का संघर्ष, त्याग और देश के प्रति समर्पण आज भी समाज को प्रेरणा देता है। उनके योगदान को देश कभी भुला नहीं सकता। समारोह के दौरान वीर सपूतों की जय-जयकार से पूरा पार्क परिसर राष्ट्रभक्ति के भाव से सराबोर रहा। अध्यक्षता समिति अध्यक्ष राणा प्रताप सिंह ने की।संचालन सचिव डी. राजन ने किया। मौके पर नाथुराम, मनोज कुमार सिंह, पप्पू सिन्हा, रजनीकांत सिन्हा उर्फ प्रिंस, अधिवक्ता प्रिया कंचन, प्रो. दिनेश प्रसाद सिन्हा, आदित्य विजय जैन, अजय लाल और अमरेश कुमार सिन्हा उर्फ बाला समेत बड़ी संख्या में सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। धन्यवाद ज्ञापन मनोज कुमार सिंह ने किया।

# तरारी विधायक विशाल प्रशांत का सहार चेक पोस्ट पर समर्थकों ने किया स्वागत

प्रात: किरण संवाददाता

सहार, भोजपुर। तरारी विधानसभा क्षेत्र के विधायक विशाल प्रशांत अपने विधानसभा क्षेत्र की ओर जा रहे थे। इसी दौरान सहार चेक पोस्ट के पास उनके समर्थकों और चाहने वालों ने वाहन रुकवाकर उनका स्वागत किया। समर्थकों ने विधायक विशाल प्रशांत को फूल-मालाओं से सम्मानित किया।इस दौरान समर्थकों ने विधायक को फूलमाला पहनाकर उनका अभिनंदन किया और उन्हें सम्मानपूर्वक अपने विधानसभा क्षेत्र की ओर रवाना किया। स्वागत के दौरान समर्थकों में उत्साह देखने को मिला।विधायक विशाल प्रशांत के स्वागत करने वालों में प्रशांत कुमार, अक्षय कुमार, आदित्य मिश्रा, प्रदीप कुमार गुप्ता, गोविंद कुमार गुप्ता, गोपाल राय, नीरज राय, मुरारी राय मुकुंदन बाबा समेत अन्य समर्थक मौजूद रहे। समर्थकों ने कहा कि विधायक के क्षेत्र से गुजरने की जानकारी मिलने पर सभी ने सहार चेक पोस्ट पर पहुंचकर उनका स्वागत किया।

# वरिष्ठ नागरिक समाज की अमूल्य धरोहर : लायंस क्लब

आरा। लायंस क्लब ऑफ आरा अपूर्व की ओर से बुधवार को विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर स्थानीय डॉक्टर लाल क्लिनिक में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लब की अध्यक्ष लायन डॉ. लतिका प्रकाश ने की। इस दौरान समाज में उल्लेखनीय योगदान देने वाले वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया गया।वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के प्रथम छात्र कल्याण अध्यक्ष एवं जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा के पूर्व कुलपति प्रो. डॉ. दुर्गविजय सिंह तथा यूको बैंक, आरा के वरिष्ठ अधिकारी निर्मल कुमार को शॉल, मोमेंटो, माला एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा विभिन्न सामाजिक क्लबों से जुड़े वरिष्ठ नागरिकों को भी सम्मानित किया गया।लायन मुकुल विकास श्रीवास्तव, लायन मृत्युंजय कुमार सिन्हा एवं लायन अमित सुमन ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव और जीवन संघर्ष नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। अध्यक्ष डॉ. लतिका प्रकाश ने कहा कि वरिष्ठ अवस्था जीवन का अंत नहीं, बल्कि अनुभव साझा करने और समाज से सक्रिय रूप से जुड़े रहने का अवसर है। वरिष्ठ नागरिकों को सम्मान, अपनापन, संवाद और सहभागिता मिलनी चाहिए।कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन लायन विनीता सिंह ने किया। मौके पर संयोजक लायन संतोष सहाय, संयुक्त सचिव डॉ. रश्मि गुप्ता, कोषाध्यक्ष पूनम कुमारी, रोहित तिवारी, रणबीर कुमार समेत क्लब के सदस्य मौजूद रहे।

# जितिया को लेकर सहार बाजार में उमड़ी भीड़, दुकानों पर खरीदारी के लिए जुटे लोग

प्रात: किरण संवाददाता

सहार, संवाददाता। जितिया पर्व को लेकर शुक्रवार को सहार बाजार में काफी चहल-पहल देखने को मिली। पर्व को लेकर बाजार में खरीदारी करने के लिए महिलाओं और श्रद्धालुओं की भीड़ विभिन्न दुकानों पर जुटी रही। जितिया व्रत से संबंधित सामान की खरीदारी के लिए दुकानदारों के पास दिनभर ग्राहकों की आवाजाही बनी रही।सहार बाजार के लगभग सभी प्रमुख दुकानों पर लोगों की भीड़ दिखाई दी।दुकानदार भी ग्राहकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए खरीदारी में व्यस्त नजर आए। पर्व को लेकर बाजार में उत्साह का माहौल बना हुआ है। दुकानदारों ने बताया कि जितिया पर्व को लेकर इस बार भी लोगों में काफी उत्साह है और सुबह से ही ग्राहक खरीदारी के लिए पहुंच रहे हैं। जितिया पर्व को लेकर बाजार में बढ़ी भीड़ से दुकानदारों के चेहरे पर भी रौनक देखने को मिली। बाजार में दिनभर चहल-पहल बनी रही।

# अंधारी सूर्यमंदिर पर किया गया स्वच्छता कार्यक्रम

मेरा युवा भारत भोजपुर के तत्वाधान में संचालित सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत संघर्ष सेवा समिति के द्वारा अंधारी ग्राम के प्राचीन सूर्यमंदिर परिसर में स्वच्छता एवं श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमे मंदिर की साफ सफाई कर स्वच्छता जागरूकता हेतु संदेश देकर लोगो को जागरूक किया गया। वही सूर्य मंदिर की साफ सफाई में स्थानीय पंचायत समिति सदस्य रविरंजन सिंह सम्मिलित होकर स्वच्छता के लिए लोगो को प्रेरित किया। सफाई कार्य के उपरांत सम्मिलित सभी युवाओं ने स्वच्छता शपथ ग्रहण भी लिया। सभी युवाओं को स्वच्छता कार्य को बढ़ावा देने के लिए एक टीशर्ट एवं टोपी के साथ मास्क और गल्प्स देकर इस कार्यक्रम में शामिल किया गया। संघर्ष सेवा समिति के अध्यक्ष चंदन कुमार चांद ने कहा कि स्वच्छता हमारी जिम्मेवारी है और गंदगी हमारी बीमारी है। स्वास्थ्य को संतुलित रखने के लिए स्वच्छता और श्रमदान नित्यदिन आवश्यकता है। समिति सदस्य रविरंजन सिंह ने कहे कि अगर हम अपने रहने वाले स्थान को स्वच्छ रखते है तो निश्चित हीं हम उत्पन्न होने वाली बीमारियों से दूर रहेंगे। श्रमदान से शारीरिक विकार भी बाहर निकल जाते हैं। उक्त कार्यक्रम में सचिव सुजीत कुमार कोषाध्यक्ष नवीन कुमार सदस्य चितरंजन कुमार, दीपक कुमार, सुरेंद्र सिंह, पंकज सिंह, विकाश पांडे, सुधीर पांडे, मंजीत सिंह, गुड्डु राय, धीरज कुमार, रविन्द्र शर्मा, भानु सिंह, निलेश कुमार, आकाश कुमार, बैजू सिंह, सनी कुमार, राजा कुमार, मुकेश कुमार सम्मलित रहे।

# झाड़ू लेकर प्लेटफॉर्म पर उतरे अधिकारी आरा जंक्शन से गूंजा स्वच्छता का संदेश

प्रात: किरण संवाददाता

आरा गांधी जयंती के अवसर पर गुरुवार को आरा जंक्शन पर ह्यस्वच्छता ही सेवा-2026ह्व एवं ह्यस्वच्छता पखवाड़ा 2026ह्व के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया।अभियान का नेतृत्वे फ्व्रउउ सदस्य गोविंद प्रताप सिंह ने किया। इस दौरान रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों और सामाजिक कार्यकताओं ने प्लेटफॉर्म पर झाड़ू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया।अभियान में स्टेशन अधीक्षक हिमांशु, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक (उत्क्र), आरपीएफ प्रभारी दीपक, जीआरपी प्रभारी नितीश कुमार समेत रेलवे के कई अधिकारी व कर्मचारी शामिल हुए। सभी ने सक्रिय रूप से सफाई अभियान में भाग लिया और यात्रियों से रेलवे परिसर को स्वच्छ रखने की अपील की।इस अवसर पर भाजपा नेता यशवंत, पंकज सिंह, जदयू नेता अंशु सिंह सिकरीवाल, संजीव सिंह, अंकित चौबे, अंकित राय सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। अभियान के दौरान यात्रियों को स्टेशन परिसर में गंदगी नहीं फैलाने और कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालने के लिए जागरूक किया गया।कार्यक्रम में शामिल लोगों ने स्वच्छता के प्रति सजग रहने तथा रेलवे परिसर को साफ-सुथरा बनाए रखने का संकल्प लिया। अभियान के माध्यम से स्वच्छ रेल, स्वच्छ भारत और स्वस्थ भारत का संदेश दिया गया।

# गांधी जयंती पर विधायक ने चलाया स्वच्छता अभियान

बड़हरा (भोजपुर)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर गुरुवार को बड़हरा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने सेवा संकल्प अभियान के तहत सेमरिया-पड़रिया पंचायत सरकार भवन परिसर में स्वच्छता, वृक्षारोपण एवं नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान विधायक ने कार्यकताओं एवं ग्रामीणों के साथ हाथों में झाड़ू लेकर परिसर की साफ-सफाई की। इसके बाद पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा उपस्थित युवाओं एवं ग्रामीणों को नशामुक्त समाज बनाने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि गांधी जयंती हमें बापू के आदर्शों और उनके बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करना महात्मा गांधी के विचारों का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। स्वच्छ समाज के निर्माण के लिए प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। पर्यावरण को स्वच्छ एवं संतुलित बनाए रखने के लिए सभी लोगों को पौधरोपण करना चाहिए और लगाए गए पौधों की देखभाल भी करनी चाहिए। उन्होंने युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नई पीढ़ी तेजी से सूखे नशे की चपेट में आ रही है, जिससे समाज और देश को नुकसान पहुंच रहा है। इस पर रोकथाम के लिए व्यापक सामाजिक जागरूकता आवश्यक है। युवाओं को नशे से दूर रहकर शिक्षा, सकारात्मक सोच और रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांधी जयंती के दिन हम सभी को अपने समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लेना चाहिए। यही बापू के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में बीस सूत्री अध्यक्ष सह बड़हरा मंडल अध्यक्ष शुभम पांडेय, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी गोविंद कुमार, संजय कुमार सिंह, मुखिया सुनील सिंह, मुखिया प्रतिनिधि मनोज सिंह, संतोष सिंह संटु, पंचायत समिति सदस्य लल्लू सिंह, उग्रेश सिंह, मनपारन सिंह, टुनटुन बिंद, प्रशांत सिंह, रामायण सिंह, जितेंद्र तिवारी, चंद्रकांत सिंह, राधेश्याम सिंह, अंशुमान, रोहित, राहुल, रामजी सिंह, पलधारी सिंह, रौशन, चंदन, अभिषेक पांडेय, निशांत कुमार, मंटु कुमार, विकास पांडेय, यशवंत सिंह, ध्रुव पाठक, मुकेश कुमार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

# महाराजा कॉलेज में गांधी-शास्त्री जयंती पर राष्ट्रनायकों को नमन

प्रात: किरण संवाददाता

आरा। महाराजा बहादुर राम रण विजय प्रसाद सिंह कॉलेज (महाराजा कॉलेज) में शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम मेंप्राचार्या प्रो. डॉ. कनक लता, कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अंकिता ओझा, शिक्षकों एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने दोनों महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। प्राचार्या ने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। वहीं, लाल बहादुर शास्त्री की सादगी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने विद्यार्थियों से दोनों महापुरुषों के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में एनएसएस स्वयंसेवकों ने समाज और राष्ट्रसेवा के लिए सदैव तत्पर रहने तथा सत्य, अहिंसा, सादगी एवं कर्तव्यनिष्ठा के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

# जहानाबाद के पखनपुर में 7.783 मेगावाट सौर संयंत्र का BSPGCL एमडी ने किया निरीक्षण

## पीएम-कुसुम योजना से किसानों को मिल रही नियमित लीज आय, संयंत्र से प्रतिदिन 40 हजार यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन

प्रात : किरण संवाददाता

पटना/जहानाबाद । बिहार स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री विशाल राज ( भा. प्र. से.) ने शुक्रवार को जहानाबाद जिले के पखनपुर में पीएम-कुसुम योजना के तहत स्थापित 7.783 मेगावाट क्षमता वाले ग्रिड-कनेक्टेड सौर ऊर्जा संयंत्र का निरीक्षण किया। उन्होंने संयंत्र के संचालन, उत्पादन और किसानों को हो रहे लाभ की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान प्रबंध निदेशक ने पाया कि यह संयंत्र बेहतर प्रदर्शन कर रहा है और प्रतिदिन 40 हजार यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन हो रहा है। श्री विशाल राज ने संयंत्र से जुड़े किसानों से बातचीत कर भूमि पट्टा (लीज) भुगतान की स्थिति की जानकारी ली। किसानों को उनकी जमीन के लिए 40 हजार रुपये प्रति एकड़ प्रति वर्ष की दर से लीज रेंट का भुगतान किया जा रहा है। किसानों ने बताया कि उनकी कुछ जमीन लंबे समय से जलजमाव (Water Logging) की समस्या से प्रभावित थी। इसके कारण खेती करना मुश्किल था और फसल भी प्रभावित होती थी। अब इसी जमीन का सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए उपयोग हो रहा है और किसानों को नियमित आय प्राप्त हो रही है।

### RESCO डेवलपर को समय पर मिल रहा भुगतान

पीएम-कुसुम योजना से किसानों के साथ-साथ फ्एरउड डेवलपर को भी लाभ मिल रहा है। डेवलपर को परियोजना के तहत उत्पादित बिजली के एवज में लगभग 40 लाख रुपये प्रति माह का भुगतान वितरण कंपनियों की ओर से किया जा रहा है। समय पर भुगतान से परियोजना में निवेश करने वाले डेवलपर का भरोसा बढ़ा है। इस मौके पर प्रबंध निदेशक श्री विशाल राज ने कहा कि पखनपुर का 7.783 मेगावाट का सौर संयंत्र इस बात का उदाहरण है कि पीएम-कुसुम योजना के माध्यम से सौर ऊर्जा उत्पादन के साथ किसानों की अनुपयोगी भूमि को आय के स्थायी स्रोत में बदला जा सकता है। इस परियोजना से राज्य में अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है।

# मेडिकल कॉलेज की भूमि को लेकर विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह ने की महत्वपूर्ण चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। सदर विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह ने देव स्थित पातालगंगा मंदिर में ठाकुर महाराज जी का दर्शन कर पूज्य महन्थ आदित्या ब्रह्मचारी जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके उपरांत पातालगंगा ट्रस्ट, देव के सम्मानित पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ देव क्षेत्र के विकास को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया। बैठक में देव में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज के लिए भूमि से संबंधित विषयों पर विशेष रूप से चर्चा हुई। मेडिकल कॉलेज के लिए भूमि की उपलब्धता, भूमि से जुड़ी आवश्यक प्रक्रियाओं तथा संबंधित विभागों के स्तर पर की जाने वाली कार्रवाई को लेकर विचार-विमर्श किया गया। विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह ने कहा कि मेडिकल कॉलेज एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार क्षेत्र की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। भूमि से संबंधित प्रक्रिया को आवश्यक समन्वय के साथ आगे बढ़ाने तथा इस विषय को सरकार के संज्ञान में रखने हेतु हर आवश्यक पहल पर चर्चा की। विदित है कि मेडिकल कॉलेज के साकार होने से क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ चिकित्सा शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों का भी विस्तार होगा। बैठक में आगामी लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर देव के घाटों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़ी तैयारियों पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर पातालगंगा ट्रस्ट के उपाध्यक्ष पूज्य महन्थ आदित्या ब्रह्मचारी जी, सचिव राजेन्द्र यादव, कोषाध्यक्ष डॉ. रविन्द्र शर्मा, सदस्य सुरेन्द्र यादव, योगेश यादव, वीरेन्द्र यादव, उदय यादव, संजय पाठक, रविन्द्र सिंह एवं बिगन भुइयाँ सहित ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक श्री सिंह ने कहा कि देव की धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पर्यटन की महत्ता को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र के समग्र विकास, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं एवं जनसुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

## संक्षिप्त खबरें

### पिता स्वर्गीय बादल सिन्हा के संस्कारों की छांव में समाज सेवा और शिक्षा का संकल्प : आकाश प्रियदर्शी

गया जी। पिता और अपने पूर्वजों को नमन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं । मेरे जीवन के प्रेरणास्त्रोत, मेरे पिता और गया के प्रसिद्ध व्यवसायी स्वर्गीय बादल सिन्हा की यादें सबसे तीव्र हो उठती हैं। उन्होंने मुझे हमेशा यह सिखाया कि जीवन में हर वर्ग को समान नजरिए से देखना चाहिए और समाज के हर जरूरतमंद की हरसंभव मदद करनी चाहिए। आज मैं जो कुछ भी हूँ और जिस पहचान के साथ जी रहा हूँ, उसका पूरा श्रेय उनके उन्हीं संस्कारों को जाता है जिनके बताए मार्ग पर चलते हुए, आज मैं ब्रविशाल प्राइवेट आईटीआई, बोधगया के माध्यम से युवाओं के भविष्य को संवारने में जुटा हूँ ! पिताजी के आशीर्वाद और प्रेरणा से छात्रों और समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करना ही मेरे जीवन का मुख्य उद्देश्य बन चुका है। गया की इस पवित्र माटी से मैं अपने आदरणीय पिता को शत-शत नमन करता हूँ ।

### पुर्व लोक अभियोजक की पुन्य तिथि मनाई गई

औरंगाबाद । जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद में पूर्व लोक अभियोजक, पुर्व स्पेशल पीपी सह अधिवक्ता कल्याण कोष के पूर्व सचिव वरीय अधिवक्ता नागेन्द्र प्रसाद सिंह के पुन्य तिथि मनाई गई, जिसकी अध्यक्षता जिला विधिज्ञ संघ के सचिव जगनरायण सिंह और संचालन वरीय अधिवक्ता चंद्रेश्वर पासवान ने किया, सर्वप्रथम नरेंद्र प्रसाद सिंह के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया उनकी मृत्यु 02 अक्टूबर 2017 को हुई थी उनके पिता जी जगदीश प्रसाद सिंह सेवानिवृत्त जिला जज बक्सर थे इस अवसर पर उपस्थित थे जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के पूर्व अध्यक्ष रसिक बिहारी सिंह, सहायक सचिव सतीश कुमार स्नेही, एपीपी मदन प्रसाद, सत्येन्द्र तिवारी, रामपरीखा सिंह, सुरेश कुमार, संजय कुमार, धर्मराज राम, सुनील कुमार सिंह, अनील सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

### देव में मेडिकल कॉलेज की भूमि को लेकर विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह ने की महत्वपूर्ण चर्चा

औरंगाबाद। औरंगाबाद सदर विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह ने देव स्थित पातालगंगा मंदिर में ठाकुर महाराज जी का दर्शन कर पूज्य महन्थ आदित्या ब्रह्मचारी जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके उपरांत पातालगंगा ट्रस्ट, देव के सम्मानित पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ देव क्षेत्र के विकास को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया। बैठक में देव में प्रस्तावित मेडिकल कॉलेज के लिए भूमि से संबंधित विषयों पर विशेष रूप से चर्चा हुई। मेडिकल कॉलेज के लिए भूमि की उपलब्धता, भूमि से जुड़ी आवश्यक प्रक्रियाओं तथा संबंधित विभागों के स्तर पर की जाने वाली कार्रवाई को लेकर विचार-विमर्श किया गया। विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह ने कहा कि मेडिकल कॉलेज एवं स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार क्षेत्र की महत्वपूर्ण प्राथमिकता है। भूमि से संबंधित प्रक्रिया को आवश्यक समन्वय के साथ आगे बढ़ाने तथा इस विषय को सरकार के संज्ञान में रखते हुए हर आवश्यक पहल की। मेडिकल कॉलेज के साकार होने से क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ चिकित्सा शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों का भी विस्तार होगा। बैठक में आगामी लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर देव के घाटों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं से जुड़ी तैयारियों पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर पातालगंगा ट्रस्ट के उपाध्यक्ष पूज्य महन्थ आदित्या ब्रह्मचारी जी, सचिव श्री राजेन्द्र यादव, कोषाध्यक्ष डॉ. रविन्द्र शर्मा, सदस्य श्री सुरेन्द्र यादव, श्री योगेश यादव, श्री वीरेन्द्र यादव, श्री उदय यादव, श्री संजय पाठक, श्री रविन्द्र सिंह एवं श्री बिगन भुइयाँ सहित ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

# अंतर महाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता में गया कॉलेज ओवरऑल चैंपियन

प्रात : किरण संवाददाता

गया। मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के तत्वावधान में अंतर महाविद्यालय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन के एसएस कॉलेज (कन्हाई लाल साहू महाविद्यालय), नवादा में किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के 10 महाविद्यालयों की पुरुष एवं महिला टीमों ने भाग लिया है। शानदार प्रदर्शन करते हुए गया कॉलेज, गया की पुरुष एवं महिला टीम ने संयुक्त रूप से कुल 21 अंक अर्जित कर प्रतियोगिता में ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव प्राप्त किया है। वहीं, महिला वर्ग में गया कॉलेज की टीम ने 9 अंक अर्जित कर संयुक्त उपविजेता का स्थान प्राप्त किया है गया कॉलेज की ओर से पुरुष वर्ग में अभिजीत कुमार, प्रकाश कुमार, अनिकेत कुमार एवं मो. मोजामिन तथा महिला वर्ग में अंकिता, समृद्धि, अक्षिता एवं वंदना ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। यह सफलता खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन, आत्मविश्वास, निरंतर अभ्यास एवं टीम भावना का परिणाम है इस उपलब्धि पर गया कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सतीश सिंह चंद्र, एथलेटिक्स सोसाइटी के अध्यक्ष आनंद एवं पीटीआई अंजनी कुमार ने सभी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं हैं। गया कॉलेज के खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से महाविद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से गया कॉलेज का नाम गौरवान्वित किया है।

# राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन, उनके विचारों और देश की स्वतंत्रता के लिए किए गए संघर्ष को स्मरण किया : डॉ मनीष पंकज मिश्रा

● गांधी के जीवन हमें सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा की भावना का देता संदेश

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की157बी जयंती के अवसर पर आज गांधी चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं एवं कार्यकताओं ने माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए हैं। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी बिहार प्रदेश के क्षेत्रीय प्रभारी किसान मोर्चा के नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा सहित भाजपा के कई नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे हैं।उपस्थित नेताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जीवन, उनके विचारों और देश की स्वतंत्रता के लिए किए गए संघर्ष को स्मरण किया है। महात्मा गांधी जी ने सत्य, अहिंसा और सत्याग्रह के माध्यम से देशवासियों को एकजुट कर स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा प्रदान की। उनके विचार आज भी समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।इस अवसर पर डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। गांधी ने भारत की स्वतंत्रता के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया है। सत्य और अहिंसा के उनके सिद्धांतों ने देश के स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूती प्रदान की और करोड़ों भारतीयों को संघर्ष के लिए प्रेरित किया है उन्होंने कहा कि गांधी का जीवन हमें सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा की भावना का संदेश देता है। आज आवश्यकता है कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।उपस्थित भाजपा नेताओं एवं कार्यकताओं ने महात्मा गांधी के बताए मार्ग पर चलने तथा देश की एकता, अखंडता और विकास के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया है। आज श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता संतोष ठाकुर राणा रणजीत सिंह भाजपा उत्तरी मंडल के उपाध्यक्ष धनंजय पांडे बबलू गुप्ता मंटू कुमार सहित।

# गांधी जयंती के अवसर पर एनएसएस ने चलाया स्वच्छता अभियान

गया। गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना, मगध विश्वविद्यालय के नेतृत्व में गया कॉलेज, गया जी, जगजीवन कॉलेज, गया एवं अनुग्रह मेमोरियल कॉलेज, गया के संयुक्त तत्वावधान में विष्णुपद मंदिर मेला क्षेत्र में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रीय सेवा योजना, मगध विश्वविद्यालय के समन्वयक डॉ. पिंटू कुमार की उपस्थिति में हुआ है। स्वच्छता अभियान का नेतृत्व गया कॉलेज, गया के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. राजेश कुमार मिश्र ने किया है। तीनों महाविद्यालयों के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने फल्गु नदी क्षेत्र तथा आसपास के मेला क्षेत्रों में जगह-जगह स्वच्छता अभियान चलाया है। स्वयंसेवकों ने कचरे को एकत्र कर निर्धारित स्थान पर पहुंचाया तथा श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। स्वयंसेवकों ने देश-विदेश से आए श्रद्धालुओं तथा अपने पितरों का तर्पण एवं पिंडदान करने आए श्रद्धालुओं से अपील की कि वे फल्गु नदी, विष्णुपद मंदिर परिसर एवं मेला क्षेत्र की स्वच्छता बनाए रखें तथा कूड़ा-कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें। इस अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश भी दिया गया है। कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. राजेश कुमार मिश्र ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य केवल स्वच्छता अभियान चलाना ही नहीं, बल्कि समाज में स्वच्छता के प्रति स्थायी जागरूकता एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। उन्होंने कहा कि धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर तीनों महाविद्यालयों के एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वच्छ गया, सुंदर गया तथा स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित संदेशों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया है।

# स्वच्छता ही सेवा समुदायों को सशक्त बनाने और सतत विकास को बढ़ावा देने की दिशा में आईआईएम बोध गया की पहल

● अर्श सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल (गया) के सहयोग से सफाईमित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर—एक समर्पित स्वास्थ्य एवं कल्याण शिविर का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

बोध गया। आईआईएम बोध गया अपने छात्रों में सामाजिक जिम्मेदारी और एक अच्छे नेतृत्व की भावना विकसित करने पर विशेष ध्यान देता है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए और देश के स्वच्छ भारत मिशन के समर्थन में, आईआईएम बोध गया ने 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 तक स्वच्छता ही सेवा (स्वच्छता पखवाड़ा) अभियान का आयोजन किया है। इस अभियान का नेतृत्व आईआईएम बोध गया की निदेशक प्रो. विनिता सहाय ने किया है। इस अभियान का उद्देश्य केवल परिसर को स्वच्छ रखना ही नहीं, बल्कि छात्रों और पूरे संस्थान के बीच स्वच्छता, स्वास्थ्य और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी था। स्टूडेंट अफेयर्स कमेटी ने छात्र संगठनों तरंग और समत्वम्-के सहयोग से इस दो सप्ताह के अभियान का समन्वय किया है। अभियान के दौरान परिसर में कई स्वच्छता, स्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़ी गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें छात्रों, कर्मचारियों और संस्थान के अन्य सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया है। इस पहल के माध्यम से आईआईएम बोध गया ने स्वच्छता को केवल एक अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे रोजमर्रा की आदत और सामूहिक जिम्मेदारी बनाने का संदेश दिया है। इस अभियान की शुरूआत शैक्षणिक व्याख्यान कक्षों में आयोजित स्वच्छता शपथ समारोह के साथ हुई। संस्थान के सभी फैकल्टी मेंबर्स, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने प्रतिवर्ष 100 घंटे स्वेच्छा से स्वच्छता कार्य में योगदान देने और अपने आसपास स्वच्छता को बढ़ावा देने की सामूहिक शपथ ली। सामुदायिक कल्याण और कार्यस्थल पर गरिमा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, आईआईएम बोध गया ने अर्श सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल (गया) के सहयोग से सफाईमित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर—एक समर्पित स्वास्थ्य एवं कल्याण शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर में संस्थान के हाउसकीपिंग, सुरक्षा और प्रशासनिक कर्मचारियों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, वाइटल्स मॉनिटरिंग और दंत परामर्श प्रदान किया गया है। इसके साथ ही, परिसर की दैनिक देखरेख करने वाले कर्मचारियों के सहयोग हेतु कार्यस्थल सुरक्षा, व्यक्तिगत स्वच्छता और निवारक स्वास्थ्य देखभाल पर जागरूक करने के लिए इंटरएक्टिव सत्र भी आयोजित किए गए हैं। विद्यार्थियों में उत्साह जगाने के उद्देश्य से एक विशेष जागरूकता सह संगीतमय (जैमिंग) सत्र का आयोजन किया गया। इसमें संस्थान के सभी पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों ने एक साथ आकर संगीत के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और परिसर की देखरेख के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है। इस स्वच्छता अभियान का समापन एक व्यापक और पूरे परिसर में सफाई अभियान के साथ हुआ है। संस्थान के हर हिस्से की सुचारू सफाई सुनिश्चित करने के लिए पूरे कैंपस को 8 प्रमुख स्वच्छता क्षेत्रों में विभाजित किया गया था। इस अवसर पर संस्थान की निदेशिका प्रो. विनीता सहाय, फैकल्टी मेंबर्स, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने एक साथ मिलकर परिसर में सफाई की और स्वच्छता का संदेश दिया है। निदेशिका प्रो. विनीता सहाय ने स्वयं मैदान पर उतरकर विद्यार्थियों के साथ सफाई कार्य में भाग लिया है। फैकल्टी मेंबर्स ने विभिन्न टीमों का नेतृत्व और मार्गदर्शन किया, वहीं विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ परिसर के अलग-अलग हिस्सों को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने में अपना योगदान दिया है। यह आयोजन केवल एक दिन की सफाई तक सीमित नहीं रहा, कार्यक्रम के अंत में संस्थान के नेतृत्व और विद्यार्थियों के बीच परिसर को निरंतर स्वच्छ और हरा-भरा बनाए रखने के व्यावहारिक उपायों पर एक सार्थक चर्चा भी संपन्न हुई है।

# शांति निकेतन अकादमी के तीनों परिसरों में गांधी जयन्ती अत्यंत हर्षोल्लास, रचनात्मकत एवं ऊर्जा के साथ मनाया गया

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी। शांति निकेतन अकादमी के एपी कॉलोनी, रौना और कटारी—तीनों परिसरों में गांधी जयन्ती अत्यंत हर्षोल्लास, रचनात्मकता और ऊर्जा के साथ मनाया गया। कथा-वाचन सत्र में युवान, केशव और ओजस्वी ने जब महात्मा गांधी के जीवन से जुड़े प्रेरणादायी प्रसंग सुनाए, तो छात्र-छात्राएं मंत्रमुग्ध होकर एक-एक बात ध्यान से सुनते हुए पूरी सक्रियता और उत्साह के साथ जुड़े रहे हैं। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में सिद्धार्थ, नैजा, ओशु और तारा के मनमोहक नृत्य ने सभी का मन मोह लिया; वहीं सार्थक, केशव, खदीजा, नूर, अर्जम़ और माहिरा ने ह्यदांडी मार्चह्न की ऐतिहासिक झांकी को जीवंत कर इतिहास की यादें ताजा कर दीं। स्वच्छ भारत अभियान के तहत समर्थ, सानवी, भास्कर, अनाइरा, आरिफ और अरमान ने स्वच्छता और श्रमदान का संदेश देती एक प्रभावशाली प्रस्तुति दी है। कला और रचनात्मकता के इस पावन उत्सव में मानसी, अंशिका, अहान, दक्ष और सूर्यवंश शरण ने थंब प्रिंट गतिविधि के माध्यम से अनूठी कलाकृतियाँ उकेरीं; काव्य पाठ में काव्या कुमारी, हरि और शिवा मौर्य ने ओजस्वी कविताएँ प्रस्तुत कीं; निबंध प्रतियोगिता में रेहान, विराट और जोनैइरा ने अपनी लेखनी से गांधीवादी विचारों को गहराई से रखा; तथा चित्रकला प्रतियोगिता में सानवी, अदिति, रेयांशु और रितिका ने रंगों के माध्यम से शांति, प्रेम और अहिंसा के संदेश को खूबसूरती से कागज पर उतारा है। इस कार्यक्रम को बेहतरीन तरीके से आयोजित किया गया है। वहीं संस्थान के अध्यक्ष श्री हरि प्रपन्न ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, बच्चों की यह ऊर्जा और सहभागिता यह विश्वास दिलाती है कि हमारी आने वाली पीढ़ी सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के मार्ग पर चलकर देश का नाम जरूर रोशन करेगी। इस भव्य आयोजन ने पूरे विद्यालय परिवार को राष्ट्रपिता के आदर्शों पर चलने की एक नई प्रेरणा दी है। इस अवसर पर संस्थान की प्राचार्या पल्लवी सरकार ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, गांधी जयंती हमारे बच्चों के चरित्र निर्माण का एक अवसर है। इस सफल और भव्य आयोजन के पीछे रौशनी, मेहविश, आफरीन और दीक्षा की विशेष भूमिका रही, जिन्होंने अपनी मेहनत और कुशल प्रबंधन से इस पूरे कार्यक्रम को बेहतरीन तरीके से आयोजित किया गया है।

# कोंग्रेस द्वारा लोकतंत्र बचाओ सप्ताह के रूप में महागठबंधन

गया जी। जिला कांग्रेस कमेटी गयाजी दक्षिणी भाग शेरघाटी, बोधगया के कार्यालय में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं गुदड़ी के लाल, लाल बहादुर शास्त्री का जयंती समारोह धूमधाम से मनाया गया है। उनके तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया है। इन दोनों महापुरुषों के जयंती मनाने के उपरांत प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया है, जिस वार्ता में दिल्ली में इंडिया गठबंधन के बैठक में लिए गए निर्णय को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जो मार्गदर्शन मिला है उसके अनुसार आगामी 02 अक्टूबर से 8 अक्टूबर तक लोकतंत्र बचाओ सप्ताहह्व के रूप में महागठबंधन के सभी साथियों के साथ मनाने का निम्नांकित निर्णय लिया गया है। जिला मे ह्लवोट बचाओ - देश बचाओ मार्च आयोजित किया जाएगा। 03 अक्टूबर को प्रखंड स्तर पर महागठबंधन के साथियों के साथ बैठक कर आगे की कार्यक्रम के लिए रणनीति तय किया जाएगा। 04 अक्टूबर को इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ बड़े पैमाने पर जिला स्तरीय मार्च आयोजित किया जाएगा और निर्धारित स्थान पर पहुंचने के बाद राष्ट्रगान एवं गाए जाएंगे एवम भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 को सार्वजनिक रूप से वाचन किया जाएगा जो सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की गारंटी देता है। विरोध प्रदर्शन के समापन के उपरांत मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया जाएगा। जिसमें मुख्य रूप से जिला महासचिव शकील खान, राजीवरंजन कुमार, शैलेंद्र ठाकुर, राजद नेता रविंद्र कुमार , पवन कुमार, जिला कांग्रेस मीडिया प्रभारी रिजवान कमर, जिला अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष रिंकू खान, जिला सचिव आलोक कुमार, प्रियरंजन कुमार, वसीम खान, कवि रंजन, पुटूस दांगी, दिनेश कुमार, जितेंद्र कुमार, योगेंद्र पासवान, बबलू पासवान, सूरज सिंह भोक्ता एवं आंगनीवन लोग उपस्थित हुए हैं

# सात समंदर पार से गयाजी पहुंचे विदेशी पिंडदानी, भारतीय परिधान साड़ी और धोती कुर्ता में पहन कर रहे हैं पिंडदान

प्रात : किरण संवाददाता

गयाजी। में चल रहे विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेले में आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। देश के अलग-अलग हिस्सों से ही नहीं, बल्कि सात समंदर पार से भी श्रद्धालु अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और मोक्ष की कामना लेकर गयाजी पहुंच रहे हैं। फ्रांस, रूस और जर्मनी से आए 19 विदेशी श्रद्धालुओं के जत्थे ने देवघाट पर पूरे विधि-विधान से पिंडदान और तर्पण किया है। ये तस्वीरें गयाजी के देवघाट की हैं जहां देश की सीमाएं और भाषाओं का फर्क मिट गया... और एक ही आस्था में शामिल हो गए सात समंदर पार से आए श्रद्धालु। फ्रांस, रूस और जर्मनी से पहुंचे 19 सदस्यीय विदेशी श्रद्धालुओं के जत्थे ने फल्गु नदी के तट पर अपने पूर्वजों को श्रद्धापूर्वक याद किया और विधि-विधान के साथ पिंडदान और तर्पण किया।, किसी ने अपने पति के लिए किसी ने अपने बेटे के लिए और किसी ने अपनी सहेली की आकस्मिक मृत्यु हो जाने और कोई अपने पूर्वजो की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान कर रहे हैं..वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विदेशी श्रद्धालु भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान करते नजर आए। पिंड अर्पित कर उन्होंने अपने पितरों की आत्मा की शांति और मोक्ष की कामना की। देवघाट पर मौजूद यह नजारा गयाजी की उस धार्मिक महत्ता को भी दिखाता है, जहां पितृपक्ष के दौरान देश ही नहीं, विदेशों से भी लोग अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने पहुंचते हैं। किसी के लिए गयाजी एक धार्मिक तीर्थ है.तो किसी के लिए अपने पूर्वजों से जुड़ने का माध्यम है। सात समंदर पार से आए इन विदेशी श्रद्धालुओं ने भी गया की धरती पर भारतीय परंपरा के अनुसार पिंडदान कर यही संदेश दिया कि आस्था की कोई सीमा नहीं होती।

# गांधी का सत्य, शास्त्री का संकल्प—इतिहास विभाग में गूंजा राष्ट्र निर्माण का संदेश

गया। गया कॉलेज, गया के इतिहास विभाग में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया है।इस कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सतीश सिंह चंद्रा के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में किया गया है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित कर किया गया है। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. स्नेहलता कुमारी ने दोनों महान विभूतियों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गांधीजी का सत्य, अहिंसा और नैतिकता का संदेश तथा शास्त्रीजी की सादगी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा आज भी समाज एवं राष्ट्र के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि गांधीजी ने सत्य और अहिंसा के माध्यम से स्वतंत्रता आंदोलन को जन-आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया, वहीं लाल बहादुर शास्त्री ने अपने सरल जीवन और दृढ़ संकल्प से सार्वजनिक जीवन में आदर्श स्थापित किया। उनके विचार आज की युवा पीढ़ी को राष्ट्रसेवा, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की दिशा में प्रेरित करते हैं इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए दोनों राष्ट्रनायकों के विचारों पर अपने विचार प्रस्तुत किए हैं।

# जन सुराज के द्वितीय स्थापना दिवस एवं गांधी शास्त्री जयंती पर गया में गूंजा बदलाव का संकल्प

गया। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती तथा जन सुराज के द्वितीय स्थापना दिवस के अवसर पर चंदौती मोड़ स्थित जन सुराज नगर कार्यालय में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में गया जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने दोनों महान विभूतियों को श्रद्धासुमन अर्पित किए और बिहार में सकारात्मक बदलाव के संकल्प को दोहराया है। पूरे आयोजन में उत्साह, एकजुटता और संगठन के प्रति प्रतिबद्धता का माहौल देखने को मिला है। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जन सुराज के गया जिला अध्यक्ष रवि रंजन दांगी ने कहा कि वर्ष 2025 के विधानसभा चुनाव में अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के बावजूद जन सुराज के कार्यकताओं का हौसला कम नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, हम हार से निराश होकर बैठने वालों में से नहीं हैं। बिहार को बदलने का हमारा संकल्प पहले से भी अधिक मजबूत हुआ है। आज जन सुराज के कार्यकर्ता और पदाधिकारी पूरे प्रदेश में नई ऊर्जा, नई प्रतिबद्धता और पूरी मेहनत के साथ जनता के बीच काम कर रहे हैं। जिला अध्यक्ष ने आगे कहा कि जन सुराज का उद्देश्य बिहार में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास के क्षेत्र में सार्थक बदलाव लाना है। इसके लिए जरूरी है कि संगठन गांव-गांव और प्रखंड-प्रखंड तक मजबूत हो तथा जनता की समस्याओं को समझकर उनके समाधान के लिए निरंतर प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि गांधी के सत्य, अहिंसा और जनसेवा के आदर्शों तथा लाल बहादुर शास्त्री जी की सादगी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा से प्रेरणा लेकर जन सुराज के कार्यकर्ता बिहार के बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि इसी भावना के साथ गया जिले के सभी प्रखंडों में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के साथ जन सुराज का द्वितीय स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। इसका उद्देश्य संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना, कार्यकताओं के बीच समन्वय बढ़ाना और बिहार में बदलाव की मुहिम को निरंतर गति देना है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे हैं । प्रदेश के वरिष्ठ नेता प्रोफेसर डॉ. सरफराज अहमद, पूर्व प्रदेश किसान अध्यक्ष राम लखन दांगी, गया जिला लोकसभा प्रभारी उपेंद्र, डा बी डी शर्मा, कुमार, मगध युवा प्रभारी अमित शर्मा, जिला प्रवक्ता अमित कार्तिकेय, जिला महिला प्रवक्ता अनुराधा कुमारी, जिला किसान अध्यक्ष वरुण महतो, कार्यालय प्रभारी कुमार अभय, गया नगर निगम वार्ड संख्या 32 के पार्षद गजेंद्र सिंह, वरिष्ठ नेता संजय चौधरी, वरिष्ठ नेत्री कांति कुमारी, वरिष्ठ नेता जमीन हसन, फरीद हुड्डा तथा औरंगाबाद की वरिष्ठ नेत्री शर्मिला कुमारी सहित सैकड़ों पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com



# प्रभारी मंत्री श्रवण कुमार शुक्रवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्र संग्रामपुर अंचल के डुमरिया पंचायत के बिश्रामपुर पहुंचे

● मंत्री ने लोगों से सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही व्यवस्था खासकर नाश्ता-भोजन, रहने, स्वास्थ्य और अन्य व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली

प्रातः किरण संवाददाता

मोतिहारी बिहार सरकार के ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री सह पूर्वी चंपारण जिले के प्रभारी मंत्री श्रवण कुमार शुक्रवार को अहले सुबह बाढ़ प्रभावित क्षेत्र संग्रामपुर अंचल के डुमरिया पंचायत के बिश्रामपुर वार्ड नंबर 15 में पहुंचे। उन्होंने राहत शिविर में रह रहे बाढ़ पीड़ितों से बातचीत कर उन्हें मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। मंत्री ने लोगों से सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रही व्यवस्था खासकर

नाश्ता-भोजन, रहने, स्वास्थ्य और अन्य व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक सुविधाएं लगातार उपलब्ध कराने को कहा। प्रभारी मंत्री ने यहां उत्क्रमित मध्य विद्यालय बिश्रामपुर भी गए। वहां बच्चों के पठन-पाठन की व्यवस्था देखी इस स्कूल में लगाए गए मेडिकल कैंप का भी निरीक्षण किया। इस दौरान इलाज कराने पहुंची महिलाओं से उन्होंने बातचीत कर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों से भी कैंप में उपलब्ध दवाओं तथा इलाज की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। इसके बाद मंत्री ने छात्रों के बीच किट का वितरण किया। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जिला प्रशासन की ओर से की गई व्यवस्था पर प्रभारी मंत्री श्री श्रवण कुमार ने संतोष जताया। उन्होंने कहा कि बाढ़ पीड़ितों के लिए यहां बहुत अच्छी व्यवस्था की गई है। इसके लिए जिला प्रशासन धन्यवाद का पात्र है, जिसने पूरी तत्परता के साथ काम किया है। उन्होंने कहा कि बाढ़ जैसी आपदा के समय यहां की जनता, जनप्रतिनिधि और प्रशासन ने मिलकर मानवता की मिसाल कायम की है। माननीय मंत्री ने कहा कि आपदा की स्थिति में एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाने का समय नहीं होता। ऐसे समय में सभी को एक-दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने की जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि अरेराज क्षेत्र में जनप्रतिनिधियों, प्रशासन और आम लोगों ने मिलकर जिस तरह बाढ़ की चुनौती का सामना किया है, वह सामूहिक प्रयास और आपसी सहयोग का उत्कृष्ट उदाहरण है। माननीय मंत्री महोदय के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी श्री सौरभ सुमन यादव, अपर समाहर्ता श्री मुकेश कुमार सिंहा, उप विकास आयुक्त डॉ प्रदीप कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी अरेराज एवं स्थानीय प्रशासन के पदाधिकारी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

# गांधी मैदान में प्रभारी मंत्री श्रवण कुमार ने बापू की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

प्रातः किरण संवाददाता

मोतिहारी, पू.च। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर बिहार सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री सह पूर्वी चंपारण के प्रभारी मंत्री श्रवण कुमार ने गांधी मैदान स्थित बाल उद्यान में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी का चंपारण से गहरा और ऐतिहासिक जुड़ाव रहा है। इसी धरती से गांधीजी ने किसानों की समस्याओं को लेकर सत्याग्रह का नेतृत्व किया और स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि मोतिहारी की धरती ऐतिहासिक होने के साथ-साथ प्रेरणादायी भी है। गांधी जयंती पर चंपारण की धरती पर बापू को श्रद्धांजलि अर्पित करना गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य, अहिंसा, स्वच्छता और मानवता का संदेश देकर समाज को एकजुट करने का काम किया। उनके विचार आज भी देश और समाज के लिए प्रासंगिक हैं। उन्होंने लोगों से गांधीजी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को याद करते हुए मंत्री ने कहा कि शास्त्रीजी ने जय जवान, जय किसान का नारा देकर देश की सुरक्षा और कृषि क्षेत्र में योगदान देने वालों के महत्व को रेखांकित किया। माल्यार्पण कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन की ओर से किया गया। जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, डीडीसी डॉ. प्रदीप कुमार, एडीएम पीजीआरओ शैलेंद्र कुमार भारती, एडीएम विभागीय जांच मो. सिब्गतुल्लाह सहित अन्य अधिकारियों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान बड़ी संख्या में नगरवासी एवं प्रबुद्ध जन मौजूद रहे।

## संक्षिप्त खबरें

### ओल्हा नहर के पास शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के ओल्हा नहर के पास पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल की डिक्की से अंग्रेजी शराब बरामद कर एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कारोबारी की पहचान ओल्हा बाजार वार्ड नौ निवासी सीतेश प्रसाद के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, तलाशी के दौरान बाइक की डिक्की से ऑफिसर चॉइस फ्रूटी के 21 पीस बरामद किए गए। प्रत्येक फ्रूटी 180 एमएल की है। बरामद शराब की कुल मात्रा 3.78 लीटर बताई गई है। थानाध्यक्ष सुशील कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई कर शराब के साथ कारोबारी को गिरफ्तार किया गया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

### कैलाली में जातीय विभेद के आरोप में तीन शिक्षक गिरफ्तार

बगहा। नेपाल के कैलाली जिले में विद्यालय में जातीय विभेद और छुआछूत किए जाने के आरोप में तीन शिक्षकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामला गौरीगंगा नगरपालिका-6 के मोया स्थित भैरव आधारभूत विद्यालय का है। पुलिस के अनुसार दलित समुदाय के विद्यार्थियों और अभिभावकों की ओर से दी गई शिकायत के आधार पर शिक्षिका भगवती बडैला, भगवती रेग्मी और शिक्षक टेकराज उपाध्याय को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि विद्यालय में दलित समुदाय के विद्यार्थियों के साथ-साथ विद्यालय व्यवस्थापन समिति के अध्यक्ष चक्रबहादुर विक, शिक्षिका बिना विक और कार्यालय सहयोगी लक्ष्मीदेवी दमाई के साथ भी जातीय विभेद किया गया। इलाका प्रहरी कार्यालय मालाखेती के डीएसपी हिराशिंह महरा ने बताया कि गिरफ्तार तीनों शिक्षकों को हिरासत में रखकर मामले की जांच की जा रही है। पुलिस शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच के बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया बढ़ाएगी। घटना सामने आने के बाद विद्यालय में जातीय भेदभाव और छुआछूत के आरोप को लेकर स्थानीय स्तर पर भी चर्चा तेज हो गई है। फिलहाल पुलिस जांच के बाद ही आरोपों की वास्तविक स्थिति और आगे की कार्रवाई स्पष्ट होगी।

### देउवा पक्ष ने शुरू किया समानांतर महाधिवेशन, 3191 वडों में अधिवेशन संपन्न

बगहा। नेपाली कांग्रेस के पूर्व सभापति शेरबहादुर देउवा पक्ष ने पार्टी के 15वें महाधिवेशन की तैयारी के तहत समानांतर अधिवेशन प्रक्रिया शुरू कर दी है। गुरुवार से शुरू हुए वडा अधिवेशन के पहले दिन देशभर के कुल 6,743 वडों में से 3,191 वडों में अधिवेशन सम्पन्न हुआ। देउवा पक्ष के केंद्रीय निर्वाचन समिति के संयोजक एगराज पोखरेल के अनुसार कोशी प्रदेश में 577, मधेश में 402, बागमती में 563, गंडकी में 386, लुंबिनी में 550, कर्णाली में 257 और सुदूरपश्चिम प्रदेश में 456 वडों में अधिवेशन सम्पन्न हुआ है। बाकी वडों में 18 अक्टूबर तक अधिवेशन पूरा करने का कार्यक्रम है। देउवा पक्ष ने इसके बाद 20 अक्टूबर को गांवपालिका और नगरपालिका, 23 अक्टूबर को प्रदेशसभा निर्वाचन क्षेत्र तथा 15 नवंबर को जिला अधिवेशन कराने का कार्यक्रम बनाया है। इसके बाद 4 दिसंबर को प्रदेश अधिवेशन और 21 से 23 दिसंबर तक काठमांडू में केंद्रीय महाधिवेशन कराने की कार्यतालिका तय की गई है। बताते चलें की, नेपाली कांग्रेस के भीतर महाधिवेशन को लेकर अलग-अलग प्रक्रियाएं चल रही हैं। पार्टी के संस्थापन पक्ष ने अक्टूबर में अपना 15वां महाधिवेशन करने की कार्यतालिका आगे बढ़ाई है, जबकि देउवा पक्ष ने अलग कार्यक्रम के तहत महाधिवेशन प्रक्रिया शुरू की है। पार्टी की आधिकारिकता और महाधिवेशन प्रक्रिया से जुड़ा विवाद भी न्यायिक विचाराधीन है।

# ग्राम रक्षा दल के सदस्यों ने आरएलएम प्रदेश अध्यक्ष का किया भव्य स्वागत

सुगौली, पू.चः गांधी जयंती के अवसर पर शुक्रवार को प्रखंड के सुगांव राज्यमार्ग स्थित प्रताप पैलेस मैरेज हॉल में ग्राम रक्षा दल सह पुलिस मित्र संघ की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सह दिनारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक आलोक कुमार सिंह का कार्यकर्ताओं एवं ग्राम रक्षा दल के सदस्यों ने भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम रक्षा दल सह पुलिस मित्र संघ के अध्यक्ष कन्हैया चौधरी ने की। कार्यक्रम में पार्टी के वरिष्ठ नेता सह अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष जुल्फिकार आफताब सहित पार्टी के कई पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं ग्राम रक्षा दल के सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान ग्राम रक्षा दल के सदस्यों ने अपनी विभिन्न समस्याओं एवं मांगों से प्रदेश अध्यक्ष को अवगत कराया और उन्हें ज्ञापन भी सौंपा। अपने संबोधन में आलोक कुमार सिंह ने ग्राम रक्षा दल के सदस्यों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि ग्राम रक्षा दल के सदस्य ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस प्रशासन के सहयोगी के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ग्रामीण स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था एवं सामाजिक सहयोग में उनकी भागीदारी अहम है। उन्होंने कहा कि ग्राम रक्षा दल के सदस्यों की मांगों को लेकर वे जल्द ही मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात करेंगे और उनकी समस्याओं एवं मांगों को सरकार के समक्ष प्रमुखता से रखेंगे। उन्होंने सदस्यों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सरकार के स्तर पर आवश्यक पहल कराने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। मौके पर कन्हैया चौधरी, अशोक कुमार, संदीप कुमार, पप्पू कुमार, शंभू कुमार, संगीता देवी, कलावती देवी, आरती देवी, सुबोध ठाकुर, लखन राम, नरेश पटेल, दिलीप कुमार सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

# गांधी जयंती पर बगहा में चला स्वच्छता अभियान, सफाई मित्रों की स्वास्थ्य जांच कर किया सम्मान

बगहा। महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर बगहा अनुमंडल के विभिन्न क्षेत्रों में गुरुवार को स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को साफ-सफाई के प्रति जागरूक किया गया। बगहा नगर परिषद में सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में सफाई कर्मियों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई और जांच के बाद आवश्यक दवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। शिविर में लगाए गए सीएसआई स्टॉल के माध्यम से सफाई कर्मियों को केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की पहल की गई। इस दौरान सफाई कर्मियों और अन्य प्रतिभागियों को स्वच्छता एवं नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। उत्कृष्ट कार्य करने वाले सफाई कर्मियों, एजेंसी सुपरवाइजर, स्वच्छता साथियों और अन्य प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। उधर, थारू आदिवासी बहुल हरनाटांड़ में वाल्मीकि रेजिडेंशियल स्कूल की ओर से महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। प्रधानाध्यापक अरविंद भास्कर के नेतृत्व में सैकड़ों छात्र-छात्राएं कुदाल, झाड़ू और अन्य सफाई सामग्री लेकर हरनाटांड़ बाजार पहुंचे। विद्यार्थियों ने बाजार की सड़कों पर सफाई अभियान चलाते हुए कूड़ा-कचरा एकत्र किया और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

# गांधी जयंती पर एसएसबी जवानों ने ली स्वच्छता की शपथ, एक पेड़ मां के नाम के तहत किया पौधरोपण

बगहा। महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर एसएसबी 21वीं वाहिनी, बगहा परिसर में शुक्रवार को स्वच्छता शपथ एवं द्वाएक पेड़ मां के नामद्ध अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व 21वीं वाहिनी के कमांडेंट तपेश्वर संवित राउत ने किया। इस दौरान वाहिनी के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों और जवानों ने स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कमांडेंट तपेश्वर संवित राउत ने सभी को गांधी जयंती की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने स्वच्छता को अत्यंत महत्वपूर्ण माना था। स्वच्छता केवल सफाई कर्मियों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने जवानों एवं उपस्थित लोगों से स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने, सप्ताह में दो घंटे श्रमदान करने, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने तथा कम से कम 100 अन्य लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। कमांडेंट ने कहा कि स्वच्छ परिसर और स्वच्छ वातावरण ही स्वस्थ एवं सशक्त बल की पहचान है। उन्होंने पौधरोपण के साथ लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने पर भी जोर दिया।

# गंडक का जलस्तर घटा, एसएच-74 से बाढ़ का पानी हटा आवागमन सुचारू

प्रातः किरण संवाददाता

संग्रामपुर गंडक नदी के जलस्तर में कमी आने के बाद एसएच-74 से बाढ़ का पानी उतर गया है, जिससे सड़क पर आवागमन फिर से सामान्य हो गया है। हालांकि इजरा पासवान टोला सहित वार्ड छह और सात के सैकड़ों घरों में अभी भी बाढ़ का पानी जमा है। पुछरिया गांव के निचले हिस्से में भी कई घर पानी से घिरे हुए हैं। पानी कम होने के बावजूद ग्रामीणों की परेशानी बरकरार है इजरा के बाढ़ पीड़ित इंदल पासवान, हरेंद्र पासवान, कमेश्वर पासवान, दिग्विजय पासवान और बागेश्वर पासवान, बानकी देवी ने बताया कि घरों में पानी रहने के कारण परिवार के लोग चंपारण तटबंध के किनारे शरण लेने को मजबूर हैं। ग्रामीणों के अनुसार पिछले दिनों की तुलना में पानी करीब तीन से चार फीट कम हुआ है। लेकिन घरों में पानी जमा रहने से जनजीवन अभी सामान्य नहीं हो सका है। तटबंध पर रहने वाले लोगों को घर लौटने के लिए पानी पूरी तरह उतरने का इंतजार है। बाढ़ पीड़ितों ने बताया कि रात के समय तटबंध पर अंधेरा रहने से परेशानी बढ़ जाती है। उन्होंने प्रशासन से तटबंध पर पर्याप्त रोशनी के लिए लाइट की व्यवस्था कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि जलस्तर में कमी राहत की बात है, लेकिन प्रभावित परिवारों को अभी भी प्रशासनिक सहायता और सुरक्षित आश्रय की जरूरत है।

# बाढ़ के बाद वीटीआर में वन्यजीवों की तलाश तेज, तीन रेंजों में खोजी अभियान

प्रातः किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (वीटीआर) में भीषण बाढ़ के बाद वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर खोजी अभियान तेज कर दिया गया है। बाढ़ का पानी उतरने के बाद जंगल और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में जानवरों के झाड़ियों, गड्ढों और दलदली इलाकों में फंसे होने की आशंका को देखते हुए वन विभाग की टीमों को अभियान में लगाया गया है। वीटीआर के बाढ़ प्रभावित वाल्मीकिनगर, मदनपुर और बगहा रेंज में वनकर्मियों की अलग-अलग टीमें गठित कर पिछले तीन दिनों से लगातार खोजी अभियान चलाया जा रहा है। टीमें द्वारा जंगल के उन हिस्सों में विशेष निगरानी की जा रही है, जहां बाढ़ का पानी अधिक समय तक जमा रहा था। वाल्मीकिनगर रेंजर सत्यम कुमार, मदनपुर रेंजर नसीम अहमद और बगहा रेंजर श्रीमान मलाकार ने बताया कि बाढ़ का पानी उतरने के बाद से पिछले तीन दिनों से वनकर्मियों की टीमें जंगल और प्रभावित क्षेत्रों में खोजी अभियान चला रही हैं। झाड़ियों, गड्ढों और दलदली स्थानों में वन्यजीवों के फंसे होने की आशंका को देखते हुए संवेदनशील इलाकों की जांच की जा रही है। बताया गया कि तीनों रेंज के कुछ जंगलों का हिस्सा गंडक नदी के किनारे स्थित है। पिछले दिनों गंडक नदी में आई भीषण बाढ़ के कारण इन इलाकों में पानी का दबाव काफी बढ़ गया था। पानी उतरने के बाद अब वन विभाग वन्यजीवों की स्थिति का जायजा लेने के साथ जरूरत पड़ने पर रेस्क्यू अभियान भी चला रहा है। बताते हैं, वन विभाग की टीमें जंगल में लगातार गश्त कर वन्यजीवों की गतिविधियों पर नजर रख रही हैं।

# 16 अक्टूबर से शुरू होगा वीटीआर का पर्यटन सत्र हेली टूरिज्म और थारू संस्कृति बढ़ाएंगे रोमांच

प्रातः किरण संवाददाता

बगहा। बिहार के इकलौते वाल्मीकि टाइगर रिजर्व (श्ल्फ) में मानसून के कारण बंद पर्यटन गतिविधियां अब नए सत्र के साथ फिर शुरू होने जा रही हैं। वन विभाग की ओर से पर्यटन सत्र की शुरुआत 16 अक्टूबर से किए जाने की संभावना है। हालांकि अंतिम निर्णय मौसम और जंगल की स्थिति को देखते हुए लिया जाएगा। सैलानियों के स्वागत को लेकर वन विभाग और राज्य सरकार की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इस बार वीटीआर आने वाले पर्यटकों के लिए जंगल सफारी के साथ कई नए आकर्षण भी देखने को मिलेंगे। इनमें द्धमुख्यमंत्री बिहार हेली-टूरिज्म सेवा योजना 2026द्ध को प्रमुख आकर्षण के रूप में देखा जा रहा है। इसके तहत पटना से वाल्मीकिनगर के बीच हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की गई है। सब्सिडी के बाद इसका किराया 5,000 रुपये प्रति व्यक्ति एक तरफ निर्धारित किया गया है। सेवा प्रत्येक शनिवार और रविवार को संचालित होने की जानकारी दी गई है। वीटीआर में इस बार जंगल सफारी के साथ स्थानीय थारू संस्कृति को भी पर्यटन से जोड़ने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। शाम के समय पर्यटकों के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें थारू कलाकारों का पारंपरिक झमटा नृत्य और लट्ठी नाच (स्टिक डांस) प्रमुख आकर्षण होंगे।

# गांधी जयंती पर गांधी आश्रम में विधायक ने किया माल्यार्पण

प्रातः किरण संवाददाता

सुगौली, पू.चः राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को थाना चौक स्थित गांधी स्मारक में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान स्थानीय विधायक राजेश कुमार उर्फ बबलू गुप्ता ने गांधी जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और नमन किया। विधायक के पहुंचने पर मौजूद कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया। श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद विधायक बबलू गुप्ता ने गांधी समारक परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, सादगी और मानव सेवा के लिए समर्पित रहा। उनके विचार आज भी समाज और देश को सही दिशा देने का काम कर रहे हैं। गांधी जी के आदर्शों को केवल स्मरण करने के बजाय उन्हें अपने दैनिक जीवन में अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गांधी जयंती हमें सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने तथा समाज में आपसी भाईचारा, प्रेम और सद्भाव कायम रखने की प्रेरणा देती है। साथ ही पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का भी आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय लोगों ने गांधी जी के आदर्शों को अपनाने और समाजहित में कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर राजेश्वर ठाकुर, दुर्गा प्रसाद, चंदन गुप्ता, अवध पटेल, रिंटू मिश्रा, अमरकिशोर पटेल, रोबिन पासवान सहित कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

# जब तक बाढ़ का पानी पूरी तरह निकल नहीं जाए तब तक राहत कार्य जारी रहे

मोतिहारी श्रवण कुमार, मंत्री, ग्रामीण विकास विभाग तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, बिहार सरकार सह प्रभारी मंत्री पूर्वी चंपारण की अध्यक्षता में बाढ़ आपदा से संबंधित समीक्षा बैठक पूर्वी चंपारण समाहरणालय मोतिहारी स्थित डॉ राधाकृष्णन सभागार में संपन्न हुई। बैठक में सांसद पूर्वी चंपारण राधा मोहन सिंह, विधायक प्रमोद कुमार, श्याम बाबू प्रसाद यादव, राजेश कुमार उर्फ बबलू गुप्ता, सचिंद्र प्रसाद सिंह, विधान पार्षद महेश्वर सिंह, वीरेंद्र नारायण यादव, पूर्व सांसद रामादेवी, जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, नगर आयुक्त आशीष कुमार, अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा, उप विकास आयुक्त डॉ प्रदीप कुमार सहित पूर्वी चंपारण जिला के सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी कार्य विभागों के अभियंता उपस्थित थे। सर्वप्रथम जिलाधिकारी के द्वारा उपस्थित सभी महानुभावों का स्वागत किया गया तत्पश्चात पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से बाढ़ आपदा से बचाव एवं राहत कार्यों की जानकारी दी गई। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि दिनांक 23.9.2026 को आईएमडी द्वारा चेतावनी प्रकाशित की गई कि नेपाल के तराई क्षेत्र में अत्यधिक वर्षापात होने की संभावना है जिस कारण जिला अंतर्गत बहने वाली नदियों के जलस्तर में अप्रत्याशित वृद्धि हो सकती है उक्त सूचना के आलोक में जिला प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण किया गया तथा जनमानस को मैकिंग के माध्यम से सचेत रहने एवं उच्च स्थान पर शरण लेने हेतु जन जागरूकता फैलाई गई। इस दौरान गंडक नदी के संबंधित चंपारण तटबंध सहित अन्य रिंग बांध की सुरक्षा के मध्य नजर पेट्रोलिंग बढ़ाई गई। 28 सितंबर को मुख्यमंत्री के द्वारा डुमरिया घाट में गंडक नदी के जलस्तर का निरीक्षण किया गया एवं बाढ़ से बचाव की तैयारी के संबंध में सभी तरह के निर्देश दिए गए। जिला प्रशासन के द्वारा प्राप्त निर्देशों का शीघ्र क्रियान्वयन कराया गया। इसमें स्थानीय जनता और जनप्रतिनिधियों का भरपूर सहयोग मिला जिसके कारण पूर्वी चंपारण के सभी तटबंध सुरक्षित रहे एवं बाढ़ से यथासंभव बचाव सुनिश्चित किया गया। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि पूर्वी चंपारण जिला के कुल चार अंचल संग्रामपुर, अरेराज, केसरिया और पहाड़पुर के कुल 17 पंचायत बाढ़ से प्रभावित हुए हैं जिसके अंतर्गत कुल 48908 की आबादी प्रभावित हुई है। जिला प्रशासन के द्वारा बाढ़ प्रभावित इलाकों में बिना समय गंवाए राज्य सरकार की मानक संचालन प्रक्रिया अंतर्गत राहत कार्य प्रारंभ कराया गया। बाढ़ की पानी से घिरे लोगों को बाहर निकालने के लिए नाव एवं मोटर बोट का उपयोग शीघ्र प्रारंभ कराया गया। ड्रोन के माध्यम से बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया गया ताकि कहीं कोई पानी में फंसा हुआ तो नहीं है। संग्रामपुर प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय प्रभु टोला में राहत केंद्र का संचालन प्रारंभ कराया गया। निचले इलाकों से बांधो पर आए हुए लोगों के लिए आवश्यकता अनुसार सामुदायिक रसोई का संचालन कराया गया एवं पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था की गई। स्वास्थ्य जांच के लिए मेडिकल टीम लगातार सक्रिय रही। पशुपालन विभाग के द्वारा पशुओं के लिए पशु चारा का इंतजाम कराया गया। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि जिले में कुल 28 सामुदायिक रसोई अभी संचालित किया जा रहे हैं जहां 64725 लोगों ने भोजन ग्रहण किया है इसके अतिरिक्त केसरिया और अरेराज में 3485 ड्राई राशन पैकेट का वितरण किया गया है लोगों की सुविधा को देखते हुए 9674 पॉलिथीन शीट्स का वितरण कराया गया है। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा मेडिकल कैंप लगाकर 4000 से ज्यादा लोगों का स्वास्थ्य जांच किया किया गया है इस दौरान 1484 लोगों का इलाज की गई है और दवा उपलब्ध कराई गई है। बाढ़ का पानी अब घटना शुरू हो गया है और जहां से भी पानी निकल रहा है वहां ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव शुरू कर दिया गया है। अब तक 576 ´ ब्लीचिंग पाउडर का वितरण किया गया है। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि जिला आपातकालीन संचालन केंद्र 24*7 तीनों पालियों में संचालित है जिसका दुर्घटना संख्या 06252 242418 है।

# गांधी-शास्त्री जयंती पर विद्यालयों में विविध कार्यक्रम, 150 पौधे लगाए

प्रातः किरण संवाददाता

बगहा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती गुरुवार को बगहा क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विश्व अहिंसा एवं मुस्कान दिवस के रूप में भी कार्यक्रम आयोजित किए गए। सेंटजेवियर विद्यालय में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, वहीं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधरोपण अभियान भी चलाया गया। विद्यालय में विद्यार्थियों के लिए निबंध, भाषण एवं ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर अपनी रचनात्मकता और विचारों को प्रस्तुत किया। इसके साथ ही द्वाएक पेड़ मां के नामद्ध अभियान के तहत आम, पीपल सहित करीब 150 पौधे लगाए गए। पौधरोपण के माध्यम से विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक मनोज कुमार ने कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा को केवल स्वतंत्रता आंदोलन का माध्यम नहीं बनाया, बल्कि इसे जीवन जीने का मार्ग बताया। वहीं शिवनाहा उत्क्रमित विद्यालय, झरहवा माध्यमिक विद्यालय, दरुआबारी एवं कनघुसरी विद्यालय में भी गांधी जयंती के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यालयों में बापू के चित्र पर माल्यार्पण करने के बाद विद्यार्थियों ने प्रभात फेरी निकाली। प्रभात फेरी के माध्यम से विद्यार्थियों ने सत्य, अहिंसा, प्रेम, स्वच्छता और आपसी सद्भाव का संदेश दिया।

# संग्रामपुर बरियारिया शिव मंदिर के परिसर में गांधी जयंती पर चला स्वच्छता अभियान

प्रातः किरण संवाददाता

संग्रामपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर गुरुवार को संग्रामपुर प्रखंड के उत्तरी बरियरिया पंचायत के स्थित शिव मंदिर परिसर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। यह अभियान लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसमें पंचायत कर्मियों, स्वच्छता कर्मियों एवं स्थानीय समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्वच्छता अभियान की अध्यक्षता एवं देखरेख स्वच्छता पर्यवेक्षक संतोष पाण्डेय ने की। अभियान के दौरान शिव मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में जमा कचरे, गंदगी और अनावश्यक झाड़ियों की सफाई की गई। सफाई के बाद मंदिर परिसर को व्यवस्थित एवं स्वच्छ बनाया गया, जिससे श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर स्वच्छता पर्यवेक्षक संतोष पाण्डेय ने कहा कि महात्मा गांधी ने स्वच्छता को स्वस्थ एवं सशक्त समाज की आधारशिला माना था। गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता अभियान चलाना केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उनके स्वच्छता संबंधी विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास है। उन्होंने लोगों से अपने आसपास के सार्वजनिक स्थलों, मंदिरों, सड़कों एवं अन्य स्थानों को स्वच्छ रखने तथा कचरे को निर्धारित स्थान पर ही डालने की अपील की। अभियान में शामिल पंचायत कर्मियों एवं समाजसेवियों ने भी स्वच्छता को नियमित जीवनशैली का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। लोगों ने कहा कि सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई केवल प्रशासन या पंचायत की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें आम नागरिकों की सहभागिता भी जरूरी है। स्थानीय ग्रामीणों ने गांधी जयंती के अवसर पर मंदिर परिसर में चलाए गए इस स्वच्छता अभियान की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियानों से लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ती है और सार्वजनिक स्थलों को साफ रखने की भावना मजबूत होती है। अभियान के दौरान पंचायत कर्मियों, स्वच्छता कर्मियों, समाजसेवियों एवं स्थानीय ग्रामीणों की सहभागिता रही। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुंदर पंचायत, स्वस्थ समाज के संदेश को मजबूत करना रहा।

# बाढ़ से फसल बर्बाद होने पर किसानों का प्रदर्शन, मुआवजे की मांग

प्रातः किरण संवाददाता

बगहा। गंडक नदी के बढ़े जलस्तर के बाद कैलाशनगर दियारा क्षेत्र में सैकड़ों एकड़ में लगी फसल बर्बाद होने से आक्रोशित करीब 250 किसानों ने शुक्रवार को कैलाशनगर नारायणपुर घाट पर प्रदर्शन किया। किसानों ने प्रशासन से दियारा क्षेत्र में फसल क्षति का स्थल निरीक्षण कराने, वास्तविक नुकसान का आकलन करने और प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों ने बताया कि गंडक नदी का जलस्तर बढ़ने के बाद नारायणपुर घाट से दियारा क्षेत्र के लिए नाव का परिचालन बंद कर दिया गया था। इसके कारण कई दिनों तक किसान अपने खेतों तक नहीं पहुंच सके। पानी घटने के बाद नाव का परिचालन शुरू हुआ तो किसान खेतों में पहुंचे। वहां फसलों की स्थिति देखकर उन्हें बड़े पैमाने पर नुकसान की जानकारी हुई। किसानों ने बताया कि फसल क्षति को लेकर प्रशासन को सामूहिक आवेदन दिया जाएगा। उन्होंने संबंधित विभाग की टीम को दियारा क्षेत्र में भेजकर खेतों का स्थल निरीक्षण कराने और सरकारी स्तर पर फसल क्षति का आकलन कराने की मांग की है। किसानों का कहना है कि खेती ही उनकी आजीविका का मुख्य आधार है। बाढ़ और अन्य कारणों से फसल बर्बाद होने के बाद परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। किसानों ने प्रशासन से जल्द से जल्द क्षति का आकलन कर उचित मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की।

# बाढ़ के कारण टापू बने सोहगीबारवा में पांच दिनों से नेटवर्क ठप, हजारों लोग परेशान

बगहा। नारायणी नदी के पार बाढ़ के कारण टापू बने सोहगीबारवा क्षेत्र में पिछले पांच दिनों से मोबाइल नेटवर्क सेवा ठप रहने से करीब 50 हजार की आबादी को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बाढ़ के पानी में मोबाइल टावर का जनरेटर डूब जाने के बाद से नेटवर्क सेवा बाधित है। कई दिन बीत जाने के बावजूद सेवा बहाल नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार सोहगीबारवा क्षेत्र में एयरटेल, जियो और वोडाफोन-आइडिया समेत विभिन्न कंपनियों की मोबाइल सेवाओं पर लोग निर्भर हैं। नेटवर्क बंद होने से लोगों का अपने परिजनों से संपर्क करना मुश्किल हो गया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र होने के कारण आपात स्थिति में प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस अथवा बचाव दल से संपर्क करने में भी लोगों को परेशानी हो रही है। लोगों का कहना है कि बाढ़ जैसी आपदा के दौरान संचार व्यवस्था सबसे महत्वपूर्ण होती है। स्थानीय लोगों ने संबंधित टेलीकॉम कंपनियों और प्रशासन से सोहगीबारवा में तकनीकी टीम भेजकर जल्द से जल्द नेटवर्क सेवा बहाल कराने की मांग की है। साथ ही बाढ़ जैसी आपदा के दौरान संचार व्यवस्था बनाए रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने की भी मांग उठाई गई है। लोगों का कहना है कि बाढ़ के कारण पहले ही सोहगीबारवा क्षेत्र का संपर्क प्रभावित है और अब मोबाइल नेटवर्क ठप होने से लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

# गांधी जयंती के मौके पर , नशा मुक्ति स्वास्थ्य एवं सशक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने को लेकर डीएम ने लोगों से की अपील

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर शुक्रवार को गांधी चौक एवं शास्त्री चौक स्थित उनकी प्रतिमाओं पर जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर एवं पुलिस अधीक्षक सैयद इमरान मसूद ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर महापौर कुमकुम देवी, अपर समाहर्ता आपदा संजय कुमार, उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं गणमान्य उपस्थित थे। इस अवसर पर जिलाधिकारी निखिल धनराज निप्पाणीकर ने कहा कि महात्मा गांधी का जीवन सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, सादगी एवं जनसेवा का संदेश देता है, वहीं लाल बहादुर शास्त्री का जीवन ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, सादगी और राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। दोनों महान विभूतियों के विचार आज भी समाज और राष्ट्र के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने कहा कि जयंती केवल महापुरुषों को स्मरण करने का अवसर नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को अपने आचरण एवं कार्यशैली में आत्मसात करने का संकल्प लेने का भी दिन है। हम सभी अपने दायित्वों का ईमानदारी एवं निष्ठा से निर्वहन करें, स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में योगदान दें तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध रहें। यही महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जिलाधिकारी ने विशेष रूप से युवा पीढ़ी में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी देश की सबसे बड़ी शक्ति है। यदि युवा नशे की गिरफ्त से दूर रहेंगे, तभी वे अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और क्षमता का उपयोग राष्ट्र निर्माण में कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं को हर प्रकार के नशे से दूर रखने की जिम्मेदारी केवल प्रशासन की नहीं, बल्कि परिवार, समाज और प्रत्येक नागरिक की भी है। इसके लिए आमजन को सक्रिय भूमिका निभाते हुए निरंतर जागरूकता एवं सामाजिक पहल करने की आवश्यकता है। उन्होंने जिलेवासियों से गांधीजी के स्वच्छता, सत्य एवं अहिंसा के संदेश तथा शास्त्री जी के जय जवान, जय किसान के आदर्शों को आत्मसात करते हुए स्वच्छ, नशामुक्त, स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

# शास्त्री जी की जयंती पर जीकेंसी ने किया पौधारोपण

प्रात : किरण संवाददाता

सिवान। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर सिवान के प्रसिद्ध राजेंद्र पार्क में ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस (ऋड्उ), सिवान परिवार के तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण एवं शहर में हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने लाल बहादुर शास्त्री जी के विचारों और उनके सादगीपूर्ण जीवन को याद करते हुए उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। अध्यक्ष नीलेश वर्मा ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेशकार्यक्रम को संबोधित करते हुए ऋड्उ सिवान के अध्यक्ष नीलेश वर्मा ने कहा कि महापुरुषों को सच्ची श्रद्धांजलि केवल उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करने से नहीं, बल्कि उनके विचारों को अपने व्यवहार और कार्यों में उतारने से होगी। लाल बहादुर शास्त्री जी ने सादगी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल पौधा लगाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, स्वस्थ पर्यावरण और बेहतर भविष्य सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को वर्ष में कम से कम कुछ पौधे लगाकर उनकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए। ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस ने प्रशासन से यह भी अपील की कि सिवान शहर में लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा स्थापित करने के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध कराया जाए, ताकि उनकी स्मृति शहर से जुड़ सके और युवा पीढ़ी उनके जीवन एवं राष्ट्रसेवा से प्रेरणा ले सके। कार्यक्रम में ऋड्उ के उपाध्यक्ष विनोद श्रीवास्तव, महासचिव विकास आनंद, सचिव कुमार प्रशांत, राकेश सहाय, सह सचिव अजीत कुमार सिन्हा, मुख्य मीडिया प्रभारी आकाश कुमार, पुष्कर कुमार, पीयूष आनंद, अमरेश कुमार श्रीवास्तव, अतुल श्रीवास्तव एवं आनंद शंकर श्रीवास्तव सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर डेनियल सोशल वर्क ग्रुप की ओर से पौधा भेंट कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली का संदेश दिया गया। उपस्थित लोगों ने समाजसेवा के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा बनाने तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का आह्वान किया।

## संक्षिप्त खबरें

### ज्ञानेश कुमार की गिरफ्तारी की मांग को लेकर आरवाईए ने फूंका पुतला

सीवान/दारौंदा इंकलाबी नौजवान सभा (आरवाईए) की ओर से शुक्रवार को पिपरा मोड़ से मार्च निकालकर स्टेशन रोड के सामने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उनके इस्तीफे और गिरफ्तारी की मांग को लेकर नारेबाजी की। पुतला दहन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इंकलाबी नौजवान सभा के जिला सचिव जयशंकर पंडित ने कहा कि ज्ञानेश कुमार के खिलाफ वोट चोरी के आरोपों का मामला सामने आने से देश के लोगों में चिंता है। उन्होंने कहा कि आजादी के लिए लाखों लोगों की शहादत के बाद देशवासियों को मतदान का अधिकार मिला है, जिसे छीने जाने का आरोप गंभीर है। उन्होंने बिहार चुनाव में वोट चोरी का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे बिहार की जनता को नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है, लेकिन प्रशासन द्वारा उसे दबाने का प्रयास किया जा रहा है। ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और गिरफ्तारी तक आंदोलन जारी रखने की बात कही गई। पुतला दहन में रामायण यादव, अरविंद प्रसाद, नागेंद्र यादव, कमलेश राम, जगलाल यादव, सुभाष पंडित, बाबा, चंदेश्वर महतो, अभिषेक यादव, रामलाल राम सहित अन्य नौजवान नेता शामिल थे।

### बिजली चोरी के खिलाफ छापेमारी सात पर प्राथमिकी

सीवान/दारौंदा प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में शुक्रवार को विद्युत विभाग की टीम ने ऊर्जा चोरी के खिलाफ अभियान चलाकर सात लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की। सहायक अभियंता दिलीप कुमार के नेतृत्व में हुई छापेमारी के दौरान बिजली चोरी के मामले सामने आने पर संबंधित लोगों पर जुमार्ना लगाया गया तथा प्राथमिकी दर्ज कराई गई। विद्युत विभाग के अनुसार हाथोपुर निवासी उषा देवी पर 26,805 रुपये, कौथुआ सारंगपुर के भाउ छपरा निवासी पंकज कुमार सिंह पर 49,378 रुपये, शत्रुघ्न सिंह पर 59,759 रुपये, नरेंद्र सिंह पर 25,935 रुपये, यशवंत प्रताप सिंह पर 19,915 रुपये, राजकली देवी पर 22,070 रुपये तथा लीलावती देवी पर 9,061 रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। विभाग ने बताया कि ऊर्जा चोरी के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

# शांति और सौहार्द पूर्ण और भक्ति भाव तरीके से मनाई दुर्गा पूजा : एसडीओ

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर) दुर्गा पूजा पर्व शांति व सौहार्द पूर्ण तथा भक्ति भाव तरीके से मनाने को लेकर हवेली खड़गपुर अनुमंडल कार्यालय सभागार में शांति समिति सदस्यों की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता एसडीओ डॉ प्रेम कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि पूजा समिति के लोग हर हाल में लाइसेंस ले ले। लाइसेंस में प्रतिमा विसर्जन की जो समय निर्धारित होगी उसी समय पर प्रतिमा को विसर्जन करना है। पूजा समिति के लोग अपने वॉलिंटियर को परिचय पत्र वह ड्रेस कोड दें। ताकि वॉलिंटियर्स की पहचान भीड़ में भी हो सके। डीजे पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा रहेगा। मेले के दौरान उपद्रवियों पर प्रशासन की विशेष नजर रहेगी। किसी भी प्रकार की अफवाह, सोशल मीडिया पर एआई के दौर में फैल रहे या सूचना मिले तो इसकी जानकारी तुरंत प्रशासन को भी उपलब्ध कराएं ताकि समस्याओं का निराकरण हो सके। साथ ही साथ बैठक में रोशनी की व्यवस्था साफ सफाई, पेयजल, सड़क की मरम्मति, पूजा पंडालून में सीसीटीवी कैमरा, डीजे पूर्णता बंद रखने के अलावे कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। इस मौके पर एसडीपीओ अभय कुमार, मुख्य पार्षद प्रभु शंकर, उपमुख्य पार्षद दीपक कुमार, डीसीएलआर हरेंद्र कुमार सिंह, कार्यपालक पदाधिकारी विशाल मोहन, इंस्पेक्टर अरविंद कुमार थानाध्यक्ष राजेश कुमार, अभिषेक कुमार, टेटिया बंबर थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार केहरी, खड़गपुर बीडीओ संजय कुमार, टेटिया बंबर बीडीओ निशा राय, राजस्व पदाधिकारी आशीष यादव, टेटिया बंबर राजस्व पदाधिकारी विकास कुमार, मनोज कुमार रघु, राकेश चंद्र सिन्हा, अमित कुमार, नितेश कुमार, निरंजन मिश्रा, साकेत कुमार, विशाल चौरसिया , इनामुल हक आदि के अलावे कई शांति समिति सदस्य मौजूद थे।

# नाबालिग के अपहरण के आरोप में दरौंदा थाने में प्राथमिकी

दरौंदा। थाना क्षेत्र में नाबालिग के अपहरण के आरोप में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है. मामले को लेकर पीड़ित परिजन ने थाने में आवेदन देकर नाबालिग को बरामद करने तथा आरोपित के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है. आवेदन के आधार पर दरौंदा थाना में कांड संख्या 418/26 दर्ज किया गया है. आवेदन में परिजन ने बताया है कि एक अक्तूबर 2026 को करीब 11 बजे दिन में इंटर का परीक्षा फॉर्म भरने के लिए घर से कह कर निकली थी. देर शाम घर वापस नहीं आई तो परिजनों ने खोजबीन शुरू कर दिया. बाद में नाबालिग के घर से गायब होने की जानकारी मिली. काफी खोजबीन के बाद भी उसका पता नहीं चल सका. परिजनों के अनुसार, इस दौरान मोबाइल फोन के माध्यम से संपर्क करने का प्रयास किया गया. आवेदन में कुछ मोबाइल नंबरों का भी उल्लेख किया गया है. परिजनों ने पुलिस को बताया कि नाबालिग के अचानक गायब होने से परिवार के लोग काफी परेशान हैं. उन्होंने आशंका जताते हुए पुलिस से मामले की जांच कर नाबालिग को सकुशल बरामद करने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है. आवेदन के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है. प्राथमिकी की जांच कर दी है. पुलिस मामले में संबंधित लोगों से पूछताछ और नाबालिग की बरामदगी के लिए कार्रवाई कर रही है।

# हेमजापुर में रिफॉर्म उत्सव ग्राम सभा का आयोजन , गांधी के आदर्शों को आत्मसात करने का लिया संकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

धरहरा (मुंगेर)। गांधी जयंती के अवसर पर धरहरा प्रखंड की हेमजापुर पंचायत में गुरुवार को रिफॉर्म उत्सव ग्राम सभा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मेरा युवा भारत, मुंगेर के तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन पंचायत के मुखिया सह मुख्य अतिथि संजय कुमार एवं विशिष्ट अतिथि सरपंच तीतू महतो ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान उपस्थित लोगों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। ग्राम सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा और स्वच्छता के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने युवाओं से गांधीजी के आदर्शों को जीवन में आत्मसात कर स्वच्छता, सेवा और सामाजिक सद्भाव के कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। सभा में उपस्थित युवाओं और ग्रामीणों ने स्वच्छता, सेवा भावना और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में पंचायत के सभी वार्ड सदस्य भी मौजूद रहे। इस अवसर पर सरवन यादव, रवि रोशन कुमार, पूजा देवी, अमित कुमार, सुमित कुमार, सोनी देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और युवा उपस्थित थे।

# पीएम. श्री गांधी हाई स्कूल में एनसीसी स्थापना समारोह का आयोजन

मुंगेर/ भागलपुर। पीएम श्री गांधी हाई स्कूल, जमीन मुरहनहाट, गोराडीह, भागलपुर में आज 4 बिहार बटालियन एन सी सी , भागलपुर के तत्वावधान में एनसीसी स्थापना समारोह का गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल विकास मंडल, सूबेदार मेजर सीतल सिंह, बी. एच. एम. रणजीत सिंह एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अमित कुमार शुक्ला की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत से हुआ। इसके पश्चात एनसीसी गीत प्रस्तुत किया गया । लेफ्टिनेंट कर्नल विकास मंडल ने अपने संबोधन में एनसीसी के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व, आत्मविश्वास एवं राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक योग नृत्य की प्रस्तुति दी गई, जिसने कार्यक्रम में उत्साह और ऊर्जा का संचार किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। यह आयोजन विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व एवं राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रहा।

# विक्रमशिला एक्सप्रेस की चपेट में आया युवक , ईलाज के क्रम में हुई मौत

धरहरा (,मुंगेर): दशरथपुर रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को 40 वर्षीय युवक विक्रमशिला एक्सप्रेस की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान धरहरा थाना क्षेत्र के बंगालवा गांव निवासी अनिल पाल के रूप में हुई है। बताया गया कि अनिल सुबह करीब 10 बजे नाश्ता करने के बाद घर से निकले थे। करीब चार घंटे बाद परिजनों को फोन पर सूचना मिली कि दशरथपुर स्टेशन पर ट्रेन की चपेट में आने से वह घायल हो गए हैं। सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे। घटना के दौरान अनिल स्टेशन के ऊपरी पुल के नीचे प्लेटफॉर्म पर खड़े थे, तभी 12367 अप विक्रमशिला एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। घायल को स्वास्थ्य विभाग की एंबुलेंस से धरहरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अविनाश कुमार ने प्राथमिक उपचार किया। हालत गंभीर देखते हुए उन्हें सदर अस्पताल, मुंगेर रेफर कर दिया गया। रास्ते मे ही युवक की मौत हो गई।

# गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर विद्यार्थियों को दिलाई देशसेवा की प्रेरणा

प्रात : किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर) सुभाष चंद्र कादंबरी साहा सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, झील पथ, हवेली खड़गपुर के परिसर स्थित वंदना सभा स्थल पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद विद्यालय में वंदना कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के वरिष्ठ आचार्य कुमोद कुमार मिश्रा एवं निरंजन कुमार ने महात्मा गांधी तथा लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, संघर्ष, विचारों और देश के प्रति उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने विद्यार्थियों से दोनों महापुरुषों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय कुमार ने कहा कि देशसेवा के मार्ग में गरीबी कभी बाधक नहीं बन सकती। महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री का जीवन इस बात का प्रेरणादायी उदाहरण है कि कठिन परिस्थितियां भी व्यक्ति को अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने से नहीं रोक सकतीं। इसके लिए दृढ़ संकल्प, अथक परिश्रम, अनुशासन, जुनून और राष्ट्र के प्रति समर्पण आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा के माध्यम से देश को नई दिशा दी, वहीं लाल बहादुर शास्त्री ने सादगी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया। दोनों महापुरुषों का जीवन आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। कार्यक्रम में विद्यालय के आचार्य संजीव कुमार, अजीत कुमार मंडल, सावन कुमार, विनय कुमार, अमरेंद्र कुमार, आचार्या रानी, अमृता एवं मनीषा सहित विद्यालय के सेवक जितेंद्र कुमार झा एवं सेविका सविता देवी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों ने भी महापुरुषों के जीवन एवं आदर्शों से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया।

# गांधी जयंती पर सदर प्रखंड की पंचायतों में ग्राम सभा का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। 2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर सदर प्रखंड अंतर्गत विभिन्न पंचायतों में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इसी क्रम में शंकरपुर पंचायत में मुखिया मोना भारती की अध्यक्षता में पंचायत सरकार भवन के प्रांगण में ग्राम सभा आयोजित की गई। वहीं मुखिया ने आए हुए अतिथियों को बुके देकर सम्मानित किया। ग्राम सभा में पंचायती राज विभाग, पटना से आई पदाधिकारी डॉ. ममता ने ग्रामीणों को ग्राम सभा के अधिकारों एवं महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही वित्तीय वर्ष 2027-28 के लिए विकास योजनाओं की तैयारी को लेकर भी चर्चा की गई। मुखिया मोना भारती ने ग्राम सभा में आए सभी ग्रामीणों का स्वागत करते हुए कहा कि उन्हें खुशी है कि इस बार ग्राम सभा में पुरुषों के साथ-साथ महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी दिखाई है। इससे प्रतीत होता है कि महिलाएं अब अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो रही हैं। इस अवसर पर जिला नोडल पदाधिकारी संदीप कुमार, पंचायत सचिव सिकंदर कुमार, पूर्व मुखिया दीपक कुमार मुन्ना, स्वच्छता पर्यवेक्षक अखिलेश कुमार राय, वार्ड सदस्य, आंगनबाड़ी सेविकाएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

# गांधी जयंती के मौके पर परिवार विकास संस्थान आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। गांधी जयंती के मौके पर जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन परियोजना के अंतर्गत परिवार विकास संस्था द्वारा मुंगेर जिले के बरियारपुर प्रखंड के कल्याणपुर पंचायतों में बाल विवाह मुक्त पंचायत बनाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं पंचायत पदाधिकारियों द्वारा शपथ ग्रहण लिया गया। इस अवसर पर पंचायत के मुखिया एवं पंचायत सचिव सहित ग्रामीणों ने अपने पंचायत को बाल विवाह मुक्त बनाने व बाल विवाह की रोकथाम के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प लिया। इस मौके पर मुखिया अशोक कुमार मंडल एवं पंचायत सचिव सोनी कुमारी ने बाल विवाह के विरुद्ध जागरूकता फैलाने, बाल विवाह की सूचना मिलने पर संबंधित विभाग को सूचित करने तथा पंचायत को बाल विवाह मुक्त बनाने में सहयोग करने की शपथ ली। बरियापुर प्रखंड के अंतर्गत बरियापुर उत्तरी पंचायत में पंचायत की बच्चियों द्वारा मुखिया अशोक कुमार मंडल को एक आवेदन सौंपा । आवेदन में बच्चियों ने मांग की कि उनका पंचायत बाल विवाह मुक्त पंचायत बने ताकि वे सुरक्षित एवं बेहतर जीवन जी सकें तथा अपने निर्धारित लक्ष्यों और सपनों को प्राप्त कर सकें। आवेदन को स्वीकार करते हुए मुखिया ने बच्चियों को आश्वासन दिया कि वे पंचायत के सभी ग्रामीणों से आग्रह करेंगे कि कोई भी अपने बच्चों का बाल विवाह न कराए और पंचायत को बाल विवाह मुक्त बनाने में सहयोग करें। कार्यक्रम के दौरान परिवार विकास संस्था की ओर से पिंकी कुमारी, पंकज कुमार, कपिलदेव यादव, सहनाज परवीन, प्रवीन कुमार एवं पूजा कुमारी उपस्थित रहे। इस दौरान पंचायत प्रतिनिधियों एवं उपस्थित लोगों को बाल विवाह के दुष्परिणामों तथा इसकी रोकथाम में पंचायत एवं समुदाय की भूमिका के संबंध में भी जानकारी दिया गया ।

# अवैध लकड़ी तस्करी की छापेमारी करने गई वन विभाग की टीम पर हमला

प्रात : किरण संवाददाता

धरहरा (मुंगेर)। पैसरा पहाड़ी क्षेत्र में अवैध लकड़ी तस्करी की सूचना पर छापेमारी करने गई धरहरा वन विभाग की टीम पर बुधवार की रात चोरमारा गांव के समीप ग्रामीणों ने हमला कर दिया। इस दौरान वन विभाग के वाहन पर लाठियां चलाए जाने की सूचना है। घटना में वनरक्षी मनीष कुमार के घायल होने की भी सूचना मिली है। हालांकि, वन विभाग के रेंजर ने किसी के हताहत होने से इनकार किया है। वन विभाग के अनुसार टीम अवैध लकड़ी तस्करी में शामिल माफियाओ की तलाश में पैसरा पहाड़ी क्षेत्र में गई थी। तलाशी के दौरान टीम मलयपुर क्षेत्र के चोरमारा गांव पहुंच गई। इसी दौरान ग्रामीणों ने टीम को घेरकर विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते आक्रोशित लोगों ने वन विभाग के वाहन पर लाठियां चलानी शुरू कर दीं। वन विभाग की टीम में शामिल वनपाल समेत अन्य वनरक्षियों ने भयवश धान के खेत में छिपकर अपनी जान बचाई। बाद में सीआरपीएफ और एसटीएफ की मदद से वनकर्मियों को भीमबांध गंगटा के रास्ते सुरक्षित बाहर निकाला गया। घटना की सूचना मिलने पर लक्ष्मीपुर-भीमबांध क्षेत्र की वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। इधर, ग्रामीणों का आरोप है कि वनकर्मी एक खाली ट्रैक्टर को जब्त करने का प्रयास कर रहे थे, जिसके बाद विवाद बढ़ा। वहीं वन विभाग का कहना है कि टीम अवैध लकड़ी तस्करी की सूचना पर कार्रवाई के लिए गई थी। रेंजर नीरज कुमार सिंह ने बताया कि रात में अवैध लकड़ी तस्करी की सूचना पर वन विभाग के कर्मी छापेमारी के लिए निकले थे। इसी दौरान टीम चोरमारा गांव पहुंच गई, जहां ग्रामीणों ने तस्करी में शामिल लोगों के समर्थन में टीम पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

# दुर्गा पूजा में डीजे बाजा बजाने पर रहेगा पूर्ण प्रतिबंध

तारापुर (मुंगेर)। शुक्रवार के दोपहर बाद तारापुर थाना में दुर्गा पूजा को लेकर विधि व्यवस्था बनाए रखने के लिए शांति समिति की बैठक आयोजित किया गया । गौरतलब है कि दुर्गा पूजा का त्यौहार पूरे सौहार्दपूर्ण एवं भक्तिभाव के साथ आपसी भाईचारा के साथ मनाए जाने का निर्णय सर्वसम्मति से शांति समिति के सदस्यों सहित प्रशासनिक पदाधिकारीयों द्वारा लिया गया । बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी महेश कुमार ने किया। इस बैठक में मुख्य रूप से सभी दुर्गा पूजा समिति के मेढ़पति शांति समिति के सदस्य प्रशासनिक पदाधिकारी मीडिया के सभी साथी अधिवक्ता पंचायत एवं नगर पंचायत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में सर्वप्रथम अनुमंडल पदाधिकारी महेश कुमार एवं डीएसपी देवेंद्र कुमार ने नवरात्रि प्रारंभ के दिनों से विसर्जन तक डीजे बाजा बजाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहने से लेकर सभी मेढ़पतियो को दुर्गा पूजा पंडाल के समीप सीसीटीवी कैमरा लगाने से लेकर एक बड़े ड्रम में पानी और बालू रखने एवं कई आवश्यक निर्देश दिए गए । आगे बताया गया कि प्रत्येक पूजा पंडाल के समीप दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष सचिव कोषाध्यक्ष का नाम एवं मोबाइल नंबर के साथ छोटा सा बैनर हर हाल में लगाना सुनिश्चित करेंगे । जिससे प्रत्येक पूजा पंडाल के समीप मजिस्ट्रेट के साथ शांति व्यवस्था के लिए प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी लगाए गए बैनर पर नाम एवं मोबाइल नंबर से समय-समय पर संपर्क स्थापित कर सके। आगे यह भी बताया गया कि पूजा समिति के अध्यक्षों द्वारा मेला के दौरान अपने हस्ताक्षर से कुछ स्थानीय लोगों को वॉलिंटियर के रूप में बहाल करें जिससे पूजा स्थल के समीप मौजूद दंडाधिकारियों को उनसे समय-समय पर सहयोग मिल सके । बैठक में मुख्य रूप से बताया गया कि प्रतिमा विसर्जन का जो समय लाइसेंस में निर्धारित किया गया है उसे हर हाल में पालन करना अनिवार्य समझा जाए । बैठक में थाना अध्यक्ष राज कुमार प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रशांत कुमार अंचलाधिकारी संतोष कुमार मिथिलेश कुमार सिंह मंटू यादव हरे कृष्णा वर्मा जय कृष्ण सिंह जितेंद्र शर्मा सहित शांति समिति के सभी सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित थे ।

# रानी तालाब में नौका संचालन की ठेकेदारी पर मछुआरों का विरोध, नगर निगम से ठेका रद्द करने की मांग

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। रानी तालाब में नगर निगम द्वारा नौका संचालन के लिए की गई ठेकेदारी का मत्स्यजीवी सहकारी समिति ने कड़ा विरोध किया है। समिति का कहना है कि रानी तालाब का मत्स्य अधिकार मत्स्यजीवी सहकारी समिति लल्लू पोखर के अधीन है। ऐसे में बिना अनुमति के नौका संचालन के लिए ठेका देना उचित नहीं है। मत्स्यजीवी सहकारी समिति लल्लू पोखर के सचिव छोटेलाल साहनी ने कहा कि नगर निगम तालाब का सौंदर्यीकरण कराए या नौका चलाए, इससे समिति को कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन नौका संचालन का काम किसी निजी ठेकेदार को देने का विरोध है। तालाब में मछलियां हैं और मछुआरों की आजीविका इससे जुड़ी है, इसलिए नौका संचालन के दौरान तालाब और मछलियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि नगर निगम को नौका संचालन करना है तो स्वयं करे, ठेकेदारी के माध्यम से नहीं। पहले समिति के साथ-साथ संबंधित विभाग और सरकार से अनापत्ति प्रमाणपत्र लिया जाए, उसके बाद ही संचालन शुरू हो। साहनी ने बताया कि पूर्व में तत्कालीन जिलाधिकारी के साथ हुई वार्ता में समिति ने सुझाव दिया था कि नौका संचालन के दौरान मछुआरा समिति को भी निगरानी की जिम्मेदारी दी जाए ताकि मत्स्य संपदा को नुकसान न पहुंचे। समिति ने नगर निगम से नौका संचालन के डाक और उसकी शर्तों की प्रति उपलब्ध कराने की भी मांग की है, ताकि यह देखा जा सके कि मछुआरों के हितों की सुरक्षा के लिए क्या प्रावधान किए गए हैं।

# दारौंदा में महात्मा गांधी-लाल बहादुर शास्त्री के जयंती पर दी श्रद्धांजलि

सीवान/दारौंदा। दारौंदा प्रखंड कार्यालय परिसर में शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर प्रमुख प्रतिनिधि उमेश सिंह, बीडीओ शिम्पी कुमारी, बीईओ सौरभ सुमन, जीरमजी पीओ राजीव रंजन, नाजिर बिस्मिल्लाह अंसारी सहित अन्य लोगों ने दोनों महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया। कार्यक्रम में अशोक सिंह, मंटू तिवारी, विजय सिंह, रुस्तम अली, हरि प्रेम पासवान, भीम यादव एवं पत्रकार राजीव कुमार भारती समेत अन्य लोग उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के विचारों तथा लाल बहादुर शास्त्री के सादगीपूर्ण जीवन एवं राष्ट्रसेवा को याद किया।

# हरी सिंह कॉलेज में स्वच्छ भारत दिवस एवं गांधी जयंती पर स्वच्छता अभियान आयोजित

प्रात : किरण संवाददाता

मुंगेर। महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर स्वच्छ भारत दिवस के तहत हरी सिंह कॉलेज, हवेली खड़गपुर में एनसीसी कैडेटों द्वारा विभिन्न जागरूकता एवं स्वच्छता संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के साथ पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती भी श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन 4 बिहार बटालियन एनसीसी, भागलपुर के अंतर्गत एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. प्रियंवदा शर्मा के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर एनसीसी कैडेटों ने स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए परिसर में पौधारोपण किया। कैडेटों ने पौधों की देखभाल एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी लिया। स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कैडेटों द्वारा रंगोली का निर्माण भी किया गया, जिसमें स्वच्छता, हरित पर्यावरण एवं सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से कैडेटों ने स्वच्छ एवं स्वस्थ परिसर तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर कैडेट जूली, मेघा, सावंत, रवि, मनीषा, उज्ज्वल, सपना, रोहित सहित अन्य एनसीसी कैडेट उपस्थित रहे और विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. प्रियंवदा शर्मा ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का अभियान नहीं, बल्कि दैनिक जीवन की आदत और सामाजिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने कैडेटों से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक जागरूकता के संदेश को समाज के अन्य लोगों तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के माध्यम से एनसीसी कैडेटों ने स्वच्छता से समृद्धि एवं स्वच्छ पर्व, हरित पर्व के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
पटना, शनिवार, 03 अक्टूबर, 2026

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com
@Pratahkiran
epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran



# संक्षिप्त समाचार

## नशे में धुत सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने पैदल चल रहे सात लोगों को गाड़ी से रौंदा

**हैदराबाद, एजेंसी।** हैदराबाद के कमला नगर इलाके में कुशाइगुडा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर की कार ने पैदल चल रहे लोगों को टक्कर मार दी। यह घटना 29 सितंबर की है। इस मामले में कार ड्राइवर की पहचान सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर हुई है। जांच में सामने आया है कि जब यह हादसा हुआ, तब वो नशे में धुत था। पुलिस ने कार ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना का CCTV फुटेज भी सामने आया है, जो कि सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इस हादसे में सात लोग घायल हो गए, जिनमें से तीन को गंभीर चोटें आईं। बताया जा रहा है कि पीड़ित बिहार के रहने वाले थे। घायलों को इलाज के लिए ECIL इलाके के एक अस्पताल में ले जाया गया। घटना के CCTV फुटेज में देखा जा सकता है कि लोगों का एक समूह सड़क पर चल रहा है और कुछ ही समय के बाद एक कार पीछे से आती है और सभी को टक्कर मार देती है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी पवन शराब के नशे में गाड़ी चला रहा था, तभी कार सड़क किनारे चल रहे पैदल यात्रियों से टकरा गई। घटना के समय कार में एक और व्यक्ति भी मौजूद था। कुशाइगुडा पुलिस ने पवन और उसके साथ यात्रा कर रहे दूसरे व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। मामले की आगे की जांच चल रही है।

## अमरावती समृद्धि महामार्ग पर भीषण सड़क हादसा, 5 की मौत, 18 गंभीर घायल

**अमरावती, एजेंसी।** महाराष्ट्र के अमरावती में आज शुक्रवार तड़के बड़ा सड़क हादसा हो गया. यह हादसा समृद्धि महामार्ग पर हुआ. इस हादसे में करीब 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और लगभग 18 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरा मच गई. वहीं, जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचायाय. दरअसल, धामणगांव रेलवे के पास समृद्धि महामार्ग पर एक ट्रक और बोलेरो पिकअप गाड़ी के बीच भीषण दुर्घटना हुई. हाईवे पर चैनेल नंबर 97 के पास हुई इस टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई और 15 से 18 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. पुलिस ने बताया कि पिकअप में श्रद्धालु सवार थे और मां दुर्गा की मूर्ति लेकर शेगांव से वर्धा जा रहे थे. इस समय समृद्धि महामार्ग पर ट्रक और टेम्पो पिकअप की आपस में टक्कर हो गई. टक्कर इतनी भीषण थी टेंपो पिकअप बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया. स्थानीय लोगों ने राहत कार्य शुरू किया. गंभीर रूप से घायलों का इलाज वर्धा में चल रहा है. पुलिस अधीक्षक निकेतन कदम और धमनगांव नगर परिषद की अध्यक्ष अर्चना रोथे ने अस्पताल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया. पुलिस हादसे की जांच कर रही है. धामणगांव रेलवे के पास समृद्धि महामार्ग पर पहले भी हादसे हुए हैं. जून 2026 में, चंद्रपुर के एक परिवार के पांच सदस्यों की इसी इलाके में मौत हो गई थी, जब उनकी कार एक खड़े कंटेनर ट्रक से टकरा गई थी. सड़क हादसा किस परिस्थिति में हुआ, इसका पता लगाया जा रहा है. वहीं, मृतकों और घायलों की पहचान में पुलिस जुटी है.

## सीजेपी को मिला वकीलों का साथ: बोले- दमन हुआ तो बिना फीस के लड़ेंगे केस

**मुंबई , एजेंसी।** महाराष्ट्र के पालघर जिले की वसई लॉयर्स एसोसिएशन ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के समर्थन में सामने आने की बात कही है। संगठन ने कहा है कि अगर पार्टी के सदस्यों को किसी तरह के कथित दमन का सामना करना पड़ता है और उनके खिलाफ मामले दर्ज होते हैं, तो उन्हें मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। एसोसिएशन के प्रवक्ता दिगंबर देसाई ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही। दिगंबर देसाई से पूछा गया था कि अगर सीजेपी के सदस्यों के खिलाफ मामले दर्ज होते हैं तो क्या वकील उनके बचाव के लिए बिना फीस के आगे आएंगे।

इस पर उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों को कायम रहना चाहिए और जरूरत पड़ने पर उनकी संस्था न्यायिक मंच पर ऐसे लोगों की मदद करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि वकील ऐसे मुद्दों पर समर्थन देने और जिन लोगों को कथित दमन का सामना करना पड़ रहा है, उनके साथ खड़े होने के लिए तैयार हैं।

# भाजपा ने किया कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन में पेपर लीक का दावा, कहा- 30 से 40 लाख में हुआ पेपर का सौदा

**बेंगलुरु, एजेंसी।** बीजेपी ने गुरुवार को कर्नाटक सरकार पर बड़ा आरोप लगाया। बीजेपी का दावा है कि कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन का पेपर लीक हुआ। चालीस-चालीस लाख रुपये लेकर पेपर बेचा गया। इस घोटाले में कर्नाटक सरकार के मंत्री और कर्नाटक कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता शामिल हैं। इस घोटाले से ध्यान भटकाने के लिए डीके शिवकुमार और उनके मंत्री चुनाव आयोग को निशाना बना रहे हैं। आज संबित पात्रा ने कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन में हुए इस पेपर लीक घोटाले को लेकर गंभीर आरोप लगाए।

**पेपर के लिए स्टूडेंट्स से मांगे गए 80 लाख रुपये:** दरअसल, इसी साल 8 और 9 जनवरी को कर्नाटक पब्लिक सर्विस कमीशन का एग्जाम हुआ था, लेकिन इससे एक दिन पहले ही पेपर लीक हो गया था। एस. मंजूनाथ नाम के एक व्यक्ति ने स्टिंग ऑपरेशन के जरिए इसके

सबूत जुटाए। फिर पता लगा कि ज्ञानेंद्र कुमार ने एग्जाम में आने वाले क्वेश्चन्स को पेन ड्राइव में लिया। फिर एक बिचौलिए बसवराज कन्नाले को एग्जाम में एपीयर होने वाले छात्रों से संपर्क करने को कहा। स्टूडेंट्स से 80 लाख रुपये मांगे गए। लेकिन सौदा 30 से 40 लाख में हुआ।

### 11 स्टूडेंट्स से वसूले गए 1 करोड़ 52 लाख रुपये

शुरू में 11 स्टूडेंट्स ने कुल 1 करोड़ 52 लाख रुपये दिए। बाकी की रकम के लिए पोस्ट डेटेड चेक लिए गए। इस पैसे में से 1 करोड़ 30 लाख रुपये ज्ञानेंद्र कुमार को दिए गए। रिश्वत की रकम से ज्ञानेंद्र कुमार ने ज्वेलरी खरीदे। इनमें 22 लाख रुपये का एक डायमंड नेकलैस मिला है। फिर बसवराज ने बेंगलुरु के बाहर रिजॉर्ट बुक किया। कैंडिडेट्स को इस रिजॉर्ट में ठहराया गया। पेपर के क्वैश्चन और आंसर्स बताए गए। 17 जुलाई को जब रिजल्ट आया तो इन सारे कैंडिडेट्स का सेलेक्शन हो गया। जब मामले का खुलासा हुआ तो कर्नाटक सरकार ने इस मामले की जांच सीआईडी को सौंप दी।

### रेड में ईडी को मिले सबूत

फिर ईडी की एंट्री भी हो गई। ईडी की रेड में सारे सबूत मिल गए, जिन स्टूडेंट्स ने पैसे देकर पेपर पास किया था, उनमें से 10 लड़के एप्रूवर भी बन गए। अब इस मामले की जांच के लिए हाईकोर्ट नें एसआईटी का गठन कर दिया है। इसीलिए आज संबित पात्रा ने कहा कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार नौजवानों के भविष्य का सौदा कर रही है। कांग्रेस ने कर्नाटक को रिश्वत का एटीएम बना दिया है। संबित ने कहा कि इस पेपर लीक घोटाले में सरकार के बड़े-बड़े नेता और मंत्री शामिल हैं, इसलिए कर्नाटक सरकार इस केस को दबाने में पूरी ताकत लगा रही है।

## राज्य मुख्य चुनाव अधिकारी का चुनावी दावों को गलत बताने वालों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश

**बेंगलुरु , एजेंसी।** स्पेशल इंटेंसिव रिविजन के दौरान 'फॉर्म 7' के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल और उसके गलत इस्तेमाल की आपराधिक जांच की मांग को लेकर मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और उनके कैबिनेट सहयोगियों के विरोध-प्रदर्शन के कुछ घंटों बाद, राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी वी अनबुकुमार ने राज्य भर के चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे उन आवेदकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करें जिन्होंने जानबूझकर झूठे दावे या आपत्तियां दर्ज कराई हैं. बता दें, राज्य मुख्य चुनाव अधिकारी का यह निर्देश गुरुवार 1 अक्टूबर को जिला चुनाव अधिकारियों और डिप्टी कमिश्नरों, बेंगलुरु चुनाव अधिकारियों और सभी 224 विधानसभा क्षेत्रों के चुनावी पंजीकरण अधिकारियों को जारी किया गया था. मुख्य चुनाव अधिकारी वी अनबुकुमार के मुताबिक यह माना गया कि निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के पास बड़ी संख्या में 'फॉर्म 7' एप्लीकेशन जमा किए जाने के मामले ऑफिस की जानकारी में आए हैं और कुछ एप्लीकेशन की असलियत पर सवाल उठाए गए हैं. निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के पास फॉर्म 7 में बड़ी संख्या में आवेदन जमा किए जा रहे हैं.

# नागालैंड में बड़ा सियासी फेरबदल, एक पार्टी के सभी 5 विधायक सत्तारूढ़ दल में शामिल

**कोहिमा, एजेंसी।** नागालैंड की राजनीति में गुरुवार को बड़ा बदलाव देखने को मिला। नेशनल पीपुल्स पार्टी यानी कि एनपीपी के सभी 5 विधायक सत्तारूढ़ नगा पीपुल्स फ्रंट यानी कि एनपीएफ में शामिल हो गए। इसके साथ

ही 60 सदस्यीय नागालैंड विधानसभा में एनपीएफ के विधायकों की संख्या बढ़कर 39 हो गई है। विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी बयान में इसकी जानकारी दी गई। पांचों विधायकों ने 1 अक्टूबर को एनपीएफ में विलय की जानकारी विधानसभा को दी थी।

**मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो की मौजूदगी में हुआ शामिल होना:** एनपीपी के पांचों विधायक दीमापुर में एनपीएफ में शामिल हुए। इस मौके पर एनपीएफ अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, पार्टी के महासचिव अचुम्बेमो किकोन और पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। एनपीएफ ने देर रात जारी बयान में पांचों विधायकों के पार्टी में शामिल होने की जानकारी दी। पार्टी ने इस कदम का स्वागत करते हुए इसे नागालैंड की राजनीति में एक अहम घटनाक्रम बताया। नागालैंड विधानसभा सचिवालय की संशोधित पार्टी-संबद्धता सूची के मुताबिक, एनपीपी के प्रदेश अध्यक्ष और मोका से विधायक ए. न्यामन्येई कोन्याक, अर्काकोंग से विधायक नुक्लुतोशी, सेयोचुंग-सितिमी से विधायक सी. किपिली संगतम, कोहिमा टाउन से विधायक त्सेइलहौतुओ रुत्सो और थोनोकन्यू से विधायक बेनेई एम. लैमथियू एनपीएफ में शामिल हुए हैं। विधानसभा बुलेटिन के मुताबिक, पांचों विधायकों ने संविधान की दसवीं अनुसूची की संबंधित धाराओं के तहत एनपीएफ के साथ विलय की जानकारी दी थी। विधानसभा के सचिव खुओहितुओनुओ रियो की ओर से जारी बुलेटिन में विलय की तारीख 1 अक्टूबर दर्ज की गई है। जाने को नागालैंड के सत्तारूढ़ राजनीतिक समीकरण में एक और बड़ा बदलाव माना जा रहा है। इससे पहले पिछले साल एनडीपीपी विधायक दल के विलय के बाद एनपीएफ ने सत्ता पक्ष के बड़े हिस्से को अपने साथ मिला लिया था। अब एनपीपी के सभी पांच विधायकों के शामिल होने से विधानसभा में एनपीएफ की संख्या और बढ़ गई है। एनपीपी विधायकों का एनपीएफ में स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री और एनपीएफ अध्यक्ष नेफ्यू रियो ने कहा कि उनका पार्टी में शामिल होने का फैसला नगा लोगों की आकांक्षाओं को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पांचों विधायकों के एनपीएफ में आने से पार्टी और मजबूत होगी। इस नए राजनीतिक समीकरण के बाद नागालैंड विधानसभा में एनपीएफ के 39 विधायक हो गए हैं। इसके अलावा बीजेपी के 12 विधायक हैं। लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) के दो, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के दो और जनता दल (यूनाइटेड) का एक विधायक है। विधानसभा में 4 निर्दलीय विधायक भी हैं। इस तरह एनपीपी के पांचों विधायकों के एनपीएफ में शामिल होने के बाद नागालैंड की 60 सदस्यीय विधानसभा में सत्तारूढ़ एनपीएफ की स्थिति और मजबूत हुई है।

# राजस्थान के भरतपुर से कांग्रेस के दिग्गज नेता विश्वेन्द्र सिंह ने दिया इस्तीफ़ा

**भरतपुर, एजेंसी।** राजस्थान से बड़ी खबर सामने आई है। भरतपुर के दिग्गज नेता, राजघराने के विश्वेन्द्र सिंह ने कांग्रेस से इस्तीफ़ा दे दिया है। पार्टी में हुई कलह की वजह से उन्होंने ये कदम उठाया है। कुछ दिनों पहले ही पीसीसी अध्यक्ष गोविंद डोटासरा और विश्वेन्द्र सिंह के बीच काफ़ी बयानबाज़ी हुई थी, जिसके बाद डोटासरा ने विश्वेन्द्र सिंह के ख़िलाफ़ रिपोर्ट भेजी थी। उसके बाद से उन्हें निष्कासित करने की तैयारी की जा रही थी। विश्वेन्द्र सिंह ने निकाय चुनाव में पार्टी की हार के लिए टिकट वितरण को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर सवाल उठाए थे।

**विश्वेंद्र सिंह ने फेसबुक पोस्ट किया, पूछा सवाल:** पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेन्द्र सिंह ने अपनी फेसबुक पोस्ट में कांग्रेस के जिला अध्यक्षों को निशाने पर लिया। उन्होंने लिखा, भरतपुर-डीग कांग्रेस का बंटाधार- जिम्मेदार कौन? उन्होंने लिखा, नगर निकाय में कांग्रेस की हार का एक ही कारण है- दोनों जिलाध्यक्षों ने चहेतों को टिकट बांटे और असली कार्यकर्ताओं को दरकिनार किया। जनता ने सबक सिखा दिया। पहले निकाय चुनाव में

जनता को इन लोगों ने कब्र में दफनाया था, लेकिन जनता अब भी तैयार बैठी है। इस बार चुनाव में जनता दोनों जिलाध्यक्षों और इनको बचाने वाले प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को उसी कब्र में दफनाने को तैयार है।

सिंह ने आगे लिखा कि 'ये सीएम का गृह जिला है। यहां कांग्रेस मजबूत होनी चाहिए थी, पर इन लोगों ने पार्टी को डूबो दिया. प्रदेश अध्यक्ष मूक-बधिर बना बैठा है। जब तक ये दोनों कुर्सी पर हैं, कांग्रेस का उठना नामुमकिन है। प्रदेश नेतृत्व होश में आओ। विश्वेंद्र सिंह के अचानक इस्तीफा देने के पीछे मुख्य रूप से संगठनात्मक असंतोष और गुटबाजी को वजह माना जा रहा है। भरतपुर और डीग में निकाय चुनाव के खराब नतीजों के बाद आंतरिक कलह खुलकर बाहर आई। विश्वेंद्र सिंह ने हार का सीधा जिम्मेदार भरतपुर व डीग के कांग्रेस जिलाध्यक्षों और प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को ठहराया।

उन्होंने आरोप लगाया कि निष्ठावान कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर केवल 'चहेतों' को टिकट बांटे गए, जिससे समर्पित कार्यकर्ताओं में भारी रोष था।

**स्वाभिमान और 'चापलूसी कल्चर':** अपने त्यागपत्र में उन्होंने लिखा कि पार्टी में चापलूसी का माहौल इतना बढ़ गया है कि वहां 'दम घुट रहा था' और घुट-घुट कर जीने से बेहतर स्वाभिमान के साथ अलग होना है। विश्वेंद्र सिंह ने हमला तेज करते हुए डोटासरा के शिक्षा मंत्री रहते ऋश्वश्ज्ञ भर्ती परीक्षा और परिजनों के आरक्षण/चयन से जुड़े मामलों की निष्पक्ष जांच की मांग भी कर डाली। भरतपुर के पूर्व महाराजा विश्वेंद्र सिंह साल 2008 में भारतीय जनता पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे। बीजेपी के तत्कालीन नेता स्वर्गीय दिगंबर सिंह से हुए विवाद के बाद वे कांग्रेस में आए थे।

## जल-जंगल-जमीन बचाने वालों की आवाजें खामोश, 14 वर्षों में 2375 पर्यावरण रक्षकों की हत्या या गुमशुदगी

**लंदन, एजेंसी।** जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए आवाज उठाना दुनिया के कई हिस्सों में लगातार जोखिम भरा होता जा रहा है। वर्ष 2025 में कम से कम 124 भूमि और पर्यावरण रक्षकों की हत्या कर दी गई। इनमें बड़ी संख्या छोटे किसानों, आदिवासी समुदायों और अन्य स्थानीय समूहों से जुड़े लोगों की थी। नई रिपोर्ट के मुताबिक, 2012 से 2025 के बीच दुनिया

में पर्यावरण और भूमि अधिकारों के लिए संघर्ष करने वाले कम से कम 2,375 लोगों की हत्या या गुमशुदगी के मामले दर्ज हुए हैं। ग्लोबल विटनेस की रिपोर्ट कलेक्टिव पावर : द स्ट्रगल फॉर प्रोटेक्शन फॉर लैंड एंड एनवायरनमेंटल डिफेंडर्स के मुताबिक, 2025 में दुनिया भर में 124 पर्यावरण और भूमि रक्षकों की हत्या हुई। इनमें करीब 85 फीसदी मामले लैटिन अमेरिका में दर्ज किए गए। भारत में 2025 के दौरान दो पर्यावरण रक्षकों की हत्या दर्ज की गई। संख्या के लिहाज से यह आंकड़ा छोटा है, लेकिन यहां हिंसा का स्वरूप केवल हत्या तक सीमित नहीं है। आपराधिक मुकदमे, धमकियां और कार्यकर्ताओं को सार्वजनिक रूप से बदनाम करने के अभियान भी दबाव के प्रमुख तरीके बन रहे हैं। 2012 से अब तक हत्या या गुमशुदगी के 2,375 मामले सामने आ चुके हैं। कोलंबिया में 39 और ब्राजील में 26 पर्यावरण रक्षक मारे गए। दोनों देशों के मामले मिलाकर वैश्विक कुल का आधे से अधिक हैं।

# अमेरिकी एयरबेस पर सुरक्षा में चूक मामले में ब्रिटिश-ईरानी नागरिक गिरफ्तार, आतंकवादी साजिश का शक

**लंदन, एजेंसी।** इंग्लैंड में अमेरिका द्वारा संचालित एक एयरबेस के पास हुई सुरक्षा घटना की जांच के सिलसिले में ब्रिटिश पुलिस ने ब्रिटेन और ईरान की दोहरी नागरिकता रखने वाले 27 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उस पर आतंकवादी हमले की साजिश रचने के संदेह में कार्रवाई की है।

पुलिस के अनुसार, व्यक्ति को गुरुवार को लंदन में गिरफ्तार किया गया। इसके बाद ब्रिटेन की राजधानी में दो ठिकानों की तलाशी ली गई। यह मामला रॉयल एयर फोर्स यानी आरएएफ फेयरफोर्ड में सप्ताहांत के दौरान हुई सुरक्षा घ+टना से जुड़ा है। इस एयरबेस का इस्तेमाल अमेरिकी बमवर्षक विमानों ने ईरान पर हमले के लिए किया है।

रविवार को इस मामले में लंदन के रहने वाले 20 साल की उम्र के पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। आतंकवाद रोधी पुलिस ने बताया कि 26 वर्षीय एक अन्य ब्रिटिश नागरिक से भी चेतावनी के तहत पूछताछ की गई है।

मेट्रोपॉलिटन पुलिस की आतंकवाद रोधी इकाई की वरिष्ठ राष्ट्रीय समन्वयक विकी इवांस ने कहा, 'जैसा कि हमने स्पष्ट किया है, हम सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रहे हैं, जिसमें

किसी विदेशी राज्य की संभावित संलिप्तता भी शामिल है।' उन्होंने कहा, 'मैं जनता को उनके लगातार समर्थन और धैर्य के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं, क्योंकि हम इस जांच को आगे बढ़ा रहे हैं। '

इस मामले में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने बुधवार को कहा कि ब्रिटेन का मानना है कि दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के एक गांव में आरएएफ एयरबेस के पास हुई घटना में ईरान की भूमिका रही है। इस मामले की जांच देश की आतंकवाद रोधी पुलिस कर रही है। रविवार को आरएएफ फेयरफोर्ड के पास व्हेलफोर्ड गांव में पुलिस को सूचना मिलने के बाद 20 साल की उम्र के पांच ब्रिटिश नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। आरएएफ फेयरफोर्ड में बड़ी संख्या में अमेरिकी वायुसेना के कर्मी और संचालन मौजूद हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संदिग्धों को जमानत दिए जाने पर सवाल उठाया था। बर्नहम ने पत्रकारों से कहा, 'वास्तव में इस बात के मजबूत संकेत हैं कि ईरान की इसमें भूमिका थी।' उन्होंने कहा, 'हालांकि, यह अब भी एक जटिल और बेहद गंभीर पुलिस जांच है। इसलिए मैं इस समय इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। मैंने सोमवार को कैबिनेट ऑफिस ब्रीफिंग रूम ए यानी कोबरा की बैठक की अध्यक्षता की थी।

# पश्चिमी देशों को चेताया, कहा- रूस पर किया हमला तो करेंगे हर हथियार का इस्तेमाल

**मॉस्को, एजेंसी।** रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों और विचारों की सराहना की है। पुतिन ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उन विश्व नेताओं में से एक हैं, जो हमारे बहुत अच्छे और यहां तक कि मैत्रीपूर्ण संबंधों तथा व्यक्तिगत रूप से हमारे अच्छे संबंधों के बावजूद लगातार यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने का सवाल उठाते हैं और इसके बारे में पूछते हैं।''

पुतिन ने कहा, 'प्रधानमंत्री की इसमें गहरी रुचि है और उनके पास ऐसे बहुत अच्छे विचार हैं, जिनका उद्देश्य दोनों पक्षों को स्वीकार्य समाधान तलाशना है। इस अर्थ में पीएम मोदी निश्चित रूप से तटस्थ रुख अपनाते हैं, लेकिन संघर्ष को समाप्त करने में उनकी दिलचस्पी है। मुझे लगता है कि मेरा यह बात सीधे तौर पर कहना मेरा कर्तव्य है। हम पीएम मोदी के विचारों के लिए उनके आभारी हैं। हम शांतिपूर्ण तरीकों से और जल्द से जल्द इस संघर्ष को समाप्त करने की उनकी इच्छा के लिए आभारी हैं। '

रूसी राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय आया है जब मॉस्को और नाटो के बीच तनाव को लेकर बयानबाजी तेज है। पुतिन ने गुरुवार को कहा कि रूस यूरोपीय देशों पर हमला करने की योजना नहीं बना रहा है, लेकिन अगर रूसी क्षेत्र पर सीधा हमला होता है तो रूस अपने पास मौजूद 'सभी हथियारों' के इस्तेमाल के विकल्प पर विचार करेगा।

विदेश नीति से जुड़े एक मंच पर पुतिन ने पश्चिमी देशों और यूरोप पर तनाव बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यूरोपीय देश आने वाले वर्षों में रूस के साथ युद्ध की तैयारी की बात कर रहे हैं, बाल्टिक सागर में सैन्य अभ्यास कर रहे हैं और रूसी जहाजों को जब्त कर रहे हैं। पुतिन का यह बयान मॉस्को की उस चेतावनी के बाद आया है, जिसमें नाटो को कहा गया था कि अगर सैन्य गठबंधन के किसी सदस्य ने रूस के कालिनिनग्राद क्षेत्र को देश के बाकी हिस्सों से अलग करने की कोशिश की तो रूस उसकी रक्षा के लिए परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से भी पीछे नहीं हटेगा। रूस के कई यूरोपीय दूतावासों ने इस सप्ताह बयान जारी कर कहा कि मॉस्को के पास 'जानकारी है कि नाटो कालिनिनग्राद और कालिनिनग्राद क्षेत्र की हवाई और नौसैनिक नाकाबंदी की तैयारी कर रहा है। ' रूसी पक्ष ने यूरोपीय नेताओं पर 'खतरनाक खेल खेलने' का आरोप लगाया। मॉस्को ने उन दावों को भी बेतुका बताया, जिनमें कहा जा रहा है कि रूस किसी अन्य देश पर हमला कर सकता है या ड्रोन और तोड़फोड़ के जरिये अस्थिरता फैलाने वाली गतिविधियां बढ़ा सकता है। गुरुवार को वाल्दाई क्लब के मंच पर पुतिन से पूछा गया कि क्या रूस और नाटो युद्ध के करीब पहुंच गए हैं या दोनों एक-दूसरे को डराने की कोशिश कर रहे हैं। इस पर उन्होंने कहा, 'यह डराने-धमकाने की बात नहीं है, बल्कि हमें डराने की कोशिश का जवाब है। ' पुतिन ने कहा कि नाटो को दी गई पिछली

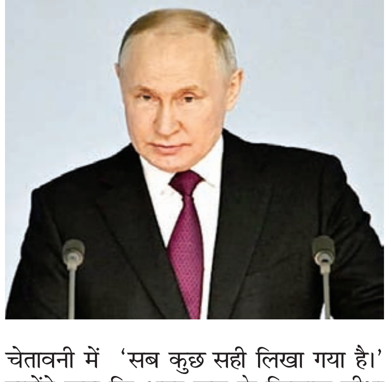

चेतावनी में 'सब कुछ सही लिखा गया है।' उन्होंने कहा कि अगर रूस के खिलाफ सीधा हमला होता है, जिसमें कालिनिनग्राद या रूस का कोई अन्य क्षेत्र शामिल हो सकता है, तो देश के पास मौजूद सभी हथियारों के इस्तेमाल का सवाल 'अनिवार्य रूप से और तुरंत' सामने आएगा। हालांकि, पुतिन ने यह स्पष्ट नहीं किया कि रूस परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगा या नहीं। उन्होंने कहा कि रूस के पास ऐसे हथियार हैं 'जो किसी और के पास नहीं हैं' और हमला होने की स्थिति में यह तय किया जाएगा कि इनमें से किन हथियारों का इस्तेमाल किया जाए। पुतिन ने भारत के साथ परिवहन और आर्थिक सहयोग की संभावनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि रूस ने एक चीनी कंटेनर जहाज और दक्षिण कोरियाई जहाज के साथ पायलट परियोजना की है और भारतीय मित्रों के साथ भी बातचीत चल रही है। उन्होंने कहा कि रूस इन संभावनाओं वाले अंतरराष्ट्रीय गलियारों के संयुक्त इस्तेमाल के पक्ष में है। पुतिन ने उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे का भी उल्लेख किया और कहा कि इसका विकास केवल रूस पर निर्भर नहीं है। पुतिन ने कहा कि रूस इस परियोजना के लिए ऋण संसाधन उपलब्ध कराने को तैयार है, लेकिन अभी ईरान को अपने हिस्से का काम पूरा करना है। उन्होंने कहा कि गलियारे का एक हिस्सा अजरबैजान से होकर जाएगा और इस मुद्दे पर राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव के साथ संपर्क है। पुतिन के अनुसार, इस मामले में कोई समस्या नहीं है और अजरबैजान भी सहमत है। उन्होंने भारत के साथ लॉजिस्टिक्स के अलावा आर्थिक सहयोग की बड़ी संभावनाओं की भी बात कही। पुतिन ने कहा कि भारत के साथ आर्थिक सहयोग की क्षमता केवल परिवहन और लॉजिस्टिक्स तक सीमित नहीं है। नाटो की प्रवक्ता एलिसन हार्ट ने बुधवार को पुष्टि की कि रूस ने अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन को एक लिखित संदेश भेजा है। उन्होंने कहा, 'हम बल प्रयोग की धमकी, जिसमें गैर-जिम्मेदाराना परमाणु बयानबाजी भी शामिल है, की कड़ी निंदा करते हैं।'

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद राय Mob.: 9212228045, 8130691216
(नोट: प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/ 49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@ pratahkiran.com, 9971557129, 9334542496